राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 हर किसान को सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : मंत्री

हमारा एक्शन सही था, बॉबे हाई कोर्ट के आदेश से हैरान तुकाराम मुंडे; एफडीए पर लगा था 5 लाख ...का 12

वर्ष : 14 | अंक : 131 | पटना,गुरुवार, 20 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

केंद्र ने बिहार में 3,590 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण सड़क परियोजना को दी मंजूरी

मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड के 82.578 किलोमीटर हिस्से को चार-लेन हाईवे में अपग्रेड करने को स्वीकृति

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को बिहार को भी एक बड़ा बुनियादी ढांचा उपहार दिया है। कैबिनेट ने मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड के 82.578 किलोमीटर हिस्से को चार-लेन हाईवे में अपग्रेड करने को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 3,591 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में बताया कि यह सड़क परियोजना उत्तर बिहार के प्रमुख क्षेत्रों को बेहतर तरीके से जोड़ेगी और नेपाल सीमा के पास स्थित इलाकों तक पहुंच को आसान बनाएगी। इसके बनने से यात्रियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापार और माल परिवहन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

सरकार के मुताबिक, इन परियोजनाओं का उद्देश्य रेल और सड़क परिवहन की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ ट्रैफिक का दबाव कम करना और लोगों के लिए कनेक्टिविटी बेहतर करना है।कैबिनेट के मुताबिक, इससे मुजफ्फरपुर, मुक्सुदपुर, रुन्नीसैदपुर, थुम्मा, डुमरा, भुतही और सोनबरसा के घनी आबादी वाले इलाकों में भीड़भाड़ काफी कम हो जाएगी।मंत्रिमंडल के एक विज्ञप्ति में कहा गया है, एनएच-22 का मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जो राष्ट्रीय माल ढुलाई ग्रिड से निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करता है।यह न केवल बरौनी जैसे औद्योगिक क्षेत्रों और नदी-आधारित लॉजिस्टिक्स हब से कनेक्टिविटी को बढ़ाता है, बल्कि पास के भीथामोर स्थित लैंड पोर्ट के माध्यम से सीमा पार यात्री और माल ढुलाई को भी मजबूत करता है।

इसके अलावा, उन्नत कॉरिडोर पांच पीएम गति-शक्ति आर्थिक केंद्रों (चार औद्योगिक संपदा और एक मेगा फूड पार्क), चार सामाजिक केंद्रों (बाबा गरीबनाथ मंदिर, माता जानकी मंदिर, पुनाउरा धाम, मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी आकांक्षी जिले) और दो लॉजिस्टिक केंद्रों (मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन) से कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा।

बेहतर संपर्क व्यवस्था से वस्तुओं और कृषि आपूर्ति शृंखलाओं की कुशल आवाजाही में सुविधा होगी, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को समर्थन मिलेगा और बौद्ध सर्किट और ऐतिहासिक जानकी पुनाउरा धाम मंदिर, सीतामढ़ी जैसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक स्थलों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

मंत्रिमंडल के अनुसार, इस परियोजना को 100 किमी प्रति घंटे की गति और 80 किमी प्रति घंटे की औसत गति के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें कोई एट-ग्रेड मीडियन ओपनिंग नहीं है, जो तेज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करता है।

इसके अलावा, परियोजना में यातायात की सुचारू आवाजाही बनाए रखने और सुरक्षित, तेज गति की यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सात प्रमुख पुलों (जिसमें बारहमासी बागमती नदी पर 340 मीटर लंबा एक प्रमुख पुल शामिल है), तीन रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) और दो फ्लाईओवर का प्रावधान है।बता दें कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए कुल 13,000 करोड़ रुपए की लागत वाली पांच महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति जताया आभार

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा बिहार में मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड के फोर लेन मानक में उन्नत करने की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 3,590.73 करोड़ रुपए की लागत से 82.578 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग का फोर लेन उन्नयन उत्तर बिहार के विकास को नई गति प्रदान करेगा। हाइब्रिड एन्युटी मोड के तहत बनने वाली इस परियोजना से मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और सोनबरसा क्षेत्र के लोगों को बेहतर, सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार एवं वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा रोजगार एवं आर्थिक अवसरों का विस्तार होगा। बेहतर सड़क संपर्क से उत्तर बिहार की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को भी गति मिलेगी।

सीएम सम्राट की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक,13 एजेंडों पर मुहर लगी

बक्सर-भागलपुर छह लेन ग्रीन फिल्ड सड़क का होगा निर्माण

■ कैबिनेट की बैठक में इस नई परियोजना को मिली मंजूरी, राज्य सरकार अपने स्तर पर कराएगी इसका निर्माण कार्य

प्रात : किरण

पटना।राज्य के बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्रों बक्सर और भागलपुर को सीधे तौर पर जोड़ने के लिए एक नई छह लेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा। इस ग्रीन फिल्ड सड़क की लंबाई 336 किमी होगी। इसके निर्माण की मंजूरी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में दी गई। कैबिनेट में 13 एजेंडों पर मुहर लगी। इन निर्णयों के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के सचिव मो. सोहेल ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह सड़क पीपीपी मोड पर राज्य सरकार पूरी तरह से अपने खर्चे पर बनाएगी। यह सड़क बक्सर से शुरू होगी और भोजपुर, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, मुंगेर, शेखपुरा, बांका, गया, नवादा, जमुई से लखीसराय होते हुए भागलपुर पहुंचेगी। इन शहरों से इस सड़क के गुजरने से पूरे इलाके की आधारभूत संरचना और कृषि क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि बिहार

स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से इसका क्रियान्वयन कराया जाएगा। इसका डीपीआर परामर्शी और ट्रैंजेक्शन एडवाइजर की सेवा प्राप्त करने और इस कॉरिडोर के आसपास बड़े भू-खंडों का आर्थिक प्रयोजन के विकास के लिए बीएसआरडीसीएल को प्राधिकृत करने के सैद्धांतिक प्रस्ताव पर मंत्री परिषद का अनुमोदन प्राप्त किया गया है।

सचिव ने बताया कि राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित आधारभूत प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए जापान की कंपनी टायो के साथ सूचना एवं प्रावैधिकी विभाग के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। एआई की उपयोग से विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान, प्रथामिकता निर्धारण, परियोजना मॉनीटरिंग और क्रियान्वयन में सरकार को सहयोग प्राप्त होगा।

जिला से लेकर राज्य स्तर तक मत्स्यजीवी सहकारी समिति का होगा गठन

सचिव ने कहा कि जिल से लेकर राज्य स्तर तक मत्स्यजीवी सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। इसका मकसद पिछड़े एवं वंचित वर्ग को संगठित कर राज्य स्तर तक मजबूत संरचना विकसित करना है। जिला, जिला समूह, प्रमंडल स्तरीय मत्स्यजीवी सहकारी संघ और राज्य स्तरीय मत्स्यजीवी सहकारी परिसंघ के गठन की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अवर प्रादेशिक नियोजनालय का नाम जिला नियोजनालय होगा उन्होंने कहा कि जिलों में मौजूद जिला नियोजनालयों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार, कॉरियर काउंसेलिंग और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। रोजगार को बढ़ावा देने के लिए रोजगार मेला का आयोजन, सभी प्रकार की निजी कंपनियों, उद्योगों, प्रतिष्ठानों एवं सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्योग इकाईयों के साथ रोजगार के लिए संपर्क, रोजगार परामर्श जैसे कार्य क्रियान्वित किए जाते हैं। अब अवर प्रादेशिक नियोजनालय का नाम जिला नियोजनालय करने से सात निश्चय पार्ट-3 (2025-30) के अतर्गत सबका सम्मान-जीवन आसान के तहत आम लोगों और बेरोजगार युवाओं का जीवन आसान होगा। 11 हजार नलकूपों को स्थापित करने के लिए 83 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति। सात निश्चय-2 के अंतर्गत हर खेत तक सिंचाई का पानी योजना के अंतर्गत अनुदान आधारित मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के तहत पहले से स्वीकृत 35 हजार नलकूपों को लगाने के लिए 266 करोड़ रुपये के अलावा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 11 हजार नलकूपों को स्थापित करने के लिए 83 करोड़ 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

प्राथमिक चीनी मिल सहकारी समिति के गठन की स्वीकृति सचिव ने बताया कि सात निश्चय-3 के तहत समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार की परिकल्पना के अंतर्गत मधुबनी के सकरी एवं दरभंगा जिले के रैयाम में गन्ना उद्योग विभाग की बंद चीनी मिल की भूमि पर नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना की जानी है। इन दोनों चीनी मिलों के लिए अधिसूचित आरक्षित क्षेत्र के गन्ना उत्पादक तथा गन्ना उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध किसानों को शामिल करते हुए प्राथमिक चीनी मिल सहकारी समिति के गठन की स्वीकृति दी गई है।

गोदाम निर्माण के लिए समितियों को 50 प्रतिशत अनुदान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 48 हजार 200 मेट्रिक टन भंडारण क्षमता के सृजन के लिए 200 मेट्रिक टन, 500 एवं 1 हजार मेट्रिक टन प्रति इकाई क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए समितियों को 50 प्रतिशत अनुदान तथा 50 फीसदी चक्रीय पूंजी के रूप में कुल 34 करोड़ 95 लाख 27 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है।

इसके अलावा राज्य सरकार सोशल मीडिया, वेब पोर्टल और अन्य ऑनलाइन मीडिया के माध्यम से जनहितकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार को अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाने के उदेश्य से बिहार सोशल मीडिया एवं अन्य ऑनलाइन मीडिया (संशोधन) नियमावली-2026 में आवश्यक संशोधन किए गए हैं।

कोसी-मेची अंत:राज्यीय रिवर लिंक परियोजना से सीमांचल में होगा सिंचाई का विस्तार : सम्राट

■ कोसी-मेची अंत:राज्यीय रिवर लिंक परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश।

■ बोलें- किसानों की समृद्धि और जल प्रबंधन को मिलेगी नई गति

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सुपौल जिले के छातापुर प्रखंड अंतर्गत चैनपुर ग्राम में निमार्णाधीन कोसी-मेची अंतःराज्यीय रिवर लिंक परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति तथा कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

स्थल निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री चैनपुर ग्राम स्थित परियोजना के कैम्प कार्यालय पहुंचकर वहां परियोजना की समीक्षा की। जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ चंद्रशेखर सिंह ने परियोजना की कार्य प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। सुपौल के जिलाधिकारी सावन कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्यों की स्थिति एवं विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी।

जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसी-मेची अंतःराज्यीय रिवर लिंक परियोजना सीमांचल और बिहार के लिए एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके पूरा होने से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, किसानों की कृषि उत्पादकता बढ़ेगी और उनकी समृद्धि को नई गति मिलेगी। परियोजना के पूर्ण होने पर 2,14,813 हेक्टेयर कृषि भूमि को अतिरिक्त एवं सुनिश्चित सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना के माध्यम से बाढ़ के दौरान कोसी नदी के अधिशेष जल को लिंक नहर के जरिए मेची नदी तक पहुंचाया जाएगा। इससे महानंदा बेसिन में जल की उपलब्धता बढ़ेगी और कोसी के बाढ़ प्रभाव को कम करने तथा जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी। परियोजना से अररिया में 69,642 हेक्टेयर, पूर्णिया में 69,970 हेक्टेयर, किशनगंज में 39,548 हेक्टेयर तथा कटिहार में 35,653 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना के अंतर्गत पूर्वी कोसी मुख्य नहर की जल संवहन क्षमता 15,000 क्यूसेक्स से बढ़ाकर 20,000 क्यूसेक्स की जाएगी। मुख्य नहर के विस्तार के साथ 4 शाखा नहरों, 6 वितरणियों तथा आवश्यक नहर प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के अंतिम छोर पर लगभग 950 क्यूसेक्स जल मेची नदी में प्रवाहित होगा। परियोजना की अनुमानित कुल लागत 6,282.32 करोड़ रुपए है और इसे मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

परियोजना से जुड़े सभी कार्यों की लगातार निगरानी हो

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान किसानों को कृषि कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्य में गति, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने तथा परियोजना से जुड़े सभी कार्यों की लगातार निगरानी करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कोसी और गंडक नदियों को व्यवस्थित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए समग्र योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिसमें डैम एवं अन्य जल संरचनाओं के माध्यम से छोटी नदियों में भी वर्ष भर पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध रहे। उन्होंने जल संसाधनों के समुचित उपयोग, संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए दीर्घकालिक योजना पर कार्य करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसी के अधिशेष जल का समुचित उपयोग कर सीमांचल के खेतों तक पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि, किसानों की आय में बढ़ोतरी तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित हो : मंत्री

प्रात : किरण

पटना।उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलना चाहिए, जो निर्धारित पात्रता और सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा करते हों।उन्होंने ऐसे सभी शैक्षणिक संस्थानों की जांच के निर्देश दिए हैं जो असत्य और भ्रामक जानकारी देकर एक से अधिक कॉलेजों का संचालन कर रहे हैं। श्री टाइगर की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नवसृजित डिग्री कॉलेजों के लिए भूमि की उपलब्धता, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना तथा शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और संचालन से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई। स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। इसलिए पात्र विद्यार्थियों तक योजना का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से पहुंचाना है।उन्होंने निर्देश दिया कि नवसृजित डिग्री कॉलेजों के लिए ऐसी भूमि चुनी जाए, जो प्रखंड मुख्यालय के आसपास और विद्यार्थियों के लिए सुगम और निकट हो।उन्होंने निर्देश दिया कि इन कॉलेजों के लिए चयनित शिक्षकों के प्रमाण पत्र की वैधता की जांच तय समय सीमा के भीतर हो जाए। समीक्षा के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री ने वर्तमान में संचालित आठ शोध संस्थानों को सरल और सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया। श्री टाइगर ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच के दौरान यदि संबंधित पदाधिकारियों या अन्य जिम्मेदार लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी, सत्यापन और जवाबदेही की व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने संस्थानों की मान्यता, संचालन व्यवस्था, उपलब्ध संसाधन, विद्यार्थियों को दी जा रही ।

सरकार की गलत नीतियों ने हमारे युवाओं को भारी हताशा के दलदल में धकेल दिया: खड़गे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के बाद बुधवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में अपने उद्घाटन संबोधन के कुछ अंश साझा किए।कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक में कहा कि संसद सत्र के समापन के बाद हम लोग पहली बार मिल रहे हैं। कुछ बेहद ज्वलंत मुद्दों पर हमें आपस में चिंतन-मनन करना है। आज हमारी सामूहिक चिंता का सबसे बड़ा बिंदु युवा हैं। आजादी की 80 साल हो गए पर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थितियां बेहतर होने की जगह बदतर होती जा रही हैं। दुनिया का सबसे युवा देश भारत ही है और युवा हमारा भविष्य हैं। सरकार की गलत नीतियों ने हमारे युवाओं को भारी हताशा के दलदल में धकेल दिया है। सांप्रदायिक उन्माद और रेवड़ी कल्चर की होड़ में सबसे अधिक उपेक्षा युवाओं के शिक्षा और

रोजगार की हुई है।

बैठक में खड़गे ने कहा कि इस मौके पर मैं राजीव गांधी जी का खासतौर पर स्मरण करना चाहूंगा। गुरुवार को उनकी जन्म जयंती है। उन्होंने प्रचंड बहुमत की सरकार में रहते हुए अपनी नीतियों के केंद्र में नौजवानों को रखा था। राजीव गांधी ने युवाओं को बड़ी भूमिका मिले, इस इरादे से वोटिंग की उम्र 21 साल से घटा कर 18 साल की। देश के हर जिले में नवोदय विद्यालयों का नेटवर्क खड़ा किया। स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने का सिलसिला उसी दौरान आरंभ हुआ। उन्होंने व्यापक विचार-मंथन के बाद जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयार कराई, उसमें डिग्री के साथ रोजगार और स्किल डेवलपमेंट को जोड़ा।

पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी की गई विस्तृत कार्ययोजना

सूबे के सभी जिलों में बनेगी दंगा निरोधी दस्ता इकाई, 20 मिनट में घटनास्थल पर पहुंचेगी टीम

प्रात : किरण

पटना। बिहार पुलिस मुख्यालय ने राज्य में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने तथा दंगा, हिंसक प्रदर्शन, सामुदायिक तनाव, सड़क जाम और सरकारी संपत्ति पर हमले जैसी आकस्मिक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी जिलों में जिला दंगा निरोधी दस्ता गठित करने का फैसला किया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से बुधवार को इसकी विस्तृत कार्ययोजना जारी की गई है।

पुलिस मुख्यालय के अनुसार, प्रत्येक जिले एवं अनुमंडल स्तर पर दंगा नियंत्रण इकाई का गठन किया जा रहा है।

इन दस्तों में प्रभारी पदाधिकारी, प्रशिक्षित पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी, प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी, आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा एवं एंबुलेंस सहायता दल, वीडियोग्राफी एवं दस्तावेजीकरण के लिए नामित कर्मी, संचार एवं रिजर्व बल तथा लाठी दस्ते में ओआरएस के सिपाही शामिल होंगे। प्रत्येक कंपनी में तीन प्लाटून होंगी। हर प्लाटून में अश्रु गैस दस्ता, लाठी दस्ता, सशस्त्र बल, चालक और वायरलेस ऑपरेटर समेत कुल 47 कर्मी होंगे। प्रत्येक प्लाटून के साथ दो वाहन भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इस तरह राज्य में कुल 49 कंपनियों के दंगा निरोधी दस्ते का गठन किया जाएगा और इनके लिए कुल 294 वाहन उपलब्ध कराए जाने की योजना है।जिलों को तीन श्रेणियों में बांटकर बल की तैनाती की जाएगी। श्रेणी ए में पटना जिले को तीन कंपनियां और 18 वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। गया, रोहतास, मुजफ्फरपुर, सारण, मोतिहारी, बेतिया, दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, भागलपुर और बेगूसराय को दो-दो कंपनियां तथा 12-12 वाहन दिए जाएंगे। श्रेणी ह्यबीह्न में नालंदा, औरंगाबाद, नवादा, जहानाबाद, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, वैशाली, सीतामढ़ी, सिवान, गोपालगंज, सहरसा, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज, बांका, मुंगेर, जमुई और खगड़िया शामिल हैं। इन जिलों में एक-एक कंपनी और छह-छह वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। श्रेणी ह्यसीह्न में अरवल, शिवहर, बगहा, लखीसराय, शेखपुरा और नवगछिया को एक-एक प्लाटून तथा दो-दो वाहन दिए जाएंगे।

पुलिस मुख्यालय ने कहा है कि किसी जिले में दंगा या हिंसक स्थिति की सूचना मिलते ही जिला नियंत्रण कक्ष द्वारा तत्काल सूचना प्रसारित की जाएगी। इसके बाद दंगा निरोधी दस्ता 20 मिनट के भीतर निर्धारित स्थान के लिए रवाना किया जाएगा। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद टीम वरीय पुलिस पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर स्थिति का लगातार आकलन करेगी और आवश्यकता के अनुसार नियमानुकूल कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। दंगा निरोधी दस्ते को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप बनेगी योजनाएं बजट के प्रभाव का होगा लैंगिक आकलन

प्रात : किरण

पटना।महिलाओं और बालिकाओं की आवश्यकताओं को सरकारी योजनाओं और बजट में बेहतर स्थान देने तथा योजनाओं से उन्हें मिलने वाले वास्तविक लाभ का लैंगिक दृष्टिकोण से आकलन करने की दिशा में बिहार सरकार ने पहल तेज की है। इसी उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग की ओर से बुधवार को निगम के सभागार में लैंगिक उत्तरदायी बजट निर्माण विषय पर राज्य स्तरीय समीक्षा सह संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में योजना निर्माण से लेकर बजट आवंटन, क्रियान्वयन और परिणामों के मूल्यांकन तक महिलाओं की जरूरतों को केंद्र में रखने पर जोर दिया गया।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि लैंगिक बजट निर्माण को केवल महिलाओं के लिए बजट में राशि निर्धारित करने तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसे महिलाओं के समग्र सशक्तीकरण और समावेशी विकास से जोड़कर देखने की आवश्यकता है। महिला कल्याण के साथ महिलाओं के विकास, आर्थिक सहभागिता और उद्यमिता को भी इसके महत्वपूर्ण आयाम के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। सही दिशा में किए गए बजटीय प्रयास महिलाओं के जीवन में वास्तविक और सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने जिला और प्रखंड स्तर पर योजना तैयार करते समय महिलाओं की वास्तविक जरूरतों और प्राथमिकताओं को शामिल करने पर विशेष जोर दिया। स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनाते समय यह समझना जरूरी है कि महिलाओं के सामने किस प्रकार की चुनौतियां हैं और उनकी प्राथमिक आवश्यकताएं क्या हैं।अपर मुख्य सचिव ने महिलाओं के स्तर से घर और परिवार के लिए किए जाने वाले अवैतनिक श्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योगदान अक्सर दिखाई नहीं देता।

संक्षिप्त खबरें

पेपरलेस व्यवस्था के विरोध में कलम बंद, फतुहा रजिस्ट्री कार्यालय में पसरा सन्नाटा

फतुहा। पेपरलेस व्यवस्था के विरोध सहित विभिन्न मांगों को लेकर बिहार दस्तावेज नवीस संघ के महासंघ के आह्वान पर दस्तावेज लेखकों ने 19 अगस्त से कलम बंद आंदोलन शुरू कर दिया, जिसके बाद फतुहा रजिस्ट्री कार्यालय में सन्नाटा पसरा रहा। दस्तावेज लेखकों के काम बंद रखने से दस्तावेज लेखन से संबंधित गतिविधियां प्रभावित रहीं और आम दिनों की अपेक्षा कार्यालय में काफी कम चहल-पहल देखने को मिली। दस्तावेज लेखकों ने कहा कि पेपरलेस व्यवस्था को लेकर उनकी कई आपत्तियां और समस्याएं हैं, जिसके विरोध में महासंघ के निर्देश पर आंदोलन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार दस्तावेज नवीस संघ और महासंघ के निर्णय के समर्थन में सभी दस्तावेज लेखक एकजुट हैं और संगठन के अगले निर्देश तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बिहार दस्तावेज नवीस संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर कुमार ने कहा कि दस्तावेज लेखक महासंघ के निर्णय के समर्थन में पूरी तरह एकजुट हैं और अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। बैठक में मुन्द्रिका सिंह, रामराज सिंह, कृष्णा बाबू, जयविंद जी, कौशलेंद्र जी, दिनेश प्रसाद, साहब लाल, विजय मोहन जी, संजय यादव, निराला जी, वासुदेव जी, शैलेश जी, सुरेंद्र जी, शिशुपाल यादव, रवि कुमार, विक्रांत कुमार, दिलीप कुमार वर्मा एवं पप्पू जी सहित अन्य दस्तावेज लेखक मौजूद रहे।

तुलसीदास की जयंती मनाई गई

दानापुर। खगौल नगर के अंतर्गत बुधवार को महिला कॉलेज खगौल में महाकवि तुलसीदास की जयंती प्रो उषा विद्यार्थी की अध्यक्षता में मनाई गई कार्यक्रम में तुलसीदास के जीवन, साहित्य और उनके महान ग्रंथ रामचरितमानस ग्रंथ के महत्व की चर्चा की गई हिंदी विभाग मेंतुलसीदास के तैलिय चित्र पर माल्यार्पण किया गयो मौके पर हिंदी विभाग अध्यक्ष उदय राय उदय, अजीताप्रियदर्शिनी,सुमन कुमारी, आराधना कुमारी एवं छात्राएं पूजा कुमारी तनु कुमारी मानसी कुमारी नगमा प्रवीण उपस्थित रहे।

पालीगंज में जमीनी विवाद के दौरान भाई ने भाई को मारी गोली

पालीगंज (प्रखण्ड क्षेत्र के कर्णपुरा गांव में बुधवार की शाम जमीनी विवाद को लेकर भाई ने भाई को गोली मारकर घायल कर दिया। वही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार पालीगंज प्रखण्ड अंतर्गत सिंगोड़ी थाना के कर्णपुरा गांव निवासी गजेंद्र प्रसाद व उपेंद्र प्रसाद के बीच जमीनी विवाद को लेकर तनाव थी। इसी क्रम में बुधवार की शाम दोनो पक्षो के बीच विवाद बढ़ गयी। जिसको लेकर गोलीबारी हो गयी।

गोलीबारी के दौरान गजेंद्र कुमार के पैर में गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गया। वही घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सिंगोड़ी थाने की पुलिस आरोपी उपेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया। जबकि घायल को इलाज के लिए पालीगंज अस्पताल लाया गया. जहां से घायल की गम्भीर स्थिति को देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स अस्पताल भेज दिया। जबकि पुलिस कर्णपुरा गांव पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है।

हाजीपुर में ऊर्जा सचिव ने विद्युत परियोजनाओं और उपभोक्ता सेवाओं का लिया जायजा

बिदुपुर में पीएम सूर्य घर योजना के तहत लगे सोलर संयंत्रों का लिया जायजा

- बिल सुधार कैंप में सुनीं उपभोक्ताओं की समस्याएं, दिघी ग्रिड व विद्युत उपकेंद्र का किया निरीक्षण, महुआ में निमार्णाधीन ग्रिड की प्रगति देखी
- समस्तीपुर व वैशाली के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/हाजीपुर। ऊर्जा विभाग के सचिव-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (इरढलउछ) अजय यादव (भा.प्र.से.) ने बुधवार को हाजीपुर जिले का दौरा कर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और विभिन्न विद्युत परियोजनाओं का जायजा लिया। उन्होंने दिघी स्थित 132 /33 केवी ग्रिड उपकेंद्र एवं 220/132 केवी ग्रिड उपकेंद्र एवं महुआ में निमार्णाधीन 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, बिदुपुर प्रखंड में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं वछअ मॉडल के तहत स्थापित सोलर संयंत्र तथा हाजीपुर ग्रामीण में आयोजित बिल सुधार कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद में परिसदन में विद्युत आपूर्ति अंचल, समस्तीपुर और विद्युत संचरण अंचल, वैशाली के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए।दिघी स्थित विद्युत उपकेंद्र एवं ग्रिड उपकेंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत आपूर्ति की स्थिति, उपकेंद्र की कार्यप्रणाली और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। अधिकारियों को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महुआ में निमार्णाधीन 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र का निरीक्षण करते हुए ऊर्जा सचिव ने कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसी सुमाजा इलेक्ट्रोइंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और कार्यों की नियमित निगरानी की जाए।बिदुपुर प्रखंड में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं वछअ मॉडल के तहत लगाए गए सौर ऊर्जा संयंत्रों का भी उन्होंने निरीक्षण किया। लाभार्थियों से योजना के तहत मिल रहे लाभ की जानकारी ली और रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थिति देखी। उन्होंने अधिकारियों से अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने और सौर ऊर्जा के प्रति लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया।विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल हाजीपुर (ग्रामीण) अन्तर्गत हाजीपुर ग्रामीण विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल के अंतर्गत आयोजित बिल सुधार कैंप में ऊर्जा सचिव ने पहुंचकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने बिल सुधार से संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को बिल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।दौरे के अंत में विद्युत आपूर्ति अंचल, समस्तीपुर एवं विद्युत संचरण अंचल, वैशाली के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। इसमें विद्युत आपूर्ति, संचरण व्यवस्था, निमार्णाधीन परियोजनाओं, उपभोक्ता सेवाओं और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा उपभोक्ता शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठ जिलों को कवर करने वाली चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं:1. खड़गपुर - भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन - 173 किमी (पश्चिम बंगाल और ओडिशा)2. भद्रक - हरिदासपुर चौथी लाइन - 75 किमी (ओडिशा)3. गुम्मिडिपुंडी - गुडुर तीसरी और चौथी लाइन - 90 किमी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु)

4. कटक झ्र पारादीप (बडाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइन - 72 किमी (ओडिशा) बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन के सुव्यवस्थित होने और भीड़भाड़ में कमी आने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्यों के 8 जिलों को कवर करने वाली ये 4 परियोजनाएं भारतीय रेल के वर्तमान नेटवर्क को लगभग 410 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 6,448 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 60 लाख है।प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिसमें कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, मां भद्रकाली मंदिर, मां धमराई मंदिर, पंचलिंगेश्वर मंदिरआदि हैं।

विश्व-कल्याण की कामना को लेकर रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

दानापुर । नगर के अंतर्गत द्विज समाज सेवा संघ की द्वारा विश्व-कल्याण, शांति और समृद्धि की कामना को लेकर सदर बाजार स्थित राम-जानकी मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भगवान शिव का अभिषेक कर देश की सुख-शांति एवं समस्त मानव समाज के कल्याण की प्रार्थना की गई। रुद्राभिषेक में आचार्य देवेंद्र नाथ मिश्र, संघ के अध्यक्ष आचार्य वायुनंदन मिश्र, नकुल मिश्र, अभय झा, आचार्य गोपाल कुमार मिश्र, प्रियव्रत मिश्र, रवि भारद्वाज, जनार्दन मिश्रा, राकेश पांडेय, सतेंद्र मिश्र, विक्की पांडेय, गोलू झा संजय मिश्र समेत बड़ी संख्या में विद्वान ब्राह्मण शामिल हुए। कार्यक्रम में यजमान के रूप में महंत बबन दास, अभय पांडेय, शंकर पाण्डेय एवं मृत्युंजय पांडेय ने पूजा-अर्चना में भाग लिया। रुद्राभिषेक के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने देश की एकता, अखंडता और विश्व में शांति की कामना की।

बिहार में पहली बार सरकारी नर्सिंग ट्यूटर्स के लिए 05 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

- नवीन शिक्षण तकनीकों के साथ सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी पर दिया जा रहा प्रशिक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

बिहार में नर्सिंग शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सरकारी नर्सिंग संस्थानों में कार्यरत नर्सिंग ट्यूटर्स के लिए 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर, पटना में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 21 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. अनुपमा, अएऊ राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

यह पहल नर्सिंग ट्यूटर्स को आधुनिक एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराने के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक रूप से इन तकनीकों का प्रयोग करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, सरकारी नर्सिंग संस्थानों में कार्यरत नर्सिंग ट्यूटर्स के लिए इस प्रकार का संगठित रिफ्रेशर प्रशिक्षण पहली बार बिहार में ही नहीं, बल्कि देश में भी आयोजित किया जा रहा है, जो राज्य के लिए गौरव का विषय है।

आधुनिक शिक्षण तकनीकों पर विशेष फोकस

प्रशिक्षण के दौरान नर्सिंग शिक्षा में उपयोगी नवीन शिक्षण पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जा रहा है।

प्रशिक्षण में जैसी सहभागितापूर्ण तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। इस पद्धति में प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित कर एक आंतरिक और एक बाहरी सर्किल में बैठाया जाता है। आंतरिक सर्किल के प्रतिभागियों को किसी केस, प्रश्न अथवा विषय पर चर्चा कर प्रमुख बिंदुओं को लिखने का कार्य दिया जाता है, जबकि बाहरी सर्किल के प्रतिभागी बिना हस्तक्षेप किए पूरी गतिविधि का अवलोकन करते हैं। निर्धारित समय के बाद दोनों समूहों की भूमिकाएं बदल दी जाती हैं। आंतरिक समूह, पूर्व समूह द्वारा तैयार किए गए बिंदुओं को पढ़कर उनमें आवश्यक संशोधन, नए बिंदुओं को जोड़ने अथवा अनुपयोगी बिंदुओं को हटाने का कार्य करता है। सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन जानकारी भी प्रशिक्षण का हिस्साप्रशिक्षण में केवल शिक्षण तकनीकों तक ही सीमित न रहते हुए नर्सिंग विद्यार्थियों से संबंधित विभिन्न भारत सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं प्रोटोकॉल की अद्यतन जानकारी भी दी जा रही है। इनमें मातृ स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, ल्वक्र/अक्ळ्र सहित नर्सिंग शिक्षा एवं सेवाओं से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

इससे नर्सिंग ट्यूटर्स को अपने विद्यार्थियों को वर्तमान सरकारी स्वास्थ्य नीतियों, कार्यक्रमों और प्रोटोकॉल के अनुरूप बेहतर एवं अद्यतन जानकारी प्रदान करने में मदद मिलेगी।

इस वित्तीय वर्ष में 160 नर्सिंग ट्यूटर्स होंगे प्रशिक्षित

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रत्येक बैच में 40 प्रतिभागी एवं 03 फैसिलिटेटर्स शामिल हैं। कुल 04 बैच आयोजित किए जाएंगे, जिसके माध्यम से इस वित्तीय वर्ष में सरकारी नर्सिंग संस्थानों के 160 नर्सिंग ट्यूटर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत जी ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत नींव है। सरकार नर्सिंग शिक्षा एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता को आधुनिक एवं नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी नर्सिंग ट्यूटर्स के लिए यह रिफ्रेशर प्रशिक्षण बिहार ही नहीं, देश में भी एक अभिनव पहल है। इससे नर्सिंग विद्यार्थियों के कौशल विकास और भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूती मिलेगी।

जनता कांग्रेस के व्यवसाय प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय समन्वयक बने चंद्रमौली सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जनता कांग्रेस ने पटना निवासी चंद्रमौली सिंह को पार्टी के व्यवसाय प्रकोष्ठ में राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महताब राय ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महताब राय ने कहा कि चंद्रमौली सिंह अपने अनुभव, सामाजिक सक्रियता और व्यावसायिक क्षेत्र में समझ का उपयोग करते हुए व्यवसायी समुदाय, उद्यमियों एवं व्यापारिक संगठनों के साथ समन्वय स्थापित करेंगे। साथ ही पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को व्यवसायी वर्ग तक पहुंचाने और उनके हितों से जुड़े विषयों को संगठन के मंच पर प्रभावी ढंग से रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अपने नियुक्ति पर चंद्रमौली सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन की विचारधारा, संविधान और निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यवसायी, उद्यमी और व्यापारिक वर्ग देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को उचित मंच तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।

पार्टी के अधिकारियों ने विश्वास जताया कि चंद्रमौली सिंह के नेतृत्व एवं सक्रिय सहभागिता से व्यवसाय प्रकोष्ठ को मजबूती मिलेगी और संगठन का विस्तार देशभर में व्यवसायी एवं उद्यमी वर्ग के बीच और प्रभावी ढंग से होगा।

प्रबंध निदेशक ने सोनपुर में बिल सुधार शिविर, विद्युत उपकेंद्र एवं लाभार्थियों के परिसरों में स्थापित सौर संयंत्रों का किया निरीक्षण

- बिल संबंधी शिकायतों के त्वरित निष्पादन के निर्देश, पीएम सूर्य घर योजना से अधिक उपभोक्ताओं को जोड़ने पर जोर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/सोनपुर। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राहुल कुमार (भा. प्र. से.) ने सोनपुर का दौरा कर विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सोनपुर सब डिविजन में आयोजित बिल सुधार शिविर का निरीक्षण किया।

प्रबंध निदेशक ने शिविर में पहुंचे उपभोक्ताओं की शिकायतों एवं बिल संबंधी मामलों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिल सुधार से जुड़े मामलों के निपटारे में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाए।

इसके बाद उन्होंने सोनपुर विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपकेंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ता सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रबंध निदेशक ने विद्युत उपकेंद्र परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।दौरे के क्रम में प्रबंध निदेशक ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के परिसरों में स्थापित सौर संयंत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने पर जोर दिया। साथ ही, लोगों को सौर ऊर्जा के लाभों के प्रति जागरूक करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उपभोक्ता सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, तत्परता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान छपरा सर्किल के विद्युत अधीक्षण अभियंता, श्री रितेश कुमार, श्री प्रेम राज, विद्युत कार्यपालक अभियंता, छपरा ईस्ट, विद्युत कार्यपालक अभियंता एमआरटी छपरा, तथा वछअ एजेंसी के प्रतिनिधि सहित वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान एवं विकसित भारत जी राम जी विषय पर आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जन-जागरूकता अभियान का हुआ समापन

- नशा मुक्त समाज ही राज्य और देश की तरक्की का प्रमुख आधार है, बिहार में पूर्ण नशा बंदी से हो रहा है विकास झ्र सांसद, लवली आनंद

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के केंद्रीय संचार ब्यूरो, सीतामढ़ी द्वारा पीएम प्रोजेक्ट बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवहर में नशा मुक्त भारत अभियान एवं विकसित भारत जी राम जी विषय पर दिनांक 18 और 19 अगस्त, 2026 तक आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी सह जन-जागरूकता अभियान का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ।

समापन समारोह की मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद लवली आनंद ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभियानों से आम नागरिकों को केंद्र सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होती है। उन्होंने नशा मुक्त भारत अभियान और विकसित भारत जी राम जी योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाया गया ऐसा योजना है जिससे परिवार, समाज, राज्य और देश की तरक्की हो सकता है। इसका पूर्णतः रोक होनि चाहिए और बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के प्रयासों से पूर्ण शराब बंदी है।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आनंद मोहन ने संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी पूर्ण नशा बंदी के समर्थक थे उन्होंने अपना पूरा जीवन नशा से मुक्त रहने को लेकर आंदोलन चलते रहे, उन्हीं से प्रेरणा लेकर बिहार में जयप्रकाश नारायण के शिष्य नीतीश कुमार ने पूर्ण शराब बंदी करके सराहनीय कदम उठाया और आज बिहार इसके दुष्परिणाम से बचा हुआ है । बिहार में नशा बंदी रहनी चाहिए ।

समारोह को संबोधित करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष, श्री राजन नंदन सिंह ने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बहुत सराहनीय रहा है। इसतरह का कार्यक्रम जिला स्तर से ब्लॉक स्तर तक होते रहना चाहिए ।दूरदर्शन केंद्र, पटना के समाचार संपादक सह क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जावेद अंसारी ने अपने संबोधन में आज के जागरूकता अभियान के मुख्य विषय नशा मुक्त भारत अभियान एवं श्इ-ऋ फ्अट-ॠ योजना (विकसित भारतझ्र रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में गारंटीशुदा रोजगार के दिनों को 100 से बढ़ाकर 125 दिवस कर दिया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी ।इस समारोह में उपस्थित लोगों को आज की मुख्य अतिथि सांसद, लवली आनंद ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ दिलाई गई ।

दो दिवसीय इस चित्र प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान के दौरान प्रतिदिन क्विज प्रतियोगिता, परिचर्चा, संवाद कार्यक्रम, केंद्र सरकार की योजनाओं पर आधारित लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाट्य मंचन किया गया।

कुसुमराज इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी के दूसरे दीक्षांत समारोह में 64 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

- गणितज्ञ सह पूर्व कुलपति प्रो के सी सिन्हा के हाथों मेडल व डिग्री पाकर खुशी से उछल पड़े छात्र-छात्राएं, बोले-सपनों को मिली उड़ान
- एसडीएम व डीसीएलआर भी हुए शामिल, 3 को गोल्ड, 2 को सिल्वर व 2 को ब्रॉन्ज पदक

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम । प्रखंड के मोरियावां स्थित कुसुमराज इंस्टिट्यूट ऑफ फामेर्सी में बुधवार को बी फार्मा के सत्र -2022-26 में पास हुए विद्यार्थियों का दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि नालंदा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, नामचीन गणितज्ञ सह भाजपा नेता प्रो. के सी सिन्हा, पालीगंज एसडीएम चन्दन कुमार, डीसीएलआर जनक कुमार, संस्थान के चेयरमैन डॉ अमरेंद्र कुमार अमरेश, प्रबन्ध निदेशक डॉ दयानन्द शर्मा, शिक्षाविद गोपाल विद्यार्थी व संस्थान की प्राचार्या डॉ सुप्रिया शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी सम्मलित हुए और छात्रों को डिग्री मिलने पर खुशी व्यक्त की। गणितज्ञ प्रो के सी सिन्हा समेत अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से सफल सभी छात्र-छात्राओं को पटका, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर प्रो सिन्हा ने कहा कि आगे बढ़ाने के लिए विद्यार्थी को निरंतर परिश्रम करना होता है। भविष्य में व्यक्ति परिश्रम से ही मन की शांति प्राप्त कर सकता है। संस्थान के चेयरमैन डॉ अमरेंद्र ने छात्रों को सफल होने के लिए शिक्षा में कोई भी शॉर्टकट नहीं होता है, का सूत्र दिया। इस दौरान संस्थान के डायरेक्टर डॉ दयानन्द शर्मा ने मेधावी छात्रों को अध्ययन कार्य करने लिए विशेष छात्रवृत्ति देने की घोषणा की ।सत्र 2022-26 की छात्रा साम्या नेहाल, मो. ऐनामामूल हक व अनमोल कुमार को स्वर्ण पदक, शिवम कुमार व दीपक कुमार को रजत पदक तथा प्रिंस कुमार व रितेश कुमार को ब्रॉन्ज पदक प्रदान किया गया। मौके पर संस्थान के छात्र छात्राओं ने भी अपने अनुभव साझा किए` वहीं आयोजित समारोह का संचालन संस्थान के पूर्व पूर्ववर्ती छात्र सुधीर कुमार व धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डॉ सुप्रिया शर्मा ने किया ।

गोमो-कोडरमा-गया-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर के रास्ते धनबाद से कोयम्बत्तूर के लिए एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा गोमो-गया-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-वरंगल-विजयवाड़ा-गुडुर-काटपाडी-जोलारपेट्टै-ईरोड के रास्ते धनबाद और कोयम्बत्तूर के मध्य एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। यह अमृत भारत एक्सप्रेस धनबाद से 22 अगस्त, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को तथा कोयंबत्तूर से 25 अगस्त, 2026 से प्रत्येक मंगलवार को किया जायेगा। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, पेंट्रीकार का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच होंगे ।गाड़ी संख्या 22363 धनबाद-कोयम्बत्तूर अमृत भारत एक्सप्रेस 22 अगस्त, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को 16.10 बजे खुलकर 16.40 बजे नेसुब गोमो, 17.00 बजे पारसनाथ, 17.23 बजे हजारीबाग रोड, 18.02 बजे कोडरमा, 19.30 बजे गया, 20.21 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 20.40 बजे डेहरी ऑन सोन, 20.56 बजे सासाराम, 21.30 बजे भभुआ रोड, 22.40 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए सोमवार को 18.30 बजे कोयम्बत्तूर पहुंचेगी ।वापसी में गाड़ी सं. 22364 कोयम्बत्तूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस 25 अगस्त, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को कोयम्बत्तूर से 07.50 बजे खुलकर गुरूवार को 05.05 बजे डीडीयू, 05.56 बजे भभुआ रोड, 06.30 बजे सासाराम, 06.48 बजे डेहरी ऑन सोन, 07.03 बजे अनुग्रह नारायण रोड, 08.55 बजे गया, 10.25 बजे कोडरमा, 11.00 बजे हजारीबाग रोड, 11.18 बजे पारसनाथ, 11.48 बजे नेसुब गोमो रुकते हुए 13.00 बजे धनबाद पहुंचेगी ।

टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मना सावन महोत्सव

पटना : पवित्र सावन माह के आगमन के शुभ अवसर पर टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल में सावन महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, माताओं एवं महिलाओं को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सावन माह के महत्व से परिचित कराना तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना था। सावन महोत्सव के दौरान बेस्ट ड्रेस्ड मदर, बेस्ट डांसिंग मदर एवं मेहँदी कम्पटीशन सहित विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, गुरुवार, 20 अगस्त 2026

जनता से सीधा संवाद और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हमारी प्राथमिकता : निशांत

- जनसुनवाई में स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बुधवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए मौके पर ही दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने भी विभाग से जुड़े मामलों की सुनवाई करते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक पहल की। इस मौके पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी श्री शंभु कुशवाहा मौजूद रहे।

जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों ने समस्याओं के समाधान के प्रति मंत्रियों की तत्परता की सराहना की। उन्होंने जदयू प्रदेश कार्यालय में प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार तक चलने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम को आम लोगों की समस्याओं के समाधान की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

इस दौरान श्री निशांत ने जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधा संवाद करना, उनकी बात सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

हर घर बिजली पहुंचाने वाला पहला राज्य बना बिहार : मंत्री

ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना जन संपर्क मंत्री को सिमरी बख्तियारपुर में राजग कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तत्वावधान में बुधवार को सिमरी बख्तियारपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना जनसंपर्क मंत्री व जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को राजग कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बिहार में बहुत काम किया है। राज्य के प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाने वाला देश का पहला राज्य बिहार है। यहां के सभी गरीबों के घर में बिजली मिलने लगी है। राज्य सरकार ने सभी व्यक्तियों के लिए 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दिया है। अब 90 फीसदी परिवारों को बिजली का बिल जमा नहीं करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सात निश्चय-3 के तहत हर घर नल का जल और हर नाली गली पक्कीकरण योजना शुरू की। इस योजना के तहत सभी कार्य दलितों के घर से शुरू किए गए।

ग्रामीण विकास मंत्री ने रायपुरा हाई स्कूल की चाहरदिवारी का निर्माण, मटेश्वर स्थान के पास स्थित पोखरा के चारों तरफ पेवर ब्लॉक लगाने और ग्रामीण हाट बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को हर तरह की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। इस मौके पर आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा, विधायक संजय सिंह, विधायक निरंजन मेहता सहित जदयू और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर किसान को सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : मंत्री

- बिहार सरकार के कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता, किसानों को होगा लाभ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। किसानों को सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराने और उनकी आय में वृद्धि के लिए बिहार सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में बुधवार को मीठापुर स्थित कृषि भवन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि ऋण पर 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

कृषि विभाग की ओर से कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल तथा नाबार्ड की ओर से उप महाप्रबंधक भोला प्रसाद सिंह ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मौके पर मौजूद कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत सरकार द्वारा कृषि ऋण पर पहले से 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बिहार सरकार द्वारा अपनी राज्य योजना मद से किसानों को 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा पांच करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के कार्यान्वयन के लिए नाबार्ड को राज्य एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

कृषि मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों से लिए गए 3 लाख रुपये तक के फसल ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण एवं अल्पावधि कृषि उत्पादन ऋण पर 1 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। 3 लाख रुपये से अधिक के ऋण की स्थिति में भी ब्याज अनुदान का लाभ अधिकतम 3 लाख रुपये की ऋण राशि तक ही देय होगा। योजना का लाभ उन्हीं पात्र किसानों को मिलेगा, जो निर्धारित अवधि के भीतर अपने ऋण का भुगतान करेंगे। योजना का उद्देश्य किसानों पर कृषि ऋण के ब्याज के बोझ को कम करना तथा उन्हें अधिक से अधिक संस्थागत कृषि ऋण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि योजना के दायरे में लघु, सीमांत एवं अन्य सभी श्रेणी के किसान शामिल होंगे। सभी प्रकार की फसलों को भी योजना में समान रूप से शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त पात्र कृषि ऋण लेने वाले बटाईदार, मौखिक पट्टेदार एवं संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) के सदस्य भी योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने कहा, कृषि विभाग और नाबार्ड के बीच हुआ यह एमओयू बिहार के किसानों को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य है कि किसान आत्मनिर्भर बनें, कृषि में निवेश बढ़े और बिहार की कृषि व्यवस्था और अधिक मजबूत एवं समृद्ध बने।

राजद के लोक भवन मार्च में प्रदर्शनकरियों ने की नारेबाजी
हिरासत में लिए गए तेजस्वी, समर्थकों में आक्रोश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में परीक्षा व्यवस्था, कथित पेपर लीक, बेरोजगारी और छात्रों-युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के आह्वान पर बुधवार को पटना में लोक भवन मार्च निकाला गया। जेपी गोलंबर से शुरू हुए इस मार्च में बिहार के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में राजद कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और छात्रों तथा युवाओं की मांगों को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

करीब पांच किलोमीटर लंबे इस मार्च का नेतृत्व तेजस्वी यादव ने किया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उनके साथ लोक भवन की ओर बढ़े। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के हाथों में राजद के झंडे के बजाय तिरंगा भी नजर आया। प्रदर्शनकारियों ने कथित पेपर लीक, बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मार्च के दौरान डाकबंगला चौराहे के पास पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेडिंग को प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया और आगे बढ़ने की कोशिश की।

इसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने इनकम टैक्स चौराहे के पास वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। वाटर कैनन के इस्तेमाल के बाद भी कुछ कार्यकर्ता आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे। प्रदर्शन को उग्र होता देख पुलिस ने तेजस्वी यादव समेत राजद के कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया।

राजद के इस प्रदर्शन में सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से कथित फायरिंग के मामले समेत अन्य मुद्दों को भी उठाया गया। राजद का आरोप है कि राज्य में छात्रों और युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। पार्टी ने परीक्षा प्रणाली और कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल खड़े किए। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि देशभर के छात्र और युवा, खासकर बिहार के छात्र और युवा, बार-बार होने वाले कथित पेपर लीक और बेरोजगारी को लेकर नाराज हैं।

उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाने के बजाय सरकार को उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए। राजद नेताओं का कहना है कि लोक भवन मार्च का उद्देश्य राज्य में परीक्षा व्यवस्था की कथित बदहाली, बेरोजगारी, छात्रों की समस्याओं और कानून-व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाना था। वहीं, मार्च के दौरान बैरिकेडिंग तोड़े जाने और पुलिस द्वारा वाटर कैनन के इस्तेमाल के बाद पटना की सड़कों पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

छात्रों के साथ न्याय नहीं हो जाता, तब तक हम लोग लड़ाई लड़ेंगे

मैं जेल जाने से डरने वाला नहीं : तेजस्वी

हिरासत में लिए जाने से पहले तेजस्वी यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वह जेल जाने से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा, जो सत्ता में आया है, उसका जाना तय है। वाटर कैनन के इस्तेमाल पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, यह सब सम्राट चौधरी के आदेश पर हुआ है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। जनता जाग चुकी है और सड़कों पर है। अब सरकार को झुकना ही पड़ेगा। ऐसे काम नहीं चलेगा।

तेजस्वी यादव के राजनीतिक करियर का एक और फ्लॉप शो : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी ने राजद के राजभवन मार्च पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह मार्च जनसमर्थन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि तेजस्वी यादव के राजनीतिक करियर को बचाने की एक और असफल कोशिश साबित हुआ है। राजभवन मार्च के नाम पर राजद ने अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने का प्रयास किया, लेकिन जमीन पर न तो अपेक्षित जनसमर्थन दिखाई दिया और न ही कार्यकताओं में वह उत्साह नजर आया, जिसका दावा राजद लगातार करता रहा है। श्री सरावगी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने मार्च तो निकाल दिया, लेकिन उनके साथ न छात्र खड़े हुए, न आम जनता और न ही राजद के कार्यकताओं में कोई खास उत्साह दिखा। जिस युवा शक्ति और जनसमर्थन की बात तेजस्वी यादव लगातार करते हैं, राजभवन मार्च में उसकी वास्तविक तस्वीर बिहार की जनता ने देख ली। यह मार्च राजद और तेजस्वी यादव की घटती राजनीतिक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की राजनीति अब जनता के वास्तविक मुद्दों से कटकर केवल विरोध, आरोप और कैमरे के सामने प्रदर्शन तक सीमित रह गई है। बिहार के युवा रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर अवसर और विकसित बिहार चाहते हैं। जनता यह जानना चाहती है कि बिहार के विकास में उनका ठोस विजन क्या है, लेकिन तेजस्वी यादव के पास इन सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजनीति में जनता के दिल में जगह बनानी पड़ती है। तेजस्वी यादव को यह समझना चाहिए कि केवल मार्च निकालने और सरकार के खिलाफ नारे लगाने से बिहार की जनता का विश्वास वापस नहीं पाया जा सकता। जनता अब काम और परिणाम के आधार पर नेताओं का मूल्यांकन करती है। श्री सरावगी ने कहा कि राजद को पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। जिस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपने ही संगठन में लगातार असंतोष, कार्यकताओं की दूरी और घटते जनाधार की चिंता करनी पड़ रही हो, वह बिहार की जनता को राजनीतिक पाठ पढ़ाने की कोशिश न करे।

तेजस्वी को नहीं मिला छात्र-युवाओं का समर्थन : उमेश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के राजभवन मार्च को केवल चेहरा चमकाने का राजनीतिक हथकंडा करार दिया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की डूबती राजनीतिक कश्ती और तेजी से खिसकते जनाधार से पूरा राजद खेमा घबराया हुआ है। बिहार की जनता के साथ-साथ राजद के कार्यकताओं और समर्थकों के बीच भी तेजस्वी यादव की छवि एक पार्ट-टाइम और नॉन-सीरियस राजनेता के रूप में बन चुकी है। इसी छवि को पाटने के विफल प्रयास के तौर पर राजभवन मार्च का आयोजन किया गया, लेकिन इससे राजद को कोई लाभ मिलने वाला नहीं है।

उन्होंने कहा कि बिहार की जनता और छात्र-युवाओं के प्रति तेजस्वी यादव कितने गंभीर हैं, यह किसी से छिपा नहीं है। जब सदन का महत्वपूर्ण सत्र चलता है, जनता की आवाज उठाने की बारी आती है और छात्र-युवा आंदोलन करते हैं, तब तेजस्वी यादव विदेश भ्रमण में व्यस्त और मदमस्त रहते हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव के राजभवन मार्च से छात्र-युवाओं ने पूरी तरह दूरी बना ली। मार्च में सभी जिलों से बुलाए गए राजद के राजनीतिक कार्यकर्ता ही मुख्य रूप से नजर आए। उन्होंने सवाल किया कि जिनका इतिहास रेलवे में नौकरी के बदले युवाओं से जमीन कब्जाने का रहा हो, वे आज किस मुंह से छात्र-युवाओं का हितैषी होने का नाटक कर रहे हैं?

उन्होंने कहा कि बिहार के छात्र और युवा जागरूक हैं। वे विपक्ष की दिग्भ्रमित करने वाली राजनीति का शिकार किसी भी कीमत पर नहीं बनेंगे। विपक्ष पूरी तरह मुद्दाविहीन हो चुका है और तेजस्वी यादव अपने रसातल में जाते राजनीतिक करियर को बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। उनके राजनीतिक आचार-विचार और व्यवहार से यह स्पष्ट हो चुका है कि वे गंभीर राजनेता नहीं हैं और राजनीति भी उनके बस की बात नहीं है।

नालंदा के विद्यालय में मध्याह्न भोजन से बच्चों के बीमार होने के मामले में सख्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। नालंदा जिले के नूरसराय प्रखंड स्थित परासी मध्य विद्यालय में मंगलवार को मध्याह्न भोजन खाने के बाद 34 बच्चों के बीमार होने की घटना को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने दोषियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। श्री तिवारी के सख्त निर्देश के बाद डीईओ ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मिड डे मील के डीपीओ पर आरोप पत्र गठित कर विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया गया है। लापरवाही के आरोप में विद्यालय की तीन रसोइयों मंटू देवी, शारदा देवी और निपु देवी को भी कार्यमुक्त कर दिया गया है। इसके अलावा योजना के अनुश्रवण की जिम्मेदारी संभालने वाले प्रखंड साधनसेवी महेश प्रसाद से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

वहीं, विद्यालय में मिड डे मील उपलब्ध कराने वाली संस्था एकता शक्ति फाउंडेशन के परियोजना प्रबंधक से 24 घंटे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। असंतोषजनक पाए जाने पर संस्था का निबंधन रद्द किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया है कि मिड डे मील में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनुश्रवण में शिथिलता या घटना की सूचना छिपाने की कोशिश को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। विद्यालय के बच्चों को बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मेगा जॉब फेयर में पहले दिन 2972 युवाओं का हुआ चयन

- मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया पांच दिवसीय मेगा जॉब फेयर का उद्घाटन,
- बोले—रोजगार के साथ युवाओं को वैश्विक अवसर देना सरकार की प्राथमिकता

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की ओर से बुधवार को पटना के ज्ञान भवन में पांच दिवसीय मेगा जॉब फेयर-2026 का शुभारंभ हुआ। विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद और सचिव डॉ. कौशल किशोर ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। मेले के पहले दिन ही 4500 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 2972 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

19 से 23 अगस्त तक चलने वाले इस मेगा जॉब फेयर में बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज, इंश्योरेंस, रिटेल समेत विभिन्न क्षेत्रों की 100 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। कंपनियां बिहार के युवाओं के लिए 20 हजार से अधिक रोजगार के अवसर लेकर पहुंची हैं। कार्यक्रम में इंडिया स्किल प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया।

रोजगार के साथ वैश्विक अवसर देना प्राथमिकता

उद्घाटन के बाद मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसे अवसर देना है, जिनके माध्यम से वे अपने परिवार, समाज और राज्य की प्रगति में योगदान दे सकें। बिहार का युवा प्रतिभाशाली और मेहनती है। उचित अवसर और सही दिशा मिलने पर वह देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकता है।

उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला विशेष रूप से रिटेल, बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस सेक्टर पर केंद्रित है। टाटा ट्रेंट, क्रोमा, वी-मार्ट, डी-मार्ट, सैमसंग, फ्लिपकार्ट, बिगकिट सहित कई प्रतिष्ठित कंपनियां युवाओं का चयन कर रही हैं। वित्तीय क्षेत्र में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, एसबीआई लाइफ, एयरटेल पेमेंट्स बैंक, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसी संस्थाएं भी शामिल हैं।

खाड़ी देशों में भी रोजगार के अवसर

मेगा जॉब फेयर की खासियत यह है कि बिहार के युवाओं के लिए देश के साथ-साथ विदेशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ब्लू शीप और ओवरसीज जैसी कंपनियों के माध्यम से खाड़ी देशों में रिटेल, रियल एस्टेट और अन्य क्षेत्रों में करीब एक हजार अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा प्रत्येक दो महीने पर रोजगार मेला और मेगा जॉब कैंप आयोजित कर युवाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले मई में आयोजित रोजगार आयोजन के माध्यम से 10 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा गया था। उन्होंने युवाओं से आत्मविश्वास के साथ साक्षात्कार में शामिल होने और अपनी योग्यता का प्रदर्शन करने की अपील की।

नवंबर से अब तक 1.10 लाख युवाओं को रोजगार

मंत्री ने विभाग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि नवंबर से अब तक 1.10 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए ह्यदोगुना रोजगार, दोगुनी आयह्ल के लक्ष्य को सफल बनाने का आह्वान किया।

विभागीय सचिव डॉ. कौशल किशोर ने कहा कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है। मेगा जॉब फेयर के माध्यम से उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभाग ने डीईटी पोर्टल तैयार किया है, जिस पर नवंबर से अब तक 1.20 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है।

सचिव ने कहा कि विभाग ऑन-स्पॉट जॉब फेयर के साथ ऑनलाइन जॉब फेयर आयोजित करने पर भी विचार कर रहा है।

मुजफ्फरपुर–सीतामढ़ी–सोनबरसा एनएच–22 बनेगी 4 लेन की सड़क, केंद्र से मिली हरी झंडी

पथ निर्माण मंत्री ने कहा, बिहार के लिए हुआ ऐतिहासिक एवं दूरगामी महत्व का निर्णय

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति से स्वीकृति मिलने के बाद हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर विकसित की जाएगी पूरी परियोजना

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सूबे के पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बिहार में मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा एनएच-22 खंड को 4-लेन मानक में उन्नयन करने की स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) पर कुल 3,590.73 करोड़ रुपये की पूंजीगत लागत से लगभग 82.578 किलोमीटर लंबाई में विकसित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति पर माननीय मंत्री ई. कुमार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर बिहार के सड़क एवं आर्थिक विकास को नई गति देने वाली है। मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए भारत-नेपाल सीमा स्थित सोनबरसा तक बेहतर एवं सुगम संपर्क स्थापित होने से क्षेत्र में आवागमन, व्यापार एवं वाणिज्यिक गतिविधियों को व्यापक लाभ मिलेगा।

यह कॉरिडोर एनएच-27 के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर से जुड़कर मुजफ्फरपुर को भारत-नेपाल सीमा से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण फीडर कॉरिडोर बनेगा। इससे मुजफ्फरपुर, मुकसुदपुर, रुन्नीसैदपुर, थुम्मा, डुमरा, भुतही एवं सोनबरसा जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात का दबाव एवं जाम कम होगा। साथ ही यात्रियों और मालवाहक वाहनों की आवाजाही अधिक तेज, सुरक्षित एवं सुगम होगी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। इससे औद्योगिक क्षेत्रों, प्रमुख रेलवे स्टेशनों और अन्य आर्थिक, सामाजिक एवं लॉजिस्टिक केंद्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। कृषि उत्पादों एवं माल की आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही बौद्ध सर्किट एवं ऐतिहासिक जानकी/पुनौरा धाम मंदिर, सीतामढ़ी जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों तक पहुंच और सुगम होगी।

इस परियोजना में 7 मेजर ब्रिज, जिसमें बारहमासी बागमती नदी पर 340 मीटर लंबा मेजर ब्रिज, 3 रेलवे ओवरब्रिज और 2 फ्लाईओवर (1170 मीटर एवं 270 मीटर) का प्रावधान है। इससे यातायात का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होने के साथ सड़क सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्नत 4-लेन कॉरिडोर से यात्रा समय में कमी, औसत गति में वृद्धि, ईंधन की बचत और वाहनों के परिचालन खर्च में कमी आएगी। यह परियोजना बिहार के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक एवं लॉजिस्टिक केंद्रों को निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे पूरे क्षेत्र में माल एवं यात्रियों की आवाजाही अधिक तेज, सुगम एवं प्रभावी हो सकेगी। मंत्री ई. कुमार ने बताया कि राज्य सरकार राज्य के सुदूर क्षेत्रों से पटना आने में लगने वाले समय को कम करने पर लगातार कार्य कर रही है और इसमें भारत सरकार का विशेषकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का भी अपेक्षित सहयोग प्राप्त हो रहा है। डबल इंजन की सरकार में बिहार में सड़क अवसंरचना के निर्माण में नित नये अध्याय जोड़े जा रहे हैं।

गोल्फ और फेंसिंग को मिलेगी नई उड़ान, प्रतिभाओं को तराशने पर खेल विभाग का फोकस

गोल्फ में टैलेंट आइडेंटिफिकेशन से लेकर फेंसिंग के लिए सात जिलों में सुविधाओं के विस्तार की तैयारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में खेल विभाग ने एक और पहल तेज की है। बुधवार को खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह की अध्यक्षता में गोल्फ और फेंसिंग खेल संघों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में दोनों खेलों के विकास की कार्ययोजना और खिलाड़ियों की जरूरतों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रतिभाओं की पहचान, प्रशिक्षकों एवं तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता, प्रशिक्षण के लिए स्थान और आधुनिक खेल उपकरणों की जरूरतों को प्रमुखता से उठाया गया।

गोल्फ में प्रतिभाओं की पहचान होगी प्राथमिकता

गोल्फ संघ की ओर से खेल के लिए प्रशिक्षकों और तकनीकी स्टाफ की आवश्यकता का मुद्दा रखा गया। इस पर खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में गोल्फ की प्रतिभाओं की पहचान (टैलेंट आइडेंटिफिकेशन) विभाग की प्राथमिकता है। प्रतिभावान खिलाड़ियों को शुरूआती स्तर पर ही चिन्हित कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि केवल खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों को भी आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आएगा और खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी स्तर के लिए तैयार किया जा सकेगा।

खेल मंत्री ने अक्टूबर में संभावित रूप से आयोजित होने वाले ह्यमशाल कार्यक्रम में गोल्फ को शामिल करने पर विचार करने की बात कही। इससे राज्य के उन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सकेगा, जो गोल्फ में रुचि रखते हैं लेकिन उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त मंच नहीं मिल पाता।

खेल मंत्री ने कहा कि राज्य में खेलों को शहरों तक सीमित रखने के बजाय विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए खेल संघों के साथ समन्वय जरूरी है। विभाग का प्रयास है कि खिलाड़ियों को उनकी जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण, संसाधन और खेल सुविधाएं उपलब्ध हों।

फेंसिंग संघ ने पटना में नियमित प्रशिक्षण और खेल गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने की मांग रखी। संघ की ओर से खेल भवन, पटना में स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। इसके साथ ही पटना, गया, नालंदा समेत अन्य सात जिलों में निर्मित खेल भवनों में फेंसिंग के उपकरण और प्रशिक्षित कोच उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई गई। खेल मंत्री ने संघ की मांगों को गंभीरता से लेते हुए खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश विभागीय पदाधिकारियों को दिए। इससे जिलों में फेंसिंग के प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

फेंसिंग संघ के प्रतिनिधियों से संवाद के दौरान खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि विभाग फेंसिंग को हरसंभव सहयोग और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका कहना था कि बिहार में फेंसिंग को नई ऊंचाइयों

संक्षिप्त खबरें

मुंबई में विभूतिपुर के मजदूर की संदिग्ध मौत, मृतक के पिता ने शव लाने के लिए लगाया मदद की गुहार

विभूतिपुर/समस्तीपुर। मुंबई के विले पार्ले में एक निर्माणाधीन भवन में शटरिंग का काम कर रहे विभूतिपुर के प्रवासी मजदूर का संदिग्ध मौत हो गया। मृतक विभूतिपुर थाना क्षेत्र के आलमपुर निवासी नंदकिशोर गिरी का पुत्र रविशंकर गिरी बताया गया है। मुंबई पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है। वहीं घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों का आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मृतक के पिता नंदकिशोर गिरी ने समस्तीपुर श्रम अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर मुंबई से लाश लाने के लिए मदद की गुहार लगाया है।

सिंघिया घाट स्टेशन पर तीन सप्ताह से अंधेरा, यात्री परेशान

विभूतिपुर/समस्तीपुर। समस्तीपुर रेल मंडल अंतर्गत विभूतिपुर प्रखंड के एकमात्र रेलवे स्टेशन सिंघिया घाट पर पिछले तीन सप्ताह से बिजली व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। इसके चलते रात के समय यात्रियों को घोर अंधेरे में ट्रेन पकड़नी पड़ रही है, जिससे सुरक्षा का बड़ा खतरा पैदा हो गया है। यात्रियों की शिकायत पर रेल मंडल से मिस्त्री आए तो थे, लेकिन वे आधा-अधूरा काम करके ही लौट गए। वर्तमान में प्लेटफॉर्म नंबर 2 की एक भी ट्यूबलाइट या एलईडी लाइट नहीं जल रही है। वहीं प्लेटफॉर्म नंबर 1 का पश्चिमी छोर भी पूरी तरह अंधेरे में डूबा हुआ है। यात्रियों का आरोप है कि विभाग आधे-अधूरे काम को ही पूरा मानकर बैठ गया है, जो रेल प्रशासन की घोर कार्यहीनता को दर्शाता है। इस अव्यवस्था को लेकर दैनिक यात्री संघ के मंडल अध्यक्ष कृष्णदेव प्रसाद सिंह, पूर्व स्टेशन संयोजक मनोज कुमार, डॉ. रामस्वार्थ महतो, सुरेश कुमार महतो आदि ने गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। स्थानीय नागरिकों व यात्री संघ ने रेलवे के वरीय अधिकारियों से मांग की है कि अविलंब इलेक्ट्रिशियन भेजकर स्टेशन की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त कराया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

मृतका के पिता के बयान पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज, पति गिरफ्तार

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत राघोपुर सीपन चौर से एक महिला का शव बरामद होने के मामले को लेकर कल्याणपुर उत्तर वार्ड 13 निवासी व मृतिका के पिता लालो राय ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमें उसने अपने दामाद सह राघोपुर निवासी स्व. जागेश्वर यादव के पुत्र अमरजीत यादव को नामजद किया है। कहा है कि उसकी पुत्री रेखा देवी राघोपुर स्थित अपने ससुराल में अपने 3 पुत्र के साथ रहती थी। गत 18 जुलाई की सुबह करीब 4 बजे पुत्री के पड़ोसी द्वारा सूचना मिली कि आपके पुत्री और दामाद के बीच झगड़ा हुआ है। उसके बाद से आपकी पुत्री नहीं मिल रही है। कहा कि हम लोग एक बाइक से राघोपुर गए। अपने पुत्री की खोजबीन शुरू की। उसका दामाद आशंकित दिखाई दे रहा था। पुत्री का काफी खोजबीन करने के बाद उत्तर चौर के एक गड्ढा में मृत अवस्था में मिली। उसी समय गांव के कुछ लड़कों ने दामाद और जहां कराया तो कल्याणपुर ले आया। जहां दामाद अमरजीत को डायल 112 की पुलिस टीम को सुपुर्द कर दिया। कहा है कि रात में उसकी पुत्री रेखा देवी के साथ मारपीट किया गया था। उन्होंने कहा है कि दामाद अमरजीत यादव ने उसकी पुत्री की हत्या कर चौर में फेंक दिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार झा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी अमरजीत यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

एड्स से बचाव व नियंत्रण जिलास्तरीय बैठक आयोजित

मुजफ्फरपुर। जिला एड्स नियंत्रण समिति के तत्वावधान में बुधवार को को जिला स्वास्थ्य समिति सभागार में एचआईवी, एड्स से बचाव एवं नियंत्रण विषय पर इंटेंसिफाइड कैंपेन के सफल आयोजन हेतु जिला स्तरीय संयुक्त कार्यकारी समूह की संवेदीकरण बैठक आयोजित की गई। जिला जन-संपर्क पदाधिकारी लोकेश कुमार झा ने इस बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को एचआईवी, एड्स के प्रति जागरूक करना तथा संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण को बढ़ावा देना था। एचआईवी की रोकथाम, सुरक्षित व्यवहार, जांच, जागरूकता एवं एचआईवी से जुड़े कलंक को कम करना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को जागरूक किया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुजफ्फरपुर जिला में एचआईवी–एड्स से बचाव एवं नियंत्रण के लिए युवाओं और आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंटेंसिफाइड कैंपेन प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 12 अगस्त से शुरू हुआ है जो 12अक्टूबर तक संचालित होगा। अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

सांसद संजय झा की पहल के 48 घंटे के भीतर राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन की टीम ने शुरू किया आकलन कार्य

विधायक ईश्वर मंडल ने की सांसद संजय झा के इस ऐतिहासिक ओर सफल प्रयास की सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा के द्वारा सोमवार को किए गए निरीक्षण और घोषणा के महज 48 घंटों के भीतर मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर एवं शोध संस्थान में संरक्षित प्राचीन व बहुमूल्य पांडुलिपियों के डिजिटलाइजेशन को लेकर राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन ने इस दिशा में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी हैं। यह जानकारी देते हुए दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने कहा कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के निदेशक डॉ. अनिर्बान दास द्वारा दरभंगा जिलाधिकारी से वार्ता के बाद मिशन की अधिकृत एजेंसी सीबीएसएल के जिला प्रभारी विशाल राज, तकनीकी विशेषज्ञ श्याम कुमार तथा डीपीओ स्थापना अवधेश कुमार ने संस्थान का दौरा किया। टीम ने संस्थान में मौजूद पांडुलिपियों की भौतिक स्थिति, आकार, संख्या और संरक्षण के लिए आवश्यक तकनीकी उपकरणों का विस्तृत आकलन भी किए हैं। विधायक श्री मंडल ने राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा के इस ऐतिहासिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि मिथिला की यह ज्ञान परंपरा और अमूल्य धरोहर पूरे राष्ट्र की संपत्ति है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन और स्थानीय स्तर पर पांडुलिपियों के संरक्षण एवं डिजिटलाइजेशन कार्य में हरसंभव सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। बता दें कि संस्थान में मुख्य रूप से मिथिलाक्षर, बांग्ला और देवनागरी लिपियों में दुर्लभ पांडुलिपियां संरक्षित हैं। इस निरीक्षण व समीक्षा के दौरान शोध संस्थान के बड़ा बाबू नैति कामती, अर्जुन मंडल, रविंद्र चौधरी, उज्जवल कुमार और संतोष झा सहित संस्थान के अन्य कर्मी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लनामिवि में विद्वत परिषद की बैठक, तीन नए खेल कोर्सों को मिली मंजूरी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में विद्वत परिषद की महत्वपूर्ण बैठक कुलपति आवासीय कार्यालय के सभाकक्ष में ऑनलाइन मोड में आयोजित हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार और विभिन्न पाठ्यक्रमों से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विश्वविद्यालय के खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से छह माह के सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की स्वीकृति दी गई। इनमें सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटबॉल कोचिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन वॉलीबॉल कोचिंग तथा सर्टिफिकेट कोर्स इन कबड्डी कोचिंग शामिल हैं। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को खेल प्रशिक्षण एवं कोचिंग के क्षेत्र में व्यावहारिक दक्षता प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।परिषद ने स्वयं एडवाइजरी कमेटी की 13 अगस्त को हुई बैठक के कार्यवृत्त को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की। साथ ही अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम के संशोधित अध्यादेश एवं नियमावली को भी मंजूरी दी गई। बैठक में चार वर्षीय सीबीसीएस स्नातक पाठ्यक्रम के 31 विषयों के सिलेबस को स्वीकृति दी गई। इनमें विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, मैथिली, संगीत, नाट्य, भोजपुरी, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, एंथ्रोपोलॉजी एवं ग्रामीण अर्थशास्त्र सहित विभिन्न विषय शामिल हैं।बीसीए एवं एमसीए में नामांकन की निर्धारित योग्यता में भी संशोधन किया गया। प्लस टू में गणित की अनिवार्यता समाप्त करते हुए ऐसे विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स अनिवार्य किया गया है। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सेल्फ फाइनेंस मोड में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी कार्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार अध्यादेश एवं नियमावली को मंजूरी दी गई। बैठक में कुलसचिव डॉ. दिव्या रानी हांसदा सहित विद्वत परिषद के सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे। स्वागत एवं संचालन प्रो. अशोक कुमार मेहता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव ने किया।

पति से वीडियो कॉल के दौरान फंदे से लटककर महिला ने दी जान

सिंहवाड़ा(दरभंगा)। सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र की शंकरपुर पंचायत के वार्ड नंबर-1 में मंगलवार की देर रात 28 वर्षीय महिला ने पति से वीडियो कॉल पर बातचीत के दौरान कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला का पति दिल्ली में मजदूरी कर रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम पसर गया। मृतका की पहचान शंकरपुर वार्ड नंबर-1 निवासी शहजादे कुरैशी के पुत्र तमन्ना कुरैशी की पत्नी शमीमुन निशा उर्फ रौनक के रूप में हुई है। उसका मायका सीतामढ़ी जिले के मेहसौल में बताया गया है। करीब आठ वर्ष पूर्व उसकी शादी तमन्ना कुरैशी के साथ हुई थी। दंपती को कोई संतान नहीं थी।बताया जाता है कि मंगलवार की देर रात महिला अपने पति से वीडियो कॉल पर बातचीत कर रही थी। इसी दौरान उसने कथित रूप से रस्सी का फंदा लगाकर जान दे दी। वीडियो कॉल के दौरान हुई घटना से पति सकते में आ गया और उसने परिजनों व आसपास के लोगों को इसकी सूचना दी। इसके बाद परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना मिलने पर सिंहवाड़ा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया।पोस्टमार्टम के बाद शव मायके सीतामढ़ी जिले के मेहसौल ले जाने की बात बताई गई है, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा।ग्रामीणों के अनुसार, शादी के बाद से ही पति-पत्नी के बीच संबंध सामान्य नहीं थे। हालांकि, आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चा है, लेकिन पुलिस ने किसी कारण की पुष्टि नहीं की है। थानाध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि महिला की मौत की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मामले में अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ी गंडक नदी में लापता छात्रा बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बुढ़ी गंडक नदी में एक छात्रा एवं एक किशोर लापता हो गया।घटना के संबंध में एक ओर जहां बुढ़ी गंडक नदी में बुधवार की सुबह पटपरा पुल के निकट स्नान के दौरान एक 12 वर्षीय किशोर लापता हो गया। लापता किशोर वैशाली जिला के सहदेव बुजुर्ग शेखोपुर निवासी बैजू साहनी का पुत्र साहिल कुमार बताया गया है। बताया गया कि साहिल विभूतिपुर थाना क्षेत्र के पटपरा अपने नाना सहदेव साहनी के यहां आया था।वह बुढ़ी गंडक नदी में स्नान करने गया था। गहरे पानी में चले जाने के कारण वह लापता हो गया। स्थानीय गोताखोरों द्वारा काफी खोजबीन किया गया परंतु कुछ पता नहीं चला।घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन व एसडीआरएफ टीम को दी गई है। फिलहाल किशोर का कुछ पता नहीं चल पाया है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही लापता किशोर की माता रूबी देवी सहित उसके ननिहाल में व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। वहीं दूसरी और मंगलवार की संध्या महथी पुरानी पुल के निकट एक 13 वर्षीय छात्रा बुढ़ी गंडक नदी में गिर गई। एसडीआरएफ टीम की कड़ी मशक्कत के बाद छात्रा का शव घटना के लगभग 20 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। छात्रा महथी उत्तर वार्ड 3 सोनवारचक निवासी पंकज झा की पुत्री आयुषी कुमारी बताई गई है। घटना के संबंध में बताया गया कि आयुषी किसी काम से बाजार जा रही थी। पुरानी पुल के पास अचानक पैर फिसल जाने से वह नदी में गिर गई। वही इस संबंध में अंचलाधिकारी ने बताया कि छात्रा की शव एसडीआरएफ टीम के सहयोग से बरामद किया गया है, वहीं लापता किशोर की तलाश के लिए एसडीआरएफ की दूसरी टीम को बुलाई गई है।

कल्याणपुर के नीतिश कुमार पटना में बेस्ट कराटे कोच से सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के कल्याणपुर निवासी नीतिश कुमार को कराटे के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और बेहतरीन प्रशिक्षण के लिए ह्यबेस्ट कराटे कोचह्व के सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें बीते 16 अगस्त को पटना के दिनकर गोलंबर स्थित ह्यइंस्टीट्यूट ऑफ डायनामिक मार्शल आर्ट्सह्व में आयोजित बेल्ट ग्रेडिंग कार्यक्रम के दौरान दिया गया।नीतिश कुमार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पटना यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स सेक्रेटरी दीप नारायण, अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी एमडी जाबिर अंसारी और अख्तर सर के द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए नीतिश कुमार ने कहा कि यह सम्मान उनके वर्षों के कड़े अभ्यास और कराटे के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनका मुख्य उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, फिटनेस और आत्मरक्षा की भावना को विकसित करना है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुओं, सहयोगियों और शुभचिंतकों को दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी है।

मिथिला हॉर्टिकल्चर कलस्टर से दरभंगा के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प होगा पूरा : सांसद

केंद्रीय कृषि कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर से मिले सांसद, कलस्टर के गठन के लिए जताया आभार

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। विकसित मिथिला और आत्मनिर्भर किसान के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने ठोस पहल शुरू कर दी है। मिथिला हॉर्टिकल्चर कलस्टर के लिए दरभंगा का चयन और इसके लिए 100 करोड़ रुपये की स्वीकृति इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर से मुलाकात कर मिथिला हॉर्टिकल्चर कलस्टर के गठन के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सांसद ने कलस्टर के शीघ्र कार्यान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की। डॉ. ठाकुर ने कहा कि मिथिला हॉर्टिकल्चर कलस्टर की मंजूरी से दरभंगा और मधुबनी जिले के 19 हजार से अधिक किसानों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि कलस्टर के माध्यम से केला, आम, लीची और मखाना जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों से जुड़े किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में व्यापक कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हॉर्टिकल्चर उद्यानिकी परियोजना, मखाना क्षेत्र के विकास, कृषि एवं उद्यानिकी, केला के नए प्रभेद सहित विभिन्न योजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इससे परंपरागत खेती के साथ आधुनिक तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन की व्यवस्था विकसित कर इन्हें देश के साथ-साथ वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। सांसद ने कहा कि मिथिला हॉर्टिकल्चर कलस्टर दरभंगा और मिथिला के विकास में वरदान साबित होगा। इससे किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। डॉ. ठाकुर ने कलस्टर के गठन एवं इसके क्रियान्वयन की दिशा में केंद्र सरकार की तत्परता के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु संत रविदास की 650वीं जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा

- 27 अगस्त से 15 फरवरी तक प्रत्येक गुरुवार महादलित टोलों में लगेगा संत रविदास विकास शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। श्री गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर जिला प्रशासन, दरभंगा की ओर से बुधवार को श्याम मंदिर परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नगर विधायक संजय सरावगी, जिलाधिकारी कौशल कुमार, बिस्फी के पूर्व विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल, उप विकास आयुक्त स्वप्निल सहित कई पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों के लिए कलश भेजे गए हैं। सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से श्री गुरु संत रविदास समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले की सभी पंचायतों के महादलित टोलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गुरु संत रविदास जी के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 27 अगस्त 2026 से 15 फरवरी 2027 तक प्रत्येक गुरुवार ह्यसंत रविदास विकास शिविरह्व आयोजित होगा। शिविरों में अनुसूचित जाति टोलों में रहने वाले लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी एवं विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया जाएगा। नगर विधायक संजय सरावगी ने कहा कि गुरु संत रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष पूरे देश के गांव-गांव में मनाया जाएगा। उनके विचारों के माध्यम से समानता, सामाजिक सद्भाव, भाईचारा और समरसता की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए खेलकूद प्रतियोगिता, साइकिल रैली, वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता सहित कई रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से गुरु संत रविदास जी के सामाजिक एकता, भाईचारा और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में टैंकर से जलापूर्ति सुनिश्चित करें : जिलाधिकारी

दरभंगा। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में दरभंगा ग्रामीण के विधायक राजेश कुमार मंडल भी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, प्राप्त शिकायतों, नल-जल योजनाओं, नई जलापूर्ति योजनाओं, चापाकलों की मरम्मत तथा नगर निकाय क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने संबंधित कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता एवं पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या है, वहां तत्काल टैंकर के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल संकट के कारण आम लोगों को कठिनाई नहीं होनी चाहिए।उन्होंने सभी कनीय अभियंताओं को नल-जल एवं नई जलापूर्ति योजनाओं को सक्रिय और कार्यशील रखने का निर्देश दिया। तकनीकी या अन्य कारणों से जलापूर्ति बाधित होने पर तत्काल समस्या का समाधान करने को कहा। नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों को भी अपने क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी करने तथा जरूरत के अनुसार वैकल्पिक माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। नई जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित संवेदकों को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा आवश्यकता के अनुसार कार्यबल एवं टीमों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का लाभ लोगों को जल्द मिल सके। दरभंगा ग्रामीण विधायक राजेश कुमार मंडल ने नए बोरिंग में वायरिंग का कार्य शीघ्र पूरा कराने पर जोर दिया। उन्होंने पीएचईडी के अभियंताओं को क्षेत्र में सक्रिय रहकर पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा। जिलाधिकारी ने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को चापाकल मरम्मत दल को पूरी तरह सक्रिय रखने तथा खराब चापाकलों की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराने का निर्देश दिया। बैठक में नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष अमन, कार्यपालक पदाधिकारी, पीएचईडी के अभियंता एवं संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में एक दोषी करार

डीएनए रिपोर्ट और सात गवाहों की गवाही रही अहम, 25 अगस्त को सजा के बिंदु पर होगी सुनवाई

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के पॉक्सो की अदालत के विशेष न्यायाधीश सुलेखा झा ने दरभंगा के महिला थाना प्राथमिकी संख्या- 72/22 में जी.आर. न०- 102/23 में बिचारणोंपरांत दरभंगा जिला के भालपट्टी थाना क्षेत्र के भालपट्टी गाँव के अनिरुद्ध मंडल को नाबालिग के साथ दुष्कर्म मामलें में दोषी करार दिया है। अभियोजन पक्ष का संचालन विशेष लोक अभियोजक विजय कुमार पराजित किया और वे सात गवाहों की गवाही करायी। बतौर स्पेशल पीपी नाबालिग पिड़िता के साथ दुष्कर्म कर गर्भ धारण का आरोप और संतान उत्पत्ति पश्चात नवजात शिशु और दुष्कर्मी का डी एन ए एक जैसा मिला। साक्षियों के व्यान और डी०एन०ए० का मेल दोष सिद्धि होने में कारगर साबित रहा। विशेष न्यायाधीश श्रीमती झा ने बुधवार को 376(2) भादवि और 6 पॉक्सो एक्ट में दुष्कर्मी अनिरुद्ध मंडल को दोषी करार दिया। वहीं 25 अगस्त को सजा के बिन्दु पर सूनवाई और सजा कि अवधि निर्धारण के लिए निर्धारित किया है।

आर्थोपेडिक समस्याओं के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग की पहल

गया। जिला में आर्थोपेडिक समस्याओं के बेहतर इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा नई पहल की गयी है। इस पहल में शहर के जयप्रकाश नारायण अस्पताल में आर्थोपेडिक सर्जरी के लिए सी–आर्म मशीन लगायी गयी है। इस मशीन को फ्लोरोस्कोपी मशीन भी कहते हैं। सी-आर्म मशीन एक विशेष प्रकार की पोर्टेबल एक्स-रे मशीन होती है जो अंग्रेजी के अक्षर सी के आकार की होती है। रियर टाइम इमेजिंग की मदद से ऑपरेशन के दौरान यह डॉक्टर को लाइव मॉनीटर पर हड्डी के अंदरूनी हिस्से की सटीक स्थिति दिखाती रहती है। इस तकनीक में बिना बड़ा कट लगाए, एक छोटी सी सुई या छेद के जरिए हड्डी को अपनी सही जगह पर सेट किया जाता है। सी-आर्म के मॉनीटर में देखते हुए, सर्जन टूटी हुई हड्डी के टुकड़ों को आपस में मिलाते हैं। इसके बाद, त्वचा के ऊपर से ही एक विशेष पतली और मजबूत धातु की तार जिसे के–वायर कहते हैं को ड्रिल के जरिए हड्डी के आर-पार डाल दिया जाता है। यह वायर टूटी हुई हड्डियों को आपस में मजबूती से जोड़कर रखती है ताकि वे हिलें नहीं और सही दिशा में प्राकृतिक रूप से जुड़ सकें.। नया आर्थोपेडिक ऑपरेशन थियेटर हुआ तैयारः डीपीएम स्वास्थ्य नीलेश कुमार ने बताया कि जेपीएन अस्पताल में आर्थोपेडिक समस्या के निदान के लिए नया आर्थोपेडिक ऑपरेशन थियेटर तैयार किया गया है। बताया कि एक तीस वर्षीय राजमजूदर का काम करने के दौरान कलाई के उपर उंगली वाला हिस्सा टूट गया था। इसे सी–आर्म मशीन का उपयोग करते हुए के–वायर सर्जरी की गयी। बुधवार को हुए इस सर्जरी के दौरान डॉ विशाल कुमार तथा डॉ अभिषेक कुमार की टीम शामिल रही। चिकित्सकों ने बताया कि पारंपरिक ओपन सर्जरी जिसमें चीरा लगाकर प्लेट लगाई जाती है की तुलना में के–वायर सर्जरी बेहतर रिजल्ट देता है। इसमें ब्लीडिंग और ऑपरेशन के बाद का दर्द बहुत कम होता है। मरीज को अस्पताल में ज्यादा दिन नहीं रुकना पड़ता और वह जल्दी सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है।

छात्र-युवा संसद को सफल बनाने की अपील

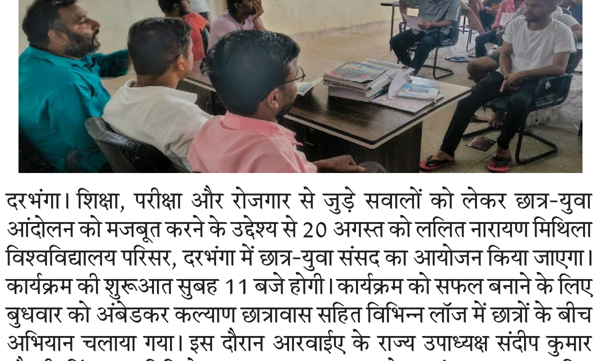

दरभंगा। शिक्षा, परीक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों को लेकर छात्र-युवा आंदोलन को मजबूत करने के उद्देश्य से 20 अगस्त को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय परिसर, दरभंगा में छात्र-युवा संसद का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बुधवार को अंबेडकर कल्याण छात्रावास सहित विभिन्न लॉज में छात्रों के बीच अभियान चलाया गया। इस दौरान आरवाईए के राज्य उपाध्यक्ष संदीप कुमार चौधरी, प्रिंस राज, मिथिलेश कुमार यादव, शम्स तबरेज एवं राहुल कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। आइसा-आरवाईए नेताओं ने बताया कि देशभर में छात्र-युवा शिक्षा में भ्रष्टाचार, परीक्षाओं में पारदर्शिता, बेरोजगारी, रोजगार के अवसर, निजीकरण एवं स्थायी रोजगार जैसे सवालों को लेकर संघर्षरत हैं। छात्र-युवा संसद में इन मुद्दों पर व्यापक चर्चा की जाएगी तथा संघर्ष को और तेज करने की रणनीति पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम में जेएनयू छात्र संघ की संयुक्त सचिव दानिश अली मुख्य वक्ता होंगी। इसके अलावा आरवाईए के पूर्व विधायक सह राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत कुशवाहा, पूर्व विधायक सह राज्य सचिव शिव प्रकाश रंजन, आइसा के राज्य अध्यक्ष धनंजय तथा राज्य सचिव दीपांकर प्रमुख रूप से संबोधित करेंगे। आयोजकों ने कहा कि शिक्षा और रोजगार का सवाल केवल छात्र-युवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों परिवारों और आम नागरिकों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इन सवालों पर व्यापक जनभागीदारी जरूरी है। आइसा-आरवाईए नेताओं ने छात्र-युवाओं, शिक्षकों, शिक्षा प्रेमी नागरिकों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले लोगों से 20 अगस्त को लनामिवि परिसर पहुंचकर छात्र-युवा संसद को सफल बनाने की अपील की।

मुजफ्फरपुर-पटना के बीच नमो भारत रैपिड रेल की तैयारी तेज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बुनियादी और संरचनात्मक सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। बड़े शहरों पर बढ़ते जनसंख्या दबाव को कम करने के लिए आसपास के शहरों के बीच तेज और बेहतर कनेक्टिविटी विकसित करने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में उत्तर बिहार की प्रमुख नगरी मुजफ्फरपुर को राजधानी पटना से नमो भारत रैपिड रेल सेवा से जोड़ने की तैयारी तेज होने की बात सामने आई है। मुजफ्फरपुर और पटना के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। इनमें कारोबारी, नौकरीपेशा लोगों के साथ छात्र और मरीज भी शामिल हैं। ऐसे में दोनों शहरों के बीच तेज रेल सेवा शुरू होने की सूचना यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। इस परियोजना को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम की मदद से आगे बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में मुजफ्फरपुर और पटना के बीच करीब आधा दर्जन मेमू के अलावा कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन होता है। इसके साथ ही बिहार राज्य पथ परिवहन निगम और निजी बसें भी दोनों शहरों के बीच चलती हैं। इसके बावजूद सड़क और रेल मार्ग से यात्रा पूरी करने में सामान्यतः ढाई से तीन घंटे तक का समय लग जाता है। प्रस्तावित नमो भारत रैपिड रेल सेवा शुरू होने पर मुजफ्फरपुर-पटना के बीच यात्रा का समय करीब एक घंटे होने की उम्मीद जताई जा रही है। इससे दोनों शहरों के बीच आवागमन तेज और सुविधाजनक होगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, कारोबार और रोजगार के सिलसिले में नियमित रूप से यात्रा करने वाले लोगों को इसका विशेष लाभ मिल सकता है। इससे मुजफ्फरपुर और पटना के बीच आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है। हालांकि, परियोजना की अंतिम स्वीकृति, निर्धारित मार्ग, स्टेशनों और परिचालन की समयसीमा से संबंधित आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही इन बिंदुओं की स्थिति स्पष्ट होगी।

चलती कार में लगी आग, चालक की सूझबूझ से सात लोगों की बची जान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुशहरी थाना क्षेत्र के नरौली चौक के समीप दुर्गा मंदिर के सामने बुधवार को चलती एक्सयूवी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी गाड़ी धू-धूकर जलने लगी। हालांकि, चालक की सूझबूझ से कार में सवार सभी सात लोगों की समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वाहन मालिक कुमार चंद्रमणि अपने परिवार के साथ सकरा थाना क्षेत्र के बलुआ गांव स्थित घर में आयोजित पूजा में शामिल होने जा रहे थे। परिवार के सात सदस्य बीएमपी-6 स्थित आवास से कार से निकले थे। इनमें दो बच्चे और चार महिलाएं भी शामिल थीं। कार में सवार अनुपम कुमारी ने बताया कि नरौली चौक के पास पहुंचते ही स्टेयरिंग के पास से अचानक धुआं निकलने लगा और आग की लपटें दिखाई देने लगीं। कुछ ही देर में धुआं तेजी से फैल गया और आग बढ़ने लगी। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तत्काल कार रोक दी और सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सभी लोगों के बाहर निकलने के बाद आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। कार को जलता देख मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुकी थी। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है।

फेविक्विक से एटीएम के कैश स्लॉट को चिपकाकर 85 हजार की ठगी, मैनेजर हुआ शिकार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी थाना क्षेत्र में साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए एक प्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रतिष्ठान के मैनेजर को अपना शिकार बना लिया। सदातपुर स्थित पहाड़पुर शनि मंदिर के सामने फोरलेन किनारे लगे टाटा इंडिकैश एटीएम में छेड़छाड़ कर अपराधियों ने प्रतिष्ठान के करेंट अकाउंट से 85 हजार रुपये उड़ा लिए। ठगी का पता तब चला, जब खाते से लगातार रकम कटने के मैसेज मोबाइल पर आने लगे। जानकारी के अनुसार, प्रतिष्ठान के मैनेजर कवीन्द्र कुमार एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे थे। उन्होंने कार्ड मशीन में डालकर पिन और निकासी की रकम दर्ज की, लेकिन पैसे बाहर नहीं निकले। इसके बाद वह बिना रकम निकाले वहां से लौट गए। इसी दौरान प्रतिष्ठान के मालिक के मोबाइल पर खाते से लगातार रकम कटने के संदेश आने लगे। मालिक ने जब मैनेजर से इस संबंध में पूछा तो वह भी हैरान रह गए। इसके बाद मालिक ने एटीएम पर पहुंचकर जांच की। मशीन के कार्ड स्लॉट और कैश निकलने वाली जगह पर फेविक्विक जैसा चिपचिपा पदार्थ लगा मिला। कैश निकलने वाले हिस्से का ढक्कन भी बुरी तरह चिपका हुआ था। इससे साइबर ठगी का शक गहरा गया। एटीएम कार्ड को निकालने का प्रयास किया गया, लेकिन कार्ड मशीन में फंसा रहा। दो लोगों के प्रयास के बावजूद कार्ड बाहर नहीं निकल सका। इस बीच खाते से नौ बार में कुल 85 हजार रुपये की निकासी हो गई। अपराधियों ने आठ बार 10-10 हजार रुपये और अंतिम बार पांच हजार रुपये निकाल लिए। एटीएम पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं होने के कारण पीड़ित को तत्काल सहायता भी नहीं मिल सकी। इसके बाद उन्होंने एटीएम कार्ड के टोल फ्री नंबर पर संपर्क कर कार्ड ब्लॉक कराया। पीड़ित के अनुसार, उन्होंने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर भी संपर्क किया। वहां से कार्ड ब्लॉक कराने की जानकारी दी गई, लेकिन शिकायत दर्ज कराने में तत्काल मदद नहीं मिल सकी। इसके बाद कांटी थाना को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से डायल 112 की टीम को भेजकर औपचारिक जांच कराई गई। टीम ने मामले को साइबर अपराध से जुड़ा बताते हुए आगे की कार्रवाई के लिए साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करने की बात कही। पीड़ित ने अगले दिन अपने दोनों मोबाइल नंबरों से साइबर हेल्पलाइन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हो सकी। बाद में दूसरे मोबाइल नंबर से संपर्क करने पर करीब एक घंटे तक पूछताछ के बाद साइबर ठगी की शिकायत दर्ज की जा सकी। मामले के बाद एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों की निगरानी पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जागरूकता के अभाव में शिविर तक नहीं पहुंचे फरियादी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।राज्य सरकार की सबसे महत्वकांक्षी योजना सहयोग शिविर अब कागजो में सिमट कर रह गई है। सरकार के अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे है। वहीं जागरूकता के अभाव में आम लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। जिससे सरकार की इस योजना को धक्का लग रहा है। मंगलवार को प्रखंड के तीन पंचायत उनसर, आदिगोपालपुर, व रामदास मझौली में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। तीनों पंचायतों के शिविर में जहाँ अधिकारी तो बैठे रहे लेकिन जनता नहीं पहुँच पाई। इसको लेकर मझौली पंचायत के मुखिया पति सह समाजसेवी केदार पासवान ने बताया की पूर्व से सहयोग शिविर का आयोजन 25 अगस्त का आयोजन होना था लेकिन अचानक से मंगलवार की तिथि निर्धारित कर दी गई इस कारण व्यापक प्रचार प्रसार नहीं हो पाया इस कारण लोग कम पहुंच पाए। वहीं आदिगोपालपुर पंचायत के मुखिया पति लखेंद्र पासवान ने बताया कि आनन फानन में शिविर का आयोजन किया गया है। जिस कारण पंचायत के लोगों को इसकी जानकारी नहीं हो पाई। इस कारण काफी कम लोग शिविर में पहुंचे। वहीं उनसर की मुखिया सरोज कुमारी ने बताया की अल्प समय में जो तैयारी हो सकी किया गया है। पूर्व से निर्धारित समय से पहले होने के कारण ज्यादातर लोगों तक शिविर की जानकारी नहीं पहुंच पाई। वहीं बीडीओ जूही कुमारी ने बताया की पूर्व से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लोगों को जानकारी दी गई थी। सभी शिविरों में लोग आये थे। कुछ राजनितिक आरोप प्रत्यारोप के कारण भी समस्या आई है। जीविका के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गई थी।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, पहली बार मोबाइल ऐप से जुटेंगे सामाजिक-आर्थिक आंकड़े

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आगामी जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के प्रकाशन के लिए ग्राम और नगर निर्देशिका से जुड़े सामाजिक-आर्थिक एवं नागरिक सुविधाओं के आंकड़ों का डिजिटल संकलन एक से 30 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। इस बार पहली बार भौतिक प्रपत्रों के बजाय मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से आंकड़े जुटाए जाएंगे। नगर विकास एवं आवास विभाग के अवर सचिव रणविजय कुमार ने राज्य के सभी नगर आयुक्तों तथा नगर परिषद और नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। क्षेत्र पदाधिकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से नागरिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी दर्ज करेंगे। इसके बाद चार्ज अधिकारी वेब पोर्टल पर प्राप्त आंकड़ों का सत्यापन करेंगे। जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देश के अनुसार राज्य के सभी 38 जिलों में नागरिक सुविधाओं से जुड़े आंकड़ों के लिए 31 दिसंबर 2025 को संदर्भ तिथि निर्धारित की गई है। सर्वे के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, बैंकिंग, परिवहन सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्र कार्य एक से 30 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद चार्ज अधिकारियों को 20 सितंबर तक आंकड़ों का सत्यापन पूरा करना होगा। निदेशालय स्तर पर आंकड़ों की जांच और परीक्षण की प्रक्रिया 30 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जाएगी। जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के भाग-ए के प्रकाशन लेखन को 31 दिसंबर 2026 तक अंतिम रूप देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डेटा संकलन में लगाए जाने वाले क्षेत्र पदाधिकारियों को प्रति ग्राम या नगर 1,000 रुपये मानदेय डीबीटी के माध्यम से दिया जाएगा। किसी कर्मी को एक से अधिक ग्राम या नगर का कार्य सौंपे जाने पर निर्धारित मानदेय उसी अनुपात में बढ़ेगा। वहीं, एक दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल होने वाले कर्मियों को 600 रुपये प्रशिक्षण भत्ता भी दिया जाएगा। डिजिटल माध्यम से आंकड़े जुटाए जाने से जनगणना से जुड़ी तैयारियों में डेटा संग्रहण और सत्यापन की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी होने की उम्मीद है।

बूढी.गंडक में डूबे किशोरों का शव बरामद, हुआ दाह संस्कार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र के अंजनाकोट गांव स्थित भुड़कुड़वा पुल के समीप बूढ़ी गंडक नदी में डूबे दो किशोर का शव पोस्टमार्टम से घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शव को देखने के लिए दरवाजे पर भारी संख्या में लोग जुट गए। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया था। मृतक दोनों किशोर के परिजनों ने ग्रामीणों के मदद से देर शाम तक गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घर के पड़ोस में एक साथ शव अंतिम संस्कार के लिए निकलने से इलाके में लोगो की आंखें नम हो गई। मालूम हो कि विगत सोमवार की अहले सुबह मृतक थाना क्षेत्र के बथना गांव निवासी मनोहर प्रसाद के पुत्र उज्ज्वल कुमार और दिनेश भगत के पुत्र अन्नू कुमार उर्फ कल्लू अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ नदी में जल लेने गया था। जहां नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण दोनों किशोर डूब गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस, अंचलाधिकारी ने डूबे किशोर को निकालने के लिए एसडीआरएफ टीम को बुलवाया। घंटों मशक्कत के बाद भी एसडीआरएफ की टीम शव को तलाशने में असफल रही अंधेरा होने के वजह से तलाशी कार्य रोककर चला गया। सोमवार की सुबह घटनास्थल से तकरीबन सात किलोमीटर दूर कोदरिया पूल के समीप ग्रामीणों ने बूढ़ी गंडक नदी में एक शव को तैरते देखा। पास में ही मछली पकड़ने वाला मछुआरों ने शव को नदी से बाहर निकाला। तबतक परिजन मौके पर शव को ढूंढते हुए पहुंचे और देखे तो उज्ज्वल कुमार का शव के रूप में पहचान की। वही अन्नू का शव घटना स्थल से तकरीबन दस किलोमीटर दूर सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव के समीप नदी किनारे से परिजनों ने बरामद की। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया।

संत शिरोमणि रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिला पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर ने समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान की समीक्षा की गई । जिलाधिकारी ने पदाधिकारियों को सरकार के आदेशों का अक्षरशः अनुपालन करने एवं अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने का निदेश दिया। पदाधिकारियों को अभियान के बारे में बारीकी से समझाते हुए उन्होंने कहा कि सभी अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है। इस बारे में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा विस्तार से निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के चार मुख्य घटक हैंः कलश यात्रा, श्री गुरु संत रविदास विकास शिविर का आयोजन,सूचना, शिक्षा एवं संवाद वाहनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं एवं संत शिरोमणि श्री गुरू रविदास समरसता संकल्प अभियान का प्रचार प्रसार तथा अन्य गतिविधियां। ज़िलाधिकारी ने कहा कि कलश यात्रा जिला में आज मंगलवार 18 अगस्त से प्रारम्भ हो चुकी है जो प्रखंडों की ओर अग्रसर है। कलश यात्रा 20 अगस्त तक चलेगी। ज़िलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत स्तरों तक कलश यात्रा को सफलतापूर्वक संपन्न करें। उन्होंने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति आबादी वाले सभी टोलों में सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं की शत प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करना है। इस उद्देश्य से श्री संत रविदास विकास शिविर का आयोजन सभी अनुसूचित जाति टोलों में 27 अगस्त, 2026 से प्रारंभ होकर 15 फरवरी, 2027 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को विकास शिविरों का माइक्रो-प्लान तैयार कर 24 अगस्त तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इन शिविर कार्यक्रम का स्थल टोला या टोला क्लस्टर के नजदीक का सरकारी भवन या अन्य कोई सार्वजनिक स्थान होगा। शिविर कार्यक्रम स्थल और तिथि की जानकारी विकास मित्रों के माध्यम से सभी टोलों में प्रसारित की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इन शिविरों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राशनकार्ड, उज्ज्वला योजना, औपचारिक शिक्षा हेतु विद्यालय में प्रवेश, आंगनबाड़ी, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र से आच्छादन, आधार कार्ड निर्माण, कुशल युवा कार्यक्रम, कौशल विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, वास भूमि, बंदोबस्ती, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, हर घर नल जल योजना, जॉब कार्ड, जीविका, विद्युत कनेक्शन, मुख्यमंत्री टोला संपर्क योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण सहित 22 योजनाओं का संचालन किया जाएगा। शिविरों में आयोजित होने वाले योजनावार गतिविधियों के लिए उत्तरदायी विभागों, संबद्ध पंचायत स्तरीय कर्मियों एवं प्रखंड स्तरीय पर्यवेक्षकों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया है। शिविरों से पूर्व आवेदन प्राप्त करते हुए आवेदन का निष्पादन किया जाएगा एवं एंटाइटलमेण्ट का वितरण शिविर में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारियों को इन शिविरों में माननीय जन प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला कल्याण पदाधिकारी जिला स्तर पर एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी प्रखंड स्तर पर इस कार्यक्रम का समन्वय करेंगे। शिविरों की अध्यक्षता हेतु जिला स्तरीय पदाधिकारियों को नामित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान के तहत सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु आईईसी वैन का संचालन किया जाएगा। इन वाहनों को सितम्बर से अक्टूबर तक रूट प्लान के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा ताकि अभियान का वृहत प्रचार-प्रसार हो।

चोरी के मोबाइल में सिम लगाना पड़ा भारी, भोपाल जीआरपी ने मोतीझील से युवक को दबोचा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। नगर थाना क्षेत्र के मोतीझील इलाके से मंगलवार को भोपाल जीआरपी की टीम ने चोरी के मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे युवक नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया। मोबाइल की जांच और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रैक करते हुए जीआरपी की टीम मुजफ्फरपुर पहुंची थी। नगर थाना पुलिस के सहयोग से मोतीझील स्थित एक मार्केट में छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा गया, जहां वह सिलाई का काम करता था। जानकारी के अनुसार, कांटी थाना क्षेत्र के चकमुरमुर दामोदरपुर गांव निवासी नसीम अख्तर पर आरोप है कि वह चोरी के मोबाइल में अपना सिम लगाकर उसका इस्तेमाल कर रहा था। मोबाइल की जांच के दौरान भोपाल जीआरपी को उसके इस्तेमाल की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल की टावर लोकेशन के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान मोबाइल की टावर लोकेशन कांटी के दामोदरपुर स्थित नसीम अख्तर के घर के आसपास मिली। इसके बाद भोपाल जीआरपी की टीम उसके घर पहुंची। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि नसीम काम के सिलसिले में मोतीझील गया हुआ है। इसके बाद जीआरपी टीम ने नगर थाना पुलिस से संपर्क किया और मोतीझील पहुंची। नगर थाना पुलिस के सहयोग से जीआरपी टीम ने संबंधित मार्केट में छापेमारी कर नसीम अख्तर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे काफी देर तक पूछताछ की और चोरी के मोबाइल के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी को चोरी का मोबाइल कहां से मिला और इसके पीछे कोई अन्य व्यक्ति या गिरोह शामिल है या नहीं। आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद भोपाल जीआरपी आरोपी को अपने साथ ले जा सकती है। मामले में पुलिस चोरी के मोबाइल से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

सहारा भुगतान संघर्ष मोर्चा ने जिलाधिकारी के समक्ष दिया धरना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।सहारा भुगतान संघर्ष मोर्चा ने अपनी मांगों और समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के समक्ष धरना दिया तथा प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को 10 सूत्री मांग पत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान मोर्चा के राज्य अध्यक्ष ललित कुमार ने कहा कि सहारा इंडिया की विभिन्न योजनाओं व समितियों में जमाकताओं , निवेशकों का लंबे समय से किसी भी तरह का भुगतान नहीं होने के कारण करोडों. लोग भारी परेशानी से गुजर रहें हैं।सामान्य जमाकर्ता जो आमतौर पर गांव-मुहल्लों के गरीब हैं या कम आमदनी वाले आमलोग हैं। हजारों अभिकर्ता भी सामान्य मेहनतकश लोग हैं। जमाकर्ता और अभिकर्ता दोनों सहारा इंडिया की धोखाधडी. और फिर केन्द्र सरकार की उपेक्षा के कारण भारी तबाही से गुजर रहें हैं और ठगैती के भयावह शिकार बन गए हैं। अविलंब भुगतान और न्याय के लिए हमसब सहारा भुगतान संघर्ष मोर्चा बना कर जिला स्तर से राज्य विधानसभा तथा संसद भवन के सामने जंतर - मंतर पर लगातार संघर्ष करते रहें हैं। संघर्ष के दबाव में पोर्टल आया लेकिन पोर्टल भी एक छलावा और दिखावा बन कर रह गया है।मोर्चा के राज्य प्रवक्ता कृष्णनंदन झा ने धरना को संबोधित करते हुए कहा कि हजारों अभिकर्ता जो कमीशन एजेंट के रूप में काम करते थे उनका भी टोटल कमीशन अभी तक बकाया रह गया है। ऑफिस स्टाफ का वेतन वर्षों से नहीं मिला है। ऐसी स्थिति में हमलोगों को फिरसे बडे.स्तर पर एकजुट होकर संघर्ष के बल पर केंद्र सरकार पर दबाव बनाना होगा। धरना में शामिल भाकपा-माले जिला सचिव जितेन्द्र यादव ने कहा कि सहारा इंडिया के निवेशकताओं और अभिकताओं के सवालों को माले सांसद सुदामा प्रसाद ने संसद में मजबूती से उठाया था। धरना को ऐपवा जिला सचिव रानी प्रसाद, खेग्रामस राज्य सचिव शत्रुघ्न सहनी, होरिल राय, माले नेता विमलेश मिश्रा, रामबालक सहनी, वीरेन्द्र पासवान, नील कमल और नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष विवेक कुमार ने भी संबोधित किया। राज्य अध्यक्ष के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को मांग पत्र प्रस्तुत किया।

विशेष विद्युत विपत्र सुधार शिविर 22 अगस्त तक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विद्युत उपभोक्ताओं की बिल संबंधी शिकायतों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण के लिए 17 से 22 अगस्त तक विशेष विद्युत विपत्र सुधार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक अजय प्र.से. ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। 18 अगस्त तक मुजफ्फरपुर विद्युत आपूर्ति क्षेत्र में 55 शिविर आयोजित किए गए। इनमें 526 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 437 विपत्र सुधार से संबंधित थे। इनमें 98 मामलों का उसी दिन निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जा रहा है।संचयी रूप से अब तक 607 विपत्र सुधार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 212 का निराकरण हो चुका है और 401 मामले लंबित हैं। सुधार से संबंधित कुल राशि करीब 833.04 लाख रुपये बताई गई है। शिविरों में मीटर रीडिंग, बिलिंग, गलत या अधिक बिल, खाते में राशि तथा अन्य विद्युत विपत्र संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता दी जा रही है। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर आयोजित शिविर में पहुंचकर अपनी शिकायतों का समाधान कराएं।

इफको किसान मित्र समूह प्रशिक्षण में किसानों को नैनो उर्वरक के इस्तेमाल की दी जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। इफको मुजफ्फरपुर की ओर से कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की के सभागार में इफको किसान मित्र समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि केवीके तुर्की के कार्यक्रम समन्वयक सह प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसके रॉय और इफको बेतिया के उप क्षेत्र प्रबंधक सुजीत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डॉ. एसके रॉय ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर इफको नैनो उर्वरक और जल में घुलनशील उर्वरकों का इस्तेमाल कर कम लागत में गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने किसानों को संतुलित एवं आधुनिक उर्वरक प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि सुजीत कुमार ने भारतीय कृषि क्रांति में इफको के योगदान पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के दौरान दिये गये इफको उत्पादों के प्रयोग की विधि की जानकारी दी। इनमें इफको बायोडीकंपोजर, जैव उर्वरक, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, सागरिका तरल और एसओपी 00:00:50 शामिल हैं। उन्होंने किसानों से इफको की देखरेख में इन उत्पादों का प्रयोग करने की अपील की। केवीके की एसएमएस डॉ. दिव्या कुमारी ने कम रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से उत्पादित अनाज के मानव स्वास्थ्य पर होने वाले संभावित लाभों के बारे में जानकारी दी। वहीं, इफको एमसी के राजीव कुमार सिंह ने धान की फसल में लगने वाले कीट, बीमारियों और खरपतवार की पहचान तथा उनके प्रबंधन के बारे में किसानों को बताया। उन्होंने इफको एमसी के उत्पादों के उचित इस्तेमाल की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के दौरान 50 प्रगतिशील किसानों के बीच इफको उत्पादों की किट वितरित की गयी। कार्यक्रम का संचालन इफको मुजफ्फरपुर के वरीय क्षेत्र प्रतिनिधि अमृतेश कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन इफको कृषि स्नातक प्रशिक्षु कुमार गौरव ने किया। कार्यक्रम में इफको एसएफए गोल्डन कुमार, इफको एमडीई मोहम्मद इंजमाम सहित करीब 80 किसान शामिल हुए।

ट्रक ने बाइक सवार तीन किशोरों को 200 मीटर तक घसीटा, हालत गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां थाना क्षेत्र अंतर्गत मुजफ्फरपुर -दरभंगा एनएच 27 पर शर्फुद्दीनपुर फ्लाईओवर के पास मंगलवार शाम एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन किशोरों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का मडगार्ड बाइक के हैंडल में जाकर फंस गया। इसके बाद भी चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय रफ्तार बढ़ा दी और भागने की कोशिश में बाइक को करीब 200 मीटर तक घसीटता चला गया। इस दौरान सड़क पर चिनगारियां उठती रहीं और चीख-पुकार मच गई। अंततः मडगार्ड की चेन टूटने पर बाइक अलग हुई, जिसके बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा। घायलों की पहचान रुदहा गांव निवासी सतीश महतो के 15 वर्षीय पुत्र सुधीर कुमार, कांटू महतो के 13 वर्षीय पुत्र नितिश कुमार और मीनापुर थाना क्षेत्र निवासी 15 वर्षीय रितेश के रूप में हुई है। तीनों की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तीनों किशोर बाइक से टोल प्लाजा की तरफ से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान हाइवे किनारे स्थित एक ढाबे से खाना खाकर निकला ट्रक गलत दिशा से आ रहा था और उसने बाइक में सीधी टक्कर मार दी। थाना अध्यक्ष यशवंत कुमार मिश्रा ने बताया कि हादसे की सूचना मिली है पुलिस जांच में जुट गई है।

सोशल मीडिया पर शिक्षामंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप में शिक्षक निलंबित

मुजफ्फरपुर । जिले के मोतीपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय साढ़ा कन्या के विशिष्ट शिक्षक राजेश कुमार को सोशल मीडिया पर बिहार के शिक्षा मंत्री के खिलाफ कथित राजनीतिक और अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर दिया है। निलंबन के साथ ही शिक्षक को विभागीय कार्यवाही के अधीन रखा गया है। सोशल मीडिया पर शिक्षक राजेश कुमार की ओर से शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार के संबंध में की गई कथित टिप्पणी विभाग के संज्ञान में आई। विभाग ने इसे सरकारी सेवक के आचरण से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी। जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुजफ्फरपुर के कार्यालय की ओर से 17 अगस्त 2026 के माध्यम से शिक्षक राजेश कुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया था।

बिहार सीईटी-बीएडः सातवें चरण की काउंसेलिंग सूची 20 अगस्त को, 22 तक लेना होगा नामांकन

मुजफ्फरपुर। बिहार सीईटी-बीएड-2026 की छठे चरण की काउंसेलिंग के तहत नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गयी है। छठे चरण तक प्रदेश के बीएड कॉलेजों में करीब 33 हजार अभ्यर्थियों ने दाखिला लिया है। इसके बावजूद करीब 4,300 सीटें अब भी रिक्त हैं। बची सीटों को भरने के लिए अब सातवें, आठवें और नौवें चरण की काउंसेलिंग आयोजित की जायेगी। सातवें चरण के लिए अभ्यर्थियों की सूची 20 अगस्त को जारी की जायेगी। इस चरण में कॉलेज आवंटित होने वाले अभ्यर्थी 22 अगस्त तक संबंधित कॉलेज में नामांकन ले सकेंगे। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा का विशेष ध्यान रखना होगा। कॉलेज आवंटित होने के बाद तय अवधि में नामांकन नहीं लेने पर अगले चरण में उनके नाम पर विचार नहीं किया जा सकता है। काउंसेलिंग प्रक्रिया में एक बार किसी अभ्यर्थी को कॉलेज आवंटित हो जाने के बाद उसे अगले चरण में दोबारा कॉलेज आवंटन के लिए विचार नहीं किया जायेगा। ऐसे में सातवें चरण में कॉलेज मिलने पर अभ्यर्थियों को उसी कॉलेज में निर्धारित अवधि के भीतर दाखिला लेना होगा। नोडल सेंटर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय की ओर से अभ्यर्थियों को ऑनस्पॉट नामांकन जैसे किसी अगले अवसर का इंतजार नहीं करने की सलाह दी गयी है। सातवें चरण में कॉलेज आवंटित होने पर समय पर नामांकन लेना जरूरी होगा। तय समय सीमा में दाखिला नहीं लेने वाले अभ्यर्थी आगे की काउंसेलिंग प्रक्रिया से बाहर हो सकते हैं। छठे चरण के बाद करीब 4,300 सीटें रिक्त हैं। इन सीटों को भरने के लिए आठवें और नौवें चरण की काउंसेलिंग भी आयोजित की जायेगी। इन चरणों में उपलब्ध रिक्त सीटों के आधार पर पात्र अभ्यर्थियों को नामांकन का अवसर मिलेगा। ऐसे में बीएड में दाखिले के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए आने वाले चरण महत्वपूर्ण होंगे।

हथौड़ी मे 21 लीटर देशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिले के बोचहा क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हथौड़ी थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 21 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ दो शराब तस्करों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने पहली कार्रवाई मधेपुरा में की, जहां आरोपी शंभू राम के ठिकानों पर दबिश देकर 15 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद की गई। वहीं, दूसरी कार्रवाई इटवा गांव में की गई, जहां शोभित सहनी की दुकान से पुलिस ने 6 लीटर देशी चुलाई शराब जब्त की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेते हुए उनके पास से कुल 21 लीटर शराब बरामद कर ली है। मामले की पुष्टि करते हुए हथौड़ी थाना अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा ने बताया अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। दोनों गिरफ्तार कारोबारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और बुधवार को उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। क्षेत्र में शराब तस्करों और अवैध शराब कारोबार के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सम्पादकीय

नौकरी के साथ जीवन की तैयारी भी जरूरी है

सरकारी नौकरी जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन यह जीवन का सब कुछ नहीं होना चाहिए। हालांकि वेतन, पद, पदोन्नति और सरकारी लाभ अच्छे हैं, लेकिन अच्छा परिवार, स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा, व्यक्तिगत विकास और सेवानिवृत्ति के बाद के भविष्य की तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। सबसे पहले, अपने घर की योजना बनाएं। चाहे गांव हो या शहर, अपना घर होने से स्थिरता और आत्मनिर्भरता का एहसास होता है। सरकार द्वारा आवास मिलना अच्छी बात है, लेकिन यह आपके जीवन का आधार नहीं होना चाहिए। अपना घर होने से नौकरी छूटने की स्थिति में आपको और आपके परिवार को काफी आसानी होगी। काम के प्रति ईमानदार और समर्पित रहें, लेकिन अपना पूरा जीवन कार्यस्थल को न समर्पित करें। यह न सोचें कि आपके बिना कंपनी नहीं चल सकती। इनमें से प्रत्येक भूमिका कोई और निभा सकता है, लेकिन अपनों के साथ बिताए उन पलों को आप कभी वापस नहीं पा सकते। अपनी छुट्टियों और अवकाश का आनंद लें, आराम करें या परिवार और दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएं, अपना ख्याल रखें, यात्रा करें, सीखें और जीवन का आनंद लें। पदोन्नति को ही सफलता का एकमात्र मापदंड न बनाएं। अभ्यास करें और अपनी क्षमताओं को विकसित करें, ज्ञान बढ़ाएं और अपने हर काम में उत्कृष्टता प्राप्त करें। पदोन्नति मिलने पर उसका लाभ उठाएं। अगर पदोन्नति नहीं मिलती है, तो निराश होकर अपने आत्मसम्मान को कम न होने दें। व्यक्तिगत विकास किसी पद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ऑफिस की गपशप, राजनीति और नकारात्मक बातों से दूर रहें। बड़ों का आदर करें, लेकिन चापलूसी को अपना पेशा न बनाएं। शक्तिशाली लोगों को खुश करने से क्षणिक सम्मान मिल सकता है; लेकिन ये चीजें स्थायी सम्मान नहीं दिलातीं। अपने आत्मसम्मान, आत्म-सम्मान और आत्मनिर्णय को बनाए रखें। हमेशा दूसरों से अपनी तुलना न करें, बल्कि खुद से प्रतिस्पर्धा करें। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का एक स्तर सुधार के लिए अच्छा होता है, लेकिन अगर यह किसी को हराने की भावना से प्रेरित हो, तो कुछ लोग बेवजह तनावग्रस्त हो जाते हैं। आपको कल खुद से मुकाबला करना चाहिए, किसी और से नहीं। अपने वित्त का प्रबंधन करने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अपनी तनख्वाह पर निर्भर न रहें और उससे ही सब कुछ पाने की उम्मीद न रखें। अपनी आय, दायित्वों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर बचत और निवेश योजनाएँ बनाएँ। जब आप दूसरी आय या व्यवसाय के बारे में सोचें, तो सुनिश्चित करें कि यह सेवा नियमों और आपके पेशेवर कर्तव्यों के अनुरूप हो। नियमित रूप से बचत करने की आदत डालें। अनावश्यक कर्ज और जीवनशैली में बेवजह की बढ़ोतरी से बचें। शिक्षा प्राप्त करने, किसी लाभकारी संपत्ति खरीदने या किसी सुनियोजित उद्यम के लिए उधार लेना भले ही स्वीकार्य हो, लेकिन अपनी मनचाही जीवनशैली बनाए रखने के लिए कर्ज लेना उचित नहीं है। निजी जीवन की बातें साझा न करें। कार्यालय में निजी संबंधों, आर्थिक मामलों, पारिवारिक मुद्दों और विवाह पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। अपने निजी जीवन के बारे में जो बातें आप साझा करते हैं, उनसे नहीं, बल्कि अपने आचरण, पेशेवर रवैये और ईमानदारी से अपने सहकर्मियों, सहयोगियों और नियोक्ताओं का सम्मान करें। अपने करियर की शुरूआत से ही अपनी सेवानिवृत्ति की योजना बनाएं। ऐसा हमेशा नहीं होता कि सेवानिवृत्ति 40 या 50 वर्ष की आयु में ही हो। वास्तव में, सेवानिवृत्ति का अर्थ है उन दिनों के लिए वित्तीय, मानसिक और भावनात्मक रूप से तैयार होना जब काम, चाहे अच्छा हो या बुरा, समाप्त हो जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद जीवन को अर्थपूर्ण बनाने के लिए रुचियों और गतिविधियों की योजना बनाएं। यह लेखन, अध्यापन, खेती, छोटा व्यवसाय चलाना, सामाजिक कार्य, यात्रा, पढ़ना या कोई अन्य अच्छी गतिविधि हो सकती है। काम करते समय धीरे-धीरे कुछ करने से आपको उसका अनुभव मिलेगा और आप देख पाएंगे कि यह संभव और व्यवहार्य है या नहीं। अपनी दिनचर्या तय करने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार न करें। दशकों तक काम करने के बाद, सेवानिवृत्ति के बाद जीवन में ढलना मुश्किल हो सकता है क्योंकि कोई और नियमित दिनचर्या या उद्देश्य नहीं होता। सेवानिवृत्ति जीवन का एक नया पड़ाव होना चाहिए, न कि अचानक आने वाला खालीपन। अपनी छुट्टियों का भरपूर आनंद उठाएं। कोई किताब पढ़ें, कोई नया कौशल सीखें, कोई व्यक्तिगत परियोजना शुरू करें, परिवार के साथ यात्रा करें, स्वस्थ रहें या कोई शौक अपनाएं। आप अपना समय कैसे बिताते हैं, यह दशार्ता है कि आप भविष्य में अपना जीवन कैसे जिएंगे।

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए। मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है। डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है। चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं। मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्त्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है। मच्छरों के प्रजनन को रोकने का सबसे प्रभावी तरीका उनके प्रजनन स्थलों को समाप्त करना है। घरों के आसपास जमा पानी मच्छरों के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है। कूलर, गमले, पुराने टायर, खाली डिब्बे, छत पर रखे पात्र, पानी की टंकियां और अन्य बर्तन यदि खुले हों तो उनमें मच्छर पनप सकते हैं।

वंदे मातरम प्रेम:हकीकत या फसाना

6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं। समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को ह्ववंदे मातरम्ह्न गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने ह्ववंदे मातरम्ह्न की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है।

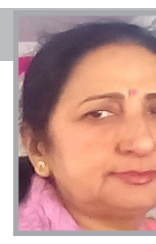

निर्मल रानी
(लेखक)

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निदेर्शों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद ह्ववंदेमातरम ह्व को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया कबंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं। समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को ह्ववंदे मातरम्ह्न गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने ह्ववंदे मातरम्ह्न की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब ह्ववंदे मातरम्ह्न को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि ह्लजिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है। उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज ह्ववंदे मातरम्ह्न गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक, प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ ह्लमाँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँह्व होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं।

विचारों की लड़ाई है -दिमागी नक्सली

असल चुनौती उन विचारों और प्रचार-तंत्रों से है, जो युवाओं को लोकतांत्रिक बहस से निकालकर हिंसा, घृणा, विध्वंस और अराजकता की ओर धकेलते हैं। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। युवा ऊर्जा यदि शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, कृषि, उद्योग, खेल और सामाजिक सेवा में लगे तो वही ऊर्जा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। इसके विपरीत यदि युवाओं के भीतर लगातार यह भावना भरी जाए कि व्यवस्था में कोई सुधार संभव नहीं है, लोकतांत्रिक संस्थाएं बेकार हैं और परिवर्तन का एकमात्र रास्ता हिंसा या विध्वंस है, तो यह मानसिकता व्यक्ति और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। युवा मन स्वभावतः प्रश्न करता है। वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहता है और बदलाव की आकांक्षा रखता है। यही उसकी ताकत है। लेकिन इसी ऊर्जा को यदि तथ्यहीन प्रचार, आधी-अधूरी जानकारी और कट्टर वैचारिक प्रभाव दिशा देने लगे, तो रचनात्मक असंतोष विनाशकारी क्रोध में बदल सकता है। इसलिए सवाल युवाओं को चुप कराने का नहीं है, बल्कि उनके सवालों को सही दिशा देने का है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

देश में समय-समय पर ऐसे शब्द और अवधारणाएं चर्चा में आती हैं, जो समाज के भीतर चल रही किसी बड़ी बहस की ओर संकेत करती हैं। ह्लदिमागी नक्सलीह्व भी ऐसा ही एक विवादास्पद और तीखा शब्द है। इसका इस्तेमाल आम तौर पर उन लोगों के लिए किया जाता है, जिन पर हिंसक उग्रवाद, अराजकता या राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिए बिना वैचारिक स्तर पर युवाओं को भ्रमित करने, व्यवस्था के प्रति अंधी नफरत पैदा करने या हिंसा को उचित ठहराने का आरोप लगाया जाता है। लेकिन इस विषय पर चर्चा करते समय एक बुनियादी सावधानी जरूरी है असहमति, सरकार की आलोचना, वैचारिक मतभेद और नक्सली या हिंसक उग्रवाद एक ही चीज नहीं हैं। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना नागरिक अधिकार है। इसलिए किसी व्यक्ति या समूह को केवल उसके राजनीतिक विचारों के कारण दिमागी नक्सली कहना उचित नहीं होगा। असल चुनौती उन विचारों और प्रचार-तंत्रों से है, जो युवाओं को लोकतांत्रिक बहस से निकालकर हिंसा, घृणा, विध्वंस और अराजकता की ओर धकेलते हैं। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। युवा ऊर्जा यदि शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, कृषि, उद्योग, खेल और सामाजिक सेवा में लगे तो वही ऊर्जा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। इसके विपरीत यदि युवाओं के भीतर लगातार यह भावना भरी जाए कि व्यवस्था में कोई सुधार संभव नहीं है, लोकतांत्रिक संस्थाएं बेकार हैं और परिवर्तन का एकमात्र रास्ता हिंसा या विध्वंस है, तो यह मानसिकता व्यक्ति और समाज दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। युवा मन स्वभावतः प्रश्न करता है। वह अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना चाहता है और बदलाव की आकांक्षा रखता है। यही उसकी ताकत है। लेकिन इसी ऊर्जा को यदि तथ्यहीन प्रचार, आधी-अधूरी जानकारी और कट्टर वैचारिक प्रभाव दिशा देने लगे, तो रचनात्मक असंतोष विनाशकारी क्रोध में बदल सकता है। इसलिए सवाल युवाओं को चुप कराने का नहीं है, बल्कि उनके सवालों को सही दिशा देने का है। आज विचारों का प्रसार केवल किताबों, अखबारों और सार्वजनिक सभाओं तक सीमित नहीं है। मोबाइल फोन के माध्यम से कोई भी संदेश कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक संवाद को व्यापक बनाया है, लेकिन इसके साथ गलत सूचना, भ्रामक वीडियो, फर्जी उद्धरण, संपादित तस्वीरें और भावनात्मक प्रचार की चुनौती भी बढ़ी है। किसी घटना का दस सेकंड का वीडियो देखकर पूरा निष्कर्ष निकाल लेना, किसी वायरल पोस्ट को बिना सत्यापन के सच मान लेना या किसी समुदाय के प्रति नफरत फैलाने वाली सामग्री को लगातार देखना व्यक्ति की सोच को प्रभावित कर सकता है। इसलिए आज के युवा के लिए डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही जरूरी है जितनी पारंपरिक शिक्षा। उसे यह सीखना होगा कि हर वायरल संदेश सच नहीं होता है और हर तीखा भाषण तथ्यपरक नहीं होता है। यदि किसी समाज में कोई विध्वंसकारी विचार फैल रहा है, तो उसका मुकाबला केवल प्रतिबंध या दमन से नहीं किया जा सकता है। उसके सामने बेहतर विचार, बेहतर शिक्षा और बेहतर अवसर रखने होंगे। युवाओं को यह समझाना होगा कि गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता या प्रशासनिक कमियों का समाधान लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करके नहीं, बल्कि उन्हें मजबूत करके किया जा सकता है। संसद, विधानसभाएं, न्यायपालिका, मीडिया, विश्वविद्यालय, स्थानीय निकाय और नागरिक समाज, ये सभी लोकतांत्रिक परिवर्तन के रास्ते हैं। यदि व्यवस्था में कमी है तो उसके खिलाफ आवाज उठाइए। यदि नीति गलत है तो उसका विरोध कीजिए। यदि प्रशासनिक लापरवाही है तो जवाब मांगिए। लेकिन हिंसा और विध्वंस को परिवर्तन का साधन मानना अंततः उसी समाज को कमजोर करता है, जिसके सुधार की बात की जाती है। राष्ट्र-निर्माण की चर्चा में यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि देशभक्ति का अर्थ सरकार की हर नीति का समर्थन करना नहीं है। देश नागरिकों से बनता है, और नागरिकों को अपनी सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। एक जिम्मेदार नागरिक वह है जो देश से प्रेम करते हुए उसकी कमियों पर भी सवाल उठाता है और सुधार का रास्ता सुझाता है। इसलिए युवाओं को दो अतियों से बचाना होगा, एक ओर अंध-समर्थन और दूसरी ओर अंध-विरोध। देश को अंधभक्ति नहीं, जागरूक नागरिक चाहिए। भारत ने लंबे समय तक वामपंथी उग्रवाद और नक्सली हिंसा की चुनौती का सामना किया है। कई क्षेत्रों में हिंसा ने आम नागरिकों, सुरक्षाबलों और विकास कार्यों को प्रभावित किया है। हिंसक उग्रवाद का स्पष्ट विरोध होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हथियार उठाकर नागरिकों या सुरक्षा बलों पर हमला करने को राजनीतिक असहमति का सामान्य रूप नहीं माना जा सकता है। लेकिन इसी के साथ वैचारिक बहस को भी हिंसक उग्रवाद के बराबर नहीं रखा जाना चाहिए। किसी विश्वविद्यालय के छात्र का किसी आर्थिक नीति से असहमत होना, किसी लेखक का सरकार की आलोचना करना या किसी नागरिक का सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना अपने आप में नक्सली गतिविधि नहीं है। यही अंतर लोकतांत्रिक समाज को बनाए रखता है। भारत आज विज्ञान, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष, स्टार्टअप, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में युवाओं के सामने अवसरों का एक विशाल संसार है। उन्हें यह बताया जाना चाहिए कि देश बदलने के लिए केवल नारों की जरूरत नहीं है, बल्कि कौशल और मेहनत की जरूरत है।

धर्म, मोक्ष और इतिहास की संगम भूमि पर एक पठनीय कृति है गया जी

सुरेन्द्र कुमार रंजन

बिहार के वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक जितेन्द्र कुमार सिन्हा की चौथी कृति गया जी प्रकाशित होकर पाठकों के बीच आ चुकी है। 122 पृष्ठों में प्रकाशित यह पुस्तक गया की धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को सहज एवं सरल भाषा में प्रस्तुत करती है। पुस्तक का मूल्य मात्र 299 है और इसका प्रकाशन ऑरेंज बुक पब्लिकेशन, छत्तीसगढ़ द्वारा किया गया है। गया केवल एक शहर नहीं है, बल्कि भारतीय धार्मिक चेतना में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण तीर्थभूमि है। यहां धर्म, मोक्ष, ज्ञान, आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम दिखाई देता है। लेखक जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने इसी बहुआयामी पहचान को अपनी पुस्तक ह्वगया जीह्न का विषय बनाया है। लेखक ने पुस्तक को दो प्रमुख खंडों में विभाजित किया है। छोटे-छोटे पाठों के माध्यम से गया जी से जुड़े धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों को पाठकों के सामने रखा गया है। भाषा सहज, सरल और प्रवाहपूर्ण है, जिसके कारण पुस्तक सामान्य पाठक के साथ-साथ धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए भी उपयोगी बन जाती है। पुस्तक में गयासुर, भगवान विष्णु और उनके चरणचिह्न विष्णुपद, फल्गु नदी, विष्णुपद मंदिर, पितरों की मोक्ष-प्रक्रिया तथा गया जी के विभिन्न मोक्ष स्थलों का उल्लेख किया गया है। इन विषयों के माध्यम से लेखक ने गया की धार्मिक पहचान और उससे जुड़ी मान्यताओं को समझाने का प्रयास किया है। गया की धार्मिक पहचान की चर्चा गयासुर की कथा के बिना अधूरी मानी जाती है। पुस्तक में गयासुर से जुड़ी मान्यताओं को स्थान देकर लेखक ने गया जी के धार्मिक आख्यान की मूल कड़ी को पाठकों के सामने रखा है। भगवान विष्णु के चरणचिह्न से जुड़ा विष्णुपद गया जी की पहचान का प्रमुख केंद्र है। लेखक ने विष्णुपद और उससे संबंधित धार्मिक मान्यताओं को सरल भाषा में प्रस्तुत किया है। इससे पाठक गया जी की आध्यात्मिक परंपरा को केवल एक तीर्थ के रूप में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही धार्मिक आस्था की परंपरा के रूप में समझ सकता है। गया जी की चर्चा फल्गु नदी के बिना भी पूरी नहीं हो सकती। धार्मिक दृष्टि से फल्गु का विशेष महत्त्व है और पितरों के लिए किए जाने वाले कर्मकांडों से इसका गहरा संबंध है। पुस्तक में पितरों की मोक्ष प्रक्रिया तथा गया जी में होने वाले विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का उल्लेख किया गया है। लेखक ने इन विषयों को जटिल बनाने के बजाय छोटे-छोटे पाठों के माध्यम से पाठकों के लिए सुगम व सरल बनाया है। इस पुस्तक की एक प्रमुख विशेषता यह है कि गंभीर विषयों को बड़े ही सहज भाषा में प्रस्तुत किया गया है। गया जी को भारतीय धार्मिक परंपरा में मोक्षभूमि के रूप में विशेष स्थान प्राप्त है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां पितरों के निमित्त धार्मिक कर्मकांड करने आते हैं। पुस्तक में गया के विभिन्न मोक्ष स्थलों और उनके धार्मिक महत्त्व पर भी प्रकाश डाला गया है। लेखक ने केवल धार्मिक मान्यताओं को सामने रखने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि गया जी शहर के अनेक महत्त्वपूर्ण स्थानों की चर्चा भी की है। इस दृष्टि से गया जी धार्मिक पुस्तक होने के साथ-साथ एक उपयोगी परिचयात्मक पुस्तक भी बन जाती है। गया जी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसकी भाषा है। लेखक ने कठिन धार्मिक और ऐतिहासिक विषयों को बोझिल बनाने के बजाय सामान्य पाठक की समझ के अनुरूप प्रस्तुत किया है।

संत रविदास जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा डीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को सारण जिले में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिला पदाधिकारी ने समाहरणालय परिसर से कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा समाहरणालय से थाना चौक होते हुए कटहरी बाग पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों तथा विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने संत रविदास जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। संत रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से मानवता, समानता, सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव के साथ आपसी सद्भाव और सामाजिक एकता को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने समाज के प्रत्येक वर्ग को समान सम्मान और अधिकार देने की भावना को मजबूत किया। उनका जीवन हमें भेदभाव से ऊपर उठकर मानव कल्याण और सामाजिक समरसता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उनके विचारों और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा समाज के कल्याण एवं सर्वांगीण विकास के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रशासन की प्राथमिकता है कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तभी सार्थक होगा, जब पात्र लाभुकों को चिन्हित कर उन्हें वास्तविक रूप से योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस कार्य में प्रशासन के साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों से संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कला, संस्कृति एवं खेल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। कलश यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं उल्लास का माहौल रहा। लोगों ने संत रविदास जी के विचारों एवं संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लिया।

खेल प्रतिभाओं को निखारने की पहल, खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ डीएम ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिले में खेल गतिविधियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने को लेकर जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बुधवार को विभिन्न खेल संघों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला खेल पदाधिकारी सहित विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि उन्हें बेहतर खेल मैदान, प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतियोगिताओं के माध्यम से उचित मंच उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने खेल संघों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने खेल के लिए उपयुक्त खेल मैदान हेतु उपलब्ध भूमि को चिन्हित कर प्रस्ताव जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यक अनुमति एवं आगे की कार्रवाई की जा सके। डीएम ने सभी खेल संघों से पूरे वर्ष आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं एवं अन्य खेल गतिविधियों का वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार कर जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा। इससे खेल आयोजनों को व्यवस्थित एवं समन्वित तरीके से आयोजित करने में सुविधा होगी। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी को सदर अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक खेल कमेटी गठित करने तथा उसके लिए बायलॉज तैयार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विद्यालय स्तर पर स्पोर्ट्स मीट आयोजित कराने पर विशेष जोर दिया गया। इसके बाद प्रखंड एवं जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान करने और उन्हें उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की योजना पर चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी ने खेल संघों से खेल मैदान, आधारभूत संरचना, उपकरण, प्रशिक्षण सुविधाओं एवं अन्य आवश्यक संसाधनों से संबंधित समस्याओं की विस्तृत सूची उपलब्ध कराने को कहा। इन प्रस्तावों के आधार पर जिले में खेल विकास की समेकित कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में सोनपुर मेला के दौरान खेल गतिविधियों को विशेष बढ़ावा देने की योजना पर भी चर्चा हुई। डीएम ने छोटे-बड़े सभी खेलों को शामिल करते हुए वृहद खेल टूर्नामेंट आयोजित करने की दिशा में कार्रवाई का निर्देश दिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यालय एवं प्रखंड स्तर से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें जिला एवं प्रमंडल स्तर तक आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। डीएम ने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं और विद्यार्थियों को खेलों से जोड़कर जिले में सकारात्मक खेल वातावरण तैयार किया जाएगा। स्थानीय प्रतिभाओं को उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा।

संक्षिप्त खबरें

भेल्दी थानान्तर्गत दहेज हत्या कांड के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देश पर सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित एवं फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर भेल्दी थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर भेल्दी थाना कांड संख्या-46/26 दहेज हत्या के नामजद अभियुक्त मकसूदपुर गांव निवासी प्रभु राय के पुत्र संजय राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय छपरा में हुई जन शिकायतों पर सुनवाई

छपरा सदर। 19 अगस्त को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

रसूलपुर में श्री कृष्ण झूलनोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

रसूलपुर। बाबा दुर्गेश्वरनाथ शिवमन्दिर में वर्षों से चली आ रही श्री कृष्ण झूलनोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस पाँच दिवसीय आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों सहित ग्रामीणों में काफी उत्साह है। झूलन की शुरूआत 24 अगस्त को होगी और इसका पूर्णाहुति 28 अगस्त को होगी। झूलन के आयोजन में सभी ग्रामवासी आर्थिक सहयोग में अपनी सहभागिता दिखा रहे हैं। इस आयोजन के मद्देनजर बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मंदिर के पुजारी खीरू बाबा, उपमुखिया मनोज सोनी ह्यनन्हेह्ल, छपरा से पधारे बबलू दुबे, सुल्तानपुर (उड्ढप्रड्ढ) से पधारे राजकुमार सोनी, अशोक दुबे, बल्टू दुबे आर्मी, पिन्टू श्रीवास्तव, मंजीत मिश्रा, अनूप दुबे, शुभम दुबे, अमन दुबे, प्रिंस सोनी, अंशु चौरसिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

पुलिस ने हथियार मोबाइल के साथ तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

बनियापुर। स्थानीय थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस को देख भागने के क्रम में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे पुलिस ने अवैध हथियार, मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस सूत्र के अनुसार पुलिस वाहन चेकिंग के क्रम में धनगरहा तीन मुहानी के समीप पुलिस वाहन जांच कर रही थी, जहां एक बाइक पर सवार तीन युवक पुलिस को देखते वापस भागने लगे तभी पुलिस ने पीछा करते तीनों को गिरफ्तार कर लिया, जिनके तलाशी में उनके पास से एक रिवॉल्वर, एक बाइक, तीन मोबाइल बरामद किया, आरोपितों ने हथियार से संबंधित कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को थाना लाकर बनियापुर थाना कांड संख्या 669/26 दर्ज करते मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मां के सपने में आई देवी मां, बेटों ने बनवा दिया भव्य देवी मंदिर

तरैया। इसुआपुर के टेढ़ा में नवनिर्मित देवी मंदिर में 21 अगस्त को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस देवी स्थान को टेढ़ा वाली माई के नाम से जाना जाए गा। इस दौरान मंदिर परिसर में 24 घंटे का अखंड अष्टयाम, देवी मूर्तियों का नगर परिभ्रमण, जल वास, अन्न वास सहित अन्य कई प्रक्रियाएं पूरी की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए आयोजन समिति के शंकर राय और उनके बेटों ने बताया कि इस प्राण प्रतिष्ठा के दौरान देवी जागरण और नेपाल से आने वाले कलाकारों के द्वारा मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की जाएगी। इसके अलावा अन्य कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगी।

जेब पर बोझ नहीं, सदर अस्पताल में सुरक्षित प्रसव: 3 माह में 286 महिलाओं का सिजेरियन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में छपरा सदर अस्पताल में किए जा रहे प्रयासों का असर अब संस्थागत प्रसव के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। अस्पताल में प्रसव की सुविधा के साथ-साथ जटिल प्रसव के मामलों के बेहतर प्रबंधन और रेफरल व्यवस्था को सुदृढ़ किए जाने से सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने वाली महिलाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। मई से जुलाई के बीच तीन माह में छपरा सदर अस्पताल में 1321 महिलाओं का संस्थागत प्रसव कराया गया। इनमें 286 प्रसूताओं का सिजेरियन प्रसव भी किया गया। वहीं, 92 जटिल प्रसव के मामलों का अस्पताल में ही बेहतर प्रबंधन करते हुए सुरक्षित प्रसव कराया गया। आंकड़ों पर गौर करें तो मई में सदर अस्पताल में 384 महिलाओं का संस्थागत प्रसव हुआ था। जून में यह संख्या बढ़कर 388 और जुलाई में 549 तक पहुंच गई। इस तरह जुलाई में पिछले दो महीनों की तुलना में संस्थागत प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि में सिजेरियन प्रसव के मामलों में भी बढ़ोतरी हुई। मई में 70, जून में 90 और जुलाई में 126 महिलाओं का सिजेरियन प्रसव कराया गया। सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत यह है कि लाभार्थियों को प्रसव संबंधी आवश्यक सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर इलाज का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता। अस्पताल में चिकित्सक, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाए जाने से जटिल मामलों का भी बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। जटिल प्रसव के बेहतर प्रबंधन से रेफरल में कमी स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रसव के दौरान जटिल स्थिति उत्पन्न होने पर पहले कई मामलों में महिलाओं को उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर करना पड़ता था। अब सदर अस्पताल में प्रशिक्षित चिकित्सकों और नर्सों की टीम के साथ आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने से ऐसे मामलों का अस्पताल में ही बेहतर प्रबंधन किया जा रहा है। मई से जुलाई के बीच 92 जटिल प्रसव वाली महिलाओं का विशेषज्ञ टीम की निगरानी में प्रसव कराया गया। इससे एक ओर गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को दूसरे अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है, वहीं समय पर उपचार मिलने से प्रसूताओं और नवजातों के लिए जोखिम भी कम किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का जोर सुरक्षित मातृत्व के साथ प्रसव के बाद मां और नवजात को आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराने पर भी है। जुलाई में सबसे अधिक 549 संस्थागत प्रसव तीन महीने के आंकड़ों में जुलाई का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। जुलाई में 549 महिलाओं ने सदर अस्पताल में संस्थागत प्रसव कराया। मई की तुलना में जुलाई में संस्थागत प्रसव की संख्या में 165 मामलों की वृद्धि हुई है। इसी तरह सिजेरियन प्रसव भी मई के 70 मामलों से बढ़कर जुलाई में 126 तक पहुंच गया। जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम अरविंद कुमार ने बताया कि सदर अस्पताल में रेफरल सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही जटिल प्रसव के बेहतर प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। इससे गंभीर और जटिल मामलों में महिलाओं को समय पर आवश्यक चिकित्सा सुविधा मिल रही है और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिला है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है, ताकि गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उनके नजदीक ही मिल सके।

संत रविदास समरसता संकल्प अभियान की कलश यात्रा की शुभारंभ

दरियापुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर दरियापुर प्रखंड मुख्यालय से संत रविदास समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली जाएगी। तीन दिवसीय इस अभियान के दौरान प्रखंड की प्रत्येक पंचायत की दलित बस्तियों में पहुंचकर संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को संत रविदास जी के आदर्शों और विचारों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण सिंह, अंचलाधिकारी जयंत कुमार गौतम, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी भोला दास ने किया इस अवसर पर प्रखंड विकास मित्र कोऑर्डिनेटर अजय राम, अमर नाथ राम सहित सभी विकास मित्र उपस्थित हुए। अभियान के दौरान विभिन्न पंचायतों में लोगों को सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता का संदेश दिया जाएगा साथ ही संत रविदास जी के विचार आज भी समाज को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने की दिशा में प्रेरणा देते हैं।

बनियापुर थानान्तर्गत वाहन चेकिंग के क्रम में रिवाल्वर जब्त कर 03 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देशन में जिलान्तर्गत विधि-व्यवस्था संधारण एवं अपराध नियंत्रण के उद्देश्य गश्ती / वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। अभियान के दौरान सभी दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की गहन जांच की जा रही थी। वाहन जांच के क्रम में 18 अगस्त को बनियापुर थाना द्वारा ग्राम धनगढ़ा तीन मुहानी के पास वाहन जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार 03 व्यक्ति पुलिस चेकिंग को देखकर गाड़ी घुमाकर भागने का प्रयास किया। जिसे उपलब्ध बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। जांच एवं तलाशी के क्रम में रिवाल्वर-01, मोटरसाईकिल-01 एवं मोबाईल-03 जप्त किया गया। बरामद हथियार के संबंध में कागजात की मांग करने पर उक्त सभी के द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया इस संबंध में बनियापुर थाना कांड संख्या-669/26 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त में बनियापुर थाना क्षेत्र के धनगढ़ा निवासी अशोक महतो का पुत्र मोनू महतो, दाढ़ीबाडी निवासी जंग बहादुर पाण्डेय का पुत्र सूरज पाण्डेय तथा चंचल कुमार पांडेय बताया जाता है।

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग में मनाई गई तुलसी जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जय प्रकाश विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग में तुलसी जयंती का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के साथ अन्य विभागों के विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजनीति विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो लाल बाबू यादव थे। उन्होंने तुलसीदास का मूल्यांकन वर्तमान विमर्शों के प्रतिमानों में किया। डॉ रजनीश कुमार यादव ने तुलसीदास के लोकनायक और समन्वयवादी रूप पर विचार किया। डॉ चंदन कुमार श्रीवास्तव ने तुलसीदास की प्रासंगिकता पर विचार किया। उन्होंने तुलसीदास को धर्म और साहित्य से जोड़ते हुए सवाल उठाया कि हमें आज उन्हें किस रूप में देखना चाहिए। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो अमरनाथ ने तुलसीदास की प्रासंगिक पंक्तियों की व्याख्या की। प्रो गजेंद्र ने तुलसीदास का वैश्विक मूल्यांकन किया। हिन्दी विभाग के प्रो अजय कुमार ने तुलसीदास कृत रामचरित मानस और विनय पत्रिका की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए उनकी वाक्पटुता और रचना कौशल को रेखांकित किया। इतिहास विभाग के प्रो राजेश नायक ने तुलसीदास का ऐतिहासिक मूल्यांकन किया। डॉ अमित रंजन ने तुलसीदास की रचनाओं के वैविध्य पर विचार किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो सिद्धार्थ शंकर ने किया। कार्यक्रम का संचालन दीप शिखा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ अजीत नारायण ने किया। इस अवसर पर उर्दू विभाग के प्रो हाशमी और प्रो शमी अहमद तथा दर्शनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो सुशील कुमार श्रीवास्तव व हिन्दी विभाग के छात्र - छात्राएं मौजूद रहे।

80 लीटर देसी शराब के साथ तीन गिरफ्तार

दरियापुर। डेरनी थाना पुलिस ने शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 80 लीटर देसी शराब के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नन टोला सुतिहार निवासी विश्वनाथ महतो, पिता स्व. सीता राम महतो, प्रभु महतो, पिता स्व. सुधीश महतो तथा लालबाबू महतो, पिता रामइकबाल महतो के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार तीनों को शराब बरामदगी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

संगठन मजबूती के लिए अधिवक्ताओं को अधिक से अधिक विधि प्रकोष्ठ से जोड़ें : राहुल कुमार सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड विधि प्रकोष्ठ की सारण जिला समीक्षा बैठक बुधवार को जिला परिसदन में जिला जदयू अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ह्यविकलह्ल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विधि प्रकोष्ठ के संगठनात्मक विस्तार, सक्रियता और आगामी कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा अधिक से अधिक अधिवक्ताओं को विधि प्रकोष्ठ से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधि प्रकोष्ठ के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक राहुल कुमार सिंह ने कहा कि अधिवक्ता समाज का महत्वपूर्ण और जागरूक वर्ग है। विधि प्रकोष्ठ को मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक अधिवक्ताओं को संगठन से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से संगठन की नीतियों और सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाने की अपील की। इस अवसर पर जिला जदयू अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ह्यविकलह्ल ने कहा कि विधि प्रकोष्ठ पार्टी संगठन का महत्वपूर्ण अंग है। इसे और अधिक मजबूत एवं धारदार बनाने के लिए व्यापक स्तर पर अधिवक्ताओं और समाज के प्रबुद्ध लोगों को जोड़ना जरूरी है। उन्होंने संगठन की सक्रियता बढ़ाने तथा कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। वहीं विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नासिर हैदर, जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ राघवेन्द्र बहादुर चांद, सारण जिला विधि मंडल के सचिव शशिभूषण पाण्डेय, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अधिवक्ता रविन्द्र कुमार सिंह, अधिवक्ता चन्द्रभूषण पंडित, जिला उपाध्यक्ष जदयू ओमप्रकाश शर्मा, शिव प्रकाश सुमन, सुशील कुमार सिंह, सुबोध कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, जदयू नेता एवं विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

विगत 24 घंटे में 41 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार अवैध हथियार एवं शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 18 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-41 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 32 वाहनों से 71,500/ रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-222.42 लीटर, मोटरसाईकिल-03, ट्रेक्टर-01, सिलेंडर-01, मास्टर चाभी-01, पिस्टल-01, मोबाईल-03 एवं अपहता-02 बरामद किए गए।

छपरा में बिजली व्यवस्था सुधारने को लेकर विधायक का कड़ा रुख; अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा विधानसभा क्षेत्र में सुचारू बिजली आपूर्ति और जनसमस्याओं के त्वरित निष्पादन को लेकर स्थानीय विधायक श्रीमती छोटी कुमारी ने बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान विधायक ने क्षेत्र में बिजली व्यवस्था की मौजूदा स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। विधायक छोटी कुमारी ने कहा कि आम जनता को निर्बाध बिजली सेवा और सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्मार्ट प्रीपेड मीटर, अत्यधिक बिलिंग और लो-वोल्टेज की शिकायतों के समाधान के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया गया। विधायक ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों को जनता की शिकायतों का समयबद्ध निवारण करना होगा। शहरी व ग्रामीण इलाकों में जर्जर तारों को तुरंत बदलने और नए सब-स्टेशन के निर्माण कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने की हिदायत दी गई। खराब या जले हुए ट्रांसफॉर्मर को तय सीमा के भीतर बदलने का सख्त निर्देश दिया गया ताकि आम लोगों और किसानों को परेशानी न उठानी पड़े। विधायक ने स्पष्ट किया कि कनीय अभियंता और कंट्रोल रूम को आम जनता के फोन उठाने होंगे। जनता से दूर भागने वाले और काम में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की जाएगी। समीक्षा बैठक के अंत में विधायक श्रीमती छोटी कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करें और प्रखंड स्तर पर बिजली शिविर लगाकर जनसमस्याओं का ऑन-द-स्पॉट निस्तारण करें। कार्यपालक अभियंता राजू कुमार, सहायक अभियंता (शहरी) धीरज सती, सहायक अभियंता (ग्रामीण), कनिष्ठ विद्युत अभियंता तेलपा, पावर हाउस समेत अन्य उपस्थित थे। माननीय विधायक की ओर से बताया गया कि जल्द ही एक विशेष कैंप आयोजित कर आम जनता को सौर ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं और इसके फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

जय प्रकाश महिला महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जय प्रकाश महिला महाविद्यालय में बुधवार को विविध सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. किरण कुमारी की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की आयोजक अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. प्रियंका पराशरन, रसायनशास्त्र विभाग की डॉ. रिंकी कुमारी एवं डॉ. प्रियंका मिश्रा तथा संगीत विभाग की डॉ. शिवानी शुक्ला रहीं। उनके मार्गदर्शन में छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत मेहंदी, फूड स्टॉल, रंगोली, शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन एवं रैंप वॉक जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी कला, रचनात्मकता एवं प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मेहंदी प्रतियोगिता में शिवानी ने प्रथम, उर्वशी ने द्वितीय और अनीशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फूड स्टॉल प्रतियोगिता में वहीदा परवीन प्रथम, निक्की एवं रीता द्वितीय तथा गौरी, गिरजा कुमारी एवं ममता तिवारी तृतीय स्थान पर रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में प्रिया ने प्रथम, नीतू, कल्पना एवं श्वेता ने द्वितीय तथा नेहा कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रीय नृत्य में अंजलि कश्यप प्रथम, अनुष्का सिन्हा द्वितीय तथा सोनाक्षी एवं निर्मला तृतीय रहीं। शास्त्रीय गायन में ईशा ने प्रथम, विजयलक्ष्मी ने द्वितीय और सिमरन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं रैंप वॉक में अनुष्का प्रथम, शालू द्वितीय तथा नेहा तृतीय स्थान पर रहीं। प्राचार्या प्रो. किरण कुमारी ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय की डॉ. रेखा श्रीवास्तव, डॉ. अंजू कुमारी, डॉ. बबीता बर्धन, डॉ. शिखा सिन्हा, डॉ. मुग्धा पाण्डे, डॉ. चंचल कुमारी, डॉ. शबाना परवीन मलिक, डॉ. रिंकी कुमारी, डॉ. सोनाली सिंह, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. अनवर अली अंसारी, डॉ. अनिता गौतम, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. बिंदी, डॉ. नमिता किशोर, डॉ. बबीता कुमारी सिंह, डॉ. प्रतिभा रिचार्या, डॉ. सुनीता कुमारी एवं डॉ. सुप्रिया पाठक सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और प्रतियोगिताओं से महाविद्यालय परिसर पूरे दिन उत्साह एवं उल्लास से भरा रहा। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ।

इसुआपुर में लगा सौर मेला, सोलर पैनल लगाने के लिए उपभोक्ताओं ने किया आवेदन

इसुआपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बुधवार को इसुआपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार में बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह की मौजूदगी में सौर मेला का आयोजन किया गया। मेले में पहुंचे महिला एवं पुरुष उपभोक्ताओं को विभागीय पदाधिकारियों ने घरों पर सोलर पैनल लगवाने के फायदे, सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी, ऋण सुविधा तथा आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी। नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के निर्देश के आलोक में आयोजित मेले में उपभोक्ताओं ने ऑफलाइन आवेदन जमा किया। जेई मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का मुख्य उद्देश्य लोगों को सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना है तथा उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगवाने की प्रक्रिया काफी सरल है। किलोवाट के अनुसार उपभोक्ताओं को सब्सिडी के साथ ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आवेदन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली बिल, बैंक खाता संख्या, जमीन की रसीद, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी की छायाप्रति संलग्न करना आवश्यक है। वहीं जेई ने बिजली बिल कलेक्शन के लिए 17 से 22 अगस्त तक कैंप भी लगाए जाने की बात कही। सौर मेले में बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह, जेई मनोज कुमार वर्मा, संदीप कुमार, राजेश कुमार एवं रोशन कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

नशे से दूर रहकर स्वस्थ और बेहतर भविष्य बनाने का दिया संदेश

छपरा कार्यालय। नशा मुक्ति एवं इसके दुष्परिणामों के प्रति छात्र- छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सारण जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी के नेतृत्व में राजेंद्र कॉलेज, लोकमान्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उत्क्रमित मध्य विद्यालय राम नगर एवं संस्कृति मॉडल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर नशा मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान से संबंधित दी गई विस्तृत जानकारीः इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी प्रियांशु बहन ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को तो नुकसान पहुंचाता ही है, साथ ही उसके परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। क्योंकि युवावस्था जीवन निर्माण का महत्वपूर्ण समय माना गया है। ऐसे में युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से स्वयं दूर रहने के साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। इस दौरान उक्त विद्यालयों एवं महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को तनाव एवं परेशानियों से निपटने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने की जरूरतः बीके अरविंद भाई ने बताया कि मजबूत इच्छाशक्ति, सकारात्मक सोच और अच्छे संगत के माध्यम से नशे की प्रवृत्ति से बचा जा सकता है। विद्यार्थियों को तनाव एवं परेशानियों से निपटने के लिए सकारात्मक सोच अपनाने तथा योग, ध्यान और आध्यात्मिक चिंतन को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम के दौरान छात्र- छात्राओं ने नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। शिक्षकों ने भी ब्रह्माकुमारी संस्था के इस अभियान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय स्तर से नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाना युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त जीवन जीने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य प्रो डॉ संजय कुमार, प्राध्यापक डॉ ऋचा मिश्रा और डॉ बी एस साहू, लोकमान्य उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार मिश्रा, उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार चौधरी, संस्कृति मॉडल स्कूल के निदेशक संदीप आनंद के अलावा स्थानीय सेवा केंद्र के बीके अरविंद भाई, बीके प्रियांशु बहन, बीके पिंकी बहन सहित कई अन्य भाई और बहनों का सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

सहार बाजार मे जाने वाले मुख्य मार्ग पर जलजमाव से राहगीर और दुकानदार परेशान

सहार। सहार थाना से मुख्य बाजार की ओर जाने वाली बाजार की सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण इन दिनों बरसात का पानी सड़क पर जमा हो गया है।जलजमाव के चलते राहगीरों और बाजार आने वाले लोगों राहगिरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी और गड्ढों के कारण छात्रो और ग्रामीणों को पैदल चलने वाले लोगों के साथ-साथ दोपहिया वाहन चालकों को भी आवागमन में कठिनाई हो रही है। जलजमाव का असर बाजार के दुकानदारों पर भी पड़ रहा है। दुकानदारों अदित्य गुप्ता, विकास केशरी, अरूण केशरी, प्रदुमन गुप्ता, दिव्यांशु कुमार का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति और पानी जमा रहने के कारण ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कतरा रहे हैं, जिससे हम लोगों कारोबार प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और स्थानीय प्रतिनिधियों से सड़क की मरम्मत कराने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

संत रविदास जयंती पर कोइलवर में निकलेगी कलश यात्रा

आरा। श्री गुरु संत रविदास की 650 वीं जयंती के अवसर पर कोइलवर प्रखंड के सभी अनुसूचित जाति टोलों में समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली जाएगी। जिला पदाधिकारी भोजपुर के आदेश के आलोक में यह कार्यक्रम आज गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में कोइलवर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने 19 अगस्त को आदेश जारी कर प्रखंड के सभी विकास मित्रों एवं पंचायत सचिवों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार प्रखंड कार्यालय कोइलवर से आज गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो संबंधित अनुसूचित जाति टोले तक पहुंचेगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को निर्धारित तिथि पर कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

एसबी कॉलेज में बीसीए-बीबीए की प्रवेश परीक्षा 22 अगस्त को

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू) की अंगीभूत इकाई एसबी कॉलेज, आरा में शैक्षणिक सत्र 2026-29 के लिए बीसीए और बीबीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉलेज में 22 अगस्त को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रो. मीना कुमारी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा महाविद्यालय परिसर में सुबह 11:15 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक संचालित होगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा हॉल में प्रवेश के लिए पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अपील की है। बीसीए समन्वयक डॉ. राकेश कुमार रंजन ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में प्रदर्शन और मेधा के आधार पर नामांकन लिया जाएगा। वहीं, बीबीए समन्वयक डॉ. अभिनव आनंद ने कहा कि रोजगारपरक पाठ्यक्रम होने के कारण बीबीए में नामांकन को लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह है।बीसीए शिक्षक राकेश कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा में बीसीए और बीबीए को प्रथम अथवा द्वितीय वरीयता देने वाले अभ्यर्थी शामिल होंगे। बीसीए शिक्षक रवि रंजन पाठक ने बताया कि दोनों पाठ्यक्रमों में कुल 60 सीटों पर नामांकन लिया जाएगा। बीबीए शिक्षक मुकेश कुमार सिन्हा ने कहा कि परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा सभी जरूरी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। अभ्यर्थियों को समय पर केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है, ताकि प्रवेश और परीक्षा प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

राजभवन मार्च की ऐतिहासिक सफलता पर भाई दिनेश ने जताया आभार

जगदीशपुर। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष माननीय श्री तेजस्वी यादव जी के आह्वान पर आयोजित राजभवन मार्च (लोक भवन मार्च) को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र सहित भोजपुर एवं बिहार के विभिन्न प्रखंडों, जिलों, गांवों और पंचायतों से पहुंचे राजद कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों तथा आम जनता के प्रति भाई दिनेश, पूर्व विधायक जगदीशपुर, भोजपुर ने हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। भाई दिनेश ने कहा कि राजभवन मार्च में युवा, छात्र, किसान, मजदूर, महिलाएं और आम नागरिकों की भारी भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि बिहार की जनता अपने अधिकारों, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और जनहित के मुद्दों को लेकर पूरी तरह जागरूक और एकजुट है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और जोश के साथ लोगों ने पटना पहुंचकर राजभवन मार्च में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

सोन नद किनारे नाविकों से रंगदारी वसूलने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बबुरा थाना की पुलिस ने सोन नद किनारे अवैध रूप से बालू खनन करने वाले नाविकों से हथियार के बल पर रंगदारी वसूलने वाले गिरोह के चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से .315 बोर की दो राइफल, एक देसी कट्टा, नौ जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक भोजपुर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 18-19 अगस्त की रात की है। बबुरा थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बबुरा थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम गठित कर बबुरा थाना क्षेत्र के बिंदगावा स्थित जोगा बाबा मंदिर के समीप सोन नदी किनारे छापेमारी की गई। पुलिस टीम को देखते ही वहां मौजूद अपराधियों में अफरातफरी मच गई। हालांकि टीम ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को मौके से दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो .315 बोर की राइफल, एक देसी कट्टा, नौ जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अपराधी सोन नदी में अवैध बालू खनन में लगे नाविकों से हथियार के बल पर रंगदारी की वसूली करते थे। गिरोह के सदस्य हथियारों का भय दिखाकर नाविकों से रुपये वसूलने का काम करते थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और रंगदारी वसूली से संबंधित मामलों की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कोईलवर थाना क्षेत्र के महादेवचक निवासी शक्लु राय के पुत्र पुटुस उर्फ रवि कुमार, बबुरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी स्व. रामसहाय राय के पुत्र अखिलेश कुमार, गीधा थाना क्षेत्र के बीरमपुर गांव निवासी जितेंद्र राय के पुत्र संजीत कुमार तथा आरा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महकमपुर बारा गांव निवासी रविशंकर राय के पुत्र छोटू यादव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पुटुस उर्फ रवि कुमार का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ कोईलवर थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट, चोरी, रंगदारी, मारपीट और अवैध बालू खनन समेत कई मामले दर्ज हैं। वहीं, संजीत कुमार के खिलाफ गीधा थाने में एक मामला दर्ज है। छोटू यादव के खिलाफ कोईलवर और चांदी थाने में मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों, रंगदारी वसूली के नेटवर्क और अवैध बालू खनन से जुड़े लोगों के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

आहर में डूबने से मजदूर की मौत, चार नाबालिग बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

प्रात: किरण संवाददाता

तरारी (आरा)। तरारी प्रखंड के कुसुमी गांव में आहर में डूबने से 40 वर्षीय मजदूर अजय कुमार राम की मौत हो गई। मंगलवार की शाम खेती के काम से गांव के पूरब स्थित आहर की ओर गए अजय कुमार राम का पैर अचानक फिसल गया और वे गहरे पानी में जा डूबे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका पता नहीं चल सका। बुधवार की सुबह करीब आठ बजे आहर से उनका शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान कुसुमी गांव निवासी स्व. बालम राम के पुत्र अजय कुमार राम के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा प्रशासन को सूचना दी। ग्रामीणों एवं परिजनों के सहयोग से शव को तरारी अस्पताल लाया गया। घटना की जानकारी मिलने पर भाकपा माले के प्रखंड सचिव सह राज्य कमिटी सदस्य उपेंद्र भारती के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता तरारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर पीड़ित परिवार को जल्द सरकारी सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। उपेंद्र भारती ने कहा कि मृतक बेहद गरीब और असहाय परिवार से थे। उनके निधन से परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी तथा नियमानुसार मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग प्रशासन से की। चार नाबालिग बच्चों की जिम्मेदारी अजय कुमार राम अपने पीछे तीन बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। चारों बच्चे नाबालिग हैं। मृतक के पिता का भी पहले ही निधन हो चुका है। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाले अजय की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बच्चों और परिवार के भविष्य को लेकर ग्रामीणों में भी चिंता है। अस्पताल में पहुंचे भाकपा माले नेताओं ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। इस दौरान कामता प्रसाद सिंह, कृष्णा प्रसाद गुप्ता, सुशील पासवान, रामदयाल पंडित, नीतीश कुमार, अर्जुन कुमार और विकास कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे

शोध पर्यवेक्षक से प्रमाणपत्र लेकर पीएचडी जारी रख सकेंगे संविदा सहायक प्राध्यापक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। नए स्थापित 211 डिग्री कॉलेजों में चयनित संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों को राहत मिली है। अब वे अपनी फेलोशिप छोड़कर संविदात्मक सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्य करने के साथ-साथ पीएचडी कार्यक्रम भी जारी रख सकेंगे। इस संबंध में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पीएचडी की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इससे वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा समेत राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े शोधरत शिक्षकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। निर्देश के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने पीएचडी के लिए निर्धारित कोर्स वर्क तथा अन्य आवश्यक शर्तें पूरी कर ली हैं, वे संविदात्मक सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य करते हुए अपना शोध जारी रख सकेंगे। इसके लिए संबंधित शोध पर्यवेक्षक अथवा मार्गदर्शक की ओर से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रमाण पत्र पर संबंधित विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष का हस्ताक्षर भी आवश्यक होगा। इसमें यह पुष्टि करनी होगी कि शोधार्थी ने स्वीकृत शोध प्रस्ताव के तहत आवश्यक प्रयोगशाला कार्य, क्षेत्र कार्य अथवा डेटा संग्रह का कार्य पर्याप्त रूप से पूरा कर लिया है।निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे शोधार्थियों को शोध केंद्र अथवा विभाग में लगातार उपस्थित रहने की अनिवार्यता नहीं होगी। शेष शोध कार्य को गैर-शिक्षण घंटों, छुट्टियों तथा अन्य उपलब्ध अवधियों में निर्धारित नियमों के अनुसार पूरा किया जा सकेगा। इससे उन शिक्षकों को विशेष सुविधा मिलेगी, जिन्हें नए डिग्री कॉलेजों में शिक्षण कार्य की जिम्मेदारी मिली है और वे साथ ही अपनी पीएचडी पूरी करना चाहते हैं।

बायोमीट्रिक उपस्थिति पर कॉलेजों से जवाब तलब, शिक्षक-कर्मचारियों में हड़कंप

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में बायोमीट्रिक उपस्थिति को लेकर अंगीभूत कॉलेजों के प्राचार्यों से स्पष्टीकरण मांगे जाने के बाद शिक्षकों एवं कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कॉलेजों में शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति के रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। जांच में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति निर्धारित अवधि से कम दर्ज पाई गई है। विश्वविद्यालय की ओर से कॉलेजों के प्राचार्यों को भेजे गए पत्र में मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने और स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार बायोमीट्रिक उपस्थिति व्यवस्था को पारदर्शी बनाने तथा शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की कॉलेज में मौजूदगी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। बताया गया कि लोकभवन के निर्देश के अनुसार शिक्षकों को सप्ताह में निर्धारित कार्य अवधि पूरी करने के साथ प्रतिदिन कम से कम पांच घंटे कॉलेज में उपस्थित रहना है। वहीं शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए सात घंटे की उपस्थिति का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद बायोमीट्रिक रिकॉर्ड की जांच में कई विसंगतियां सामने आई हैं। विश्वविद्यालय की जांच में यह भी पाया गया कि 50 प्रतिशत से अधिक शिक्षकों ने केवल एक बार अथवा पांच घंटे से कम अवधि तक बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई है। वहीं कुछ शिक्षकेतर कर्मचारियों की उपस्थिति भी केवल एक बार दर्ज हुई है। इससे विश्वविद्यालय प्रशासन ने कॉलेजों में बायोमीट्रिक उपस्थिति व्यवस्था के पालन पर सवाल उठाए हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बायोमीट्रिक मशीन में एक ही बार उपस्थिति दर्ज होने अथवा निर्धारित अवधि से कम समय में उपस्थिति दर्ज किए जाने की स्थिति में संबंधित कर्मचारी के वास्तविक कार्यालय अवधि में रहने की गणना में कठिनाई हो रही है। इसी कारण कॉलेजों से उपस्थिति रिकॉर्ड की गंभीरता से जांच कर जवाब मांगा गया है।विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर आगे भी नियमित निगरानी की जाएगी। बायोमीट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही कार्यालय में निर्धारित समय तक मौजूदगी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस मामले को लेकर शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है। कुछ शिक्षकों का कहना है कि प्राचार्यों की बायोमीट्रिक उपस्थिति की भी जांच होनी चाहिए। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राचार्यों के लिए भी बायोमीट्रिक उपस्थिति अनिवार्य की गई है। जुलाई माह में वेतन भुगतान के दौरान बायोमीट्रिक उपस्थिति में कमी को लेकर भी मामला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बड़हरा विधायक पहुंचे विशुनपुर हाई स्कूल, कार्यक्रम मे हुए शामिल

बड़हरा। बड़हरा प्रखंड अंतर्गत बिशनपुर उत्क्रमित हाई स्कूल में एक कार्यक्रम आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्क्रमित हाई स्कूल के प्रधानाचार्य राघवेंद्र कुमार सिँह एवं मंच संचालन शिक्षा प्रेमी हरेराम चंद्रवंशी ने किया मुख्य अतिथि बड़हरा बिधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे बड़हरा विधायक का स्कूल प्रशासन एवं ग्रामीण जनता द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया गया। विद्यालय की व्यवस्था को देखते हुए मदद करने की बात कही विद्यार्थियों को ज्यादा संख्या होने के उपरांत दो शिफ्ट में स्कूल चलाने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी से फोन से वार्ता किया गमीणों के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया ।वही बिधायक ने सबलपुर और बिशुनपुर काली मंदिर में चुनरी और मिठाई से पूजा अर्चना की मौके पर उपस्थित मिडिल स्कूल के प्रधानाचार्य विजय प्रसाद, मंडल अध्यक्ष शुभम पांडे, पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह संटू, मंडल अध्यक्ष टुनटुन महतो, उपाध्यक्ष पिंटू सिंह, मुन्ना सिंह, अंगद पांडे, सरोज पांडे, पंकज कुमार, पप्पू कुमार, गजेंद्र सिंह, त्रियुग सिंह प्रभु सिंह, मनजीत कुमार, रामेश्वर सिंह, अनिल पांडे, विजेंद्र सिंह, सभी ग्रामीण सहित स्कूल के सभी शिक्षक गण विद्यार्थी गण से उपस्थित रहे ।

पेपरलेस निबंधन के विरोध में तीसरे दिन भी कलमबंद हड़ताल

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (आरा)। पेपरलेस निबंधन व्यवस्था के विरोध में कातिब, अधिवक्ता एवं निबंधन कार्य से जुड़े अन्य सहायक कर्मियों की अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण अवर निबंधन कार्यालय पीरो में निबंधन कार्य प्रभावित रहा और कार्यालय परिसर में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। बिहार सरकार के मद्य निषेध एवं निबंधन विभाग के पत्रांक 4961, दिनांक 1 अप्रैल 2026 के आलोक में 17 अगस्त से कातिबों ने पेपरलेस व्यवस्था के विरोध में कार्यस्थगन शुरू किया है। कातिब संघ का कहना है कि सरकार की ओर से 11 जुलाई से राज्य के 10 अवर निबंधन कार्यालयों में पेपरलेस व्यवस्था का ट्रायल शुरू किया गया था। ट्रायल के दौरान सामने आई समस्याओं का समाधान किए बिना ही व्यवस्था लागू करने का दबाव बनाया जा रहा है। कातिब संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहजादा खान ने बताया कि पेपरलेस व्यवस्था लागू करने से पहले कातिबों को पर्याप्त प्रशिक्षण और तकनीकी जानकारी नहीं दी गई। उनका कहना है कि नई व्यवस्था में दस्तावेजों की प्रक्रिया, पहचान एवं हस्ताक्षर को लेकर कई व्यावहारिक समस्याएं हैं। इन्हीं समस्याओं के विरोध में पूरे बिहार के कातिबों ने कार्य बहिष्कार किया है। कातिब निर्मल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पेपरलेस व्यवस्था में क्रेता और विक्रेता के हस्ताक्षर तथा पहचान से जुड़ी प्रक्रिया को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। उनके अनुसार, जमीन के रकबे और दस्तावेजों में किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर भविष्य में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। साथ ही कई ग्रामीण भूमि क्रेता-विक्रेताओं के पास आज भी मोबाइल फोन की सुविधा नहीं है, जबकि नई प्रक्रिया में ओटीपी की भूमिका महत्वपूर्ण है। आर्थिक संकट का भी जताया डर निबंधन कार्य ठप होने से कातिबों और निबंधन कार्य से जुड़े अन्य लोगों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न होने की बात कही गई है। कातिबों का दावा है कि निबंधन कार्य बाधित रहने से सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व की क्षति हो रही है। कातिब बृज बिहारी सिंह, गोरख सिंह, मुकेश कुमार सिन्हा, राजेंद्र प्रसाद सिंह, मुकेश कुमार, मो. कामरान खान और सुनीत कुमार सिन्हा समेत अन्य ने कहा कि सरकार जब तक पेपरलेस निबंधन व्यवस्था की तकनीकी एवं व्यावहारिक कमियों को दूर नहीं करती, तब तक उनका कलमबंद कार्यस्थगन जारी रहेगा। कातिबों ने सरकार से मांग की है कि पेपरलेस निबंधन व्यवस्था को पूरी तरह लागू करने से पहले कातिबों को समुचित प्रशिक्षण दिया जाए तथा क्रेता-विक्रेता की पहचान, हस्ताक्षर, दस्तावेजों की उपलब्धता और जमीन के रकबे की सुरक्षा से जुड़ी कमियों को दूर किया जाए।

हादसे के बाद क्लीनिक में इलाज करा रहा था हेरोइन का आरोपित, टावर लोकेशन से पुलिस ने दबोचा

प्रात: किरण संवाददाता

तरारी (आरा)। पुलिस को चकमा देकर लंबे समय से फरार चल रहे हेरोइन बरामदगी के आरोपित को आखिरकार इलाज कराना भारी पड़ गया। सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद निजी क्लीनिक में इलाज करा रहे आरोपित को पुलिस ने टावर लोकेशन के आधार पर मोपती मेला मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को इलाज के लिए पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उपचार के बाद उसे पुलिस हिरासत में सिकरहटा थाना लाया गया।गिरफ्तार आरोपित बागर निवासी सत्येंद्र राय का पुत्र आनंद कुमार राय बताया जाता है। पुलिस के अनुसार, सिकरहटा थाना क्षेत्र के मोआपखुर्द मुर्गी फार्म के समीप वाहन जांच के दौरान अपाची बाइक सवार दो लोगों को पुलिस ने रोका था। तलाशी के दौरान बाइक से मिले काले रंग के बैग से 45 ग्राम हेरोइन, दो वजन करने वाली मशीन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए थे। इसी दौरान आनंद कुमार पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था। लगातार ठिकाने बदल रहा था आरोपित मामले में सिकरहटा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत आनंद कुमार एवं एक अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद से पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित ठिकाना बदल देता था और गिरफ्तारी से बचने में सफल हो जाता था। हादसे के बाद पहुंचा निजी क्लीनिक इसी बीच मोआपखुर्द मुर्गी फार्म के समीप तेज गति से भागने के दौरान आनंद कुमार सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। घायल होने के बाद वह मोपती मेला मोड़ स्थित एक निजी क्लीनिक में इलाज कराने पहुंचा। पुलिस को इसकी भनक लगते ही तकनीकी माध्यम से उसकी लोकेशन का पता लगाया गया। एसआई विवेका कुमार ने पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुए बुधवार की रात करीब 7:30 बजे मोपती मेला मोड़ स्थित निजी क्लीनिक से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे पीरो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। उपचार के बाद आरोपित को सिकरहटा थाना लाया गया। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मामले में फरार दूसरे आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई जारी है।

बड़हरा थाना परिसर में 757 लीटर शराब का किया गया विनष्टीकरण

बड़हरा। खवासपुर थाना पुलिस द्वारा जब्त की गई देशी-विदेशी शराब का बुधवार को बड़हरा थाना परिसर में विनष्टीकरण किया गया। पुलिस के अनुसार, विभिन्न मामलों में जब्त कुल 757 लीटर देशी-विदेशी शराब को नियमानुसार नष्ट किया गया। विनष्टीकरण की कार्रवाई संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की मौजूदगी में पूरी की गई। शराब को नष्ट करने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की गई।

रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने ग्रामीण क्षेत्र में लगाया मानसिक स्वास्थ्य शिविर

गया। रोटरी क्लब ऑफ गया युवा द्वारा सुमर्थ केंद्र, धनीबिगहा में ग्रामीण पुरुषों एवं महिलाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निरवाना क्लिनिक, गयाजी की कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट डॉ. कृतिका अग्रवाल ने लगभग 100 मरीजों की जांच की है। इस दौरान मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं पर व्यक्तिगत परामर्श एवं आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया है। जरूरतमंद मरीजों के बीच आवश्यक दवाओं का भी निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक समस्याओं से जुड़ी झिझक एवं भ्रांतियों को दूर करना तथा जरूरतमंद लोगों को समय पर विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम के अंत में सभी मरीजों के बीच जलपान का वितरण किया गया है।

काली पट्टी बांधकर आज से विरोध करेंगे एमओ मांगें नहीं मानी तो ठप हो सकती है राशन आपूर्ति

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो (भोजपुर)। जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत अनाज आपूर्ति व्यवस्था पर आंदोलन की तलवार लटक गई है। लंबित मांगों को लेकर बिहार आपूर्ति सेवा संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का एलान किया है। आंदोलन के प्रथम चरण में 20 से 26 अगस्त तक राज्यभर के आपूर्ति पदाधिकारी (एमओ) कार्य के दौरान काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध करेंगे। पीरो अनुमंडल में भी आपूर्ति पदाधिकारी समदर्शी पासवान, अंशु कुमार दीपक ,धर्मवीर कुमार भारती आंदोलन में शामिल होकर काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे। आपूर्ति पदाधिकारियों का कहना है कि उनकी मांगों पर समय रहते सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा। संसाधनों के अभाव में बढ़ रहा काम का दबाव बिहार आपूर्ति सेवा संघ के अनुसार आपूर्ति पदाधिकारियों से अतिरिक्त कार्य कराया जा रहा है, लेकिन उसके अनुरूप आवश्यक मानव बल और मूलभूत संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। राशन कार्ड अभियान समेत अन्य कार्यों के लिए निर्धारित लक्ष्य और समय सीमा को लेकर भी पदाधिकारियों पर दबाव है। संघ की प्रमुख मांगों में राशन कार्ड अभियान के लिए पर्याप्त मानव बल, कंप्यूटर, इंटरनेट, वाहन सहित अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना तथा लंबित सेवा-हित से जुड़ी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेना शामिल है। संघ का कहना है कि अधिकारी अपने दायित्वों से पीछे नहीं हट रहे हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में कार्य कराना व्यावहारिक नहीं है। आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने से जन वितरण प्रणाली की व्यवस्था को और बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा। मांगें नहीं मानीं तो सामूहिक अवकाश और हड़ताल बिहार आपूर्ति सेवा संघ ने चेतावनी दी है कि प्रथम चरण के सांकेतिक विरोध के बाद भी यदि सरकार की ओर से मांगों पर ठोस पहल नहीं की गई तो आंदोलन को अगले चरण में ले जाया जाएगा। इसके तहत सामूहिक अवकाश और उसके बाद सामूहिक हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है। संघ के धर्मवीर कुमार भारती ने कहा कि मांगों को लेकर अधिकारियों में लगातार असंतोष है। सरकार को समय रहते समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि जन वितरण प्रणाली के माध्यम से गरीबों को मिलने वाले राशन की आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित न हो। यदि आंदोलन हड़ताल तक पहुंचता है तो इसका सीधा असर पीडीएस की आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में सरकार और आपूर्ति सेवा संघ के बीच शीघ्र वार्ता कर समस्या का समाधान निकालना महत्वपूर्ण होगा।

बबुरा में एक वारंटी गिरफ्तार

बड़हरा। भोजपुर। बबुरा थाना क्षेत्र के पचरूखिया कला गांव से पुलिस ने छापेमारी कर वर्षों से फरार चल रहे एक वारंटी व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार वारंटी व्यक्ति पचरूखिया कला गांव निवासी स्व ब्यास राय के पुत्र सुरज कुमार बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक किसी पुराने केस में भोजपुर माननीय न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। जहां पुलिस ने एक वारंटी व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी में थाना प्रभारी संजय कुमार दरोगा परशुराम सिंह सहित अन्य कई पुलिस बल मौके पर मौजूद थे।

कइसे खेलन ज ईबू सावन में कजरिया

प्रात: किरण संवाददाता

पीरो(भोजपुर)। कइसे खेलन ज ईबू सावन में कजरिया, बदरिया घिर आई नन्दी.मिजार्पुर भइले गुलजार हो, कचौडी गली सून कइलअ बलमू........ जैसे मनभावन कजरी व सावन गीतों के साथ लोगों ने यहां आयोजित सावन महोत्सव का भरपूर आनंद उठाया। नगर परिषद पीरो की सभापति किरण उपाध्याय की पहल इस कार्यक्रम विशेष रुप से महिलाओं के लिए किया गया था पर कार्यक्रम में बड़ी तादाद में स्थानीय पुरुष भी गायक कलाकारों की झलक पाने व कजरी गीतों का रसास्वादन के लिए बेताब दिखाई दिए। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कन्हैया कुमार, नगर परिषद की सभापति किरण उपाध्याय, कार्यपालक पदाधिकारी मेघा व समाजसेवी मनोज उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर अपने संबोधन में एसडीएम श्री उपाध्याय ने कहा कि कजरी गायन हमारी लोक परंपरा का हिस्सा है। कजरी गीतों के बोल हृदय की गहराई से निकलते है जो दिल को छू जाते हैं। यह परंपरा पूर्वांचल व बिहार के शाहाबाद प्रक्षेत्र में लंबे समय से प्रचलित है। इस परंपरा को बनाए रखने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन जरुरी है। महोत्सव का शुभारंभ सलोनी चक्रवर्ती एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। इसके बाद अयोध्या से यहां पहुंची लोक गायिका संजोली पांडेय ने कजरी गीतों से ऐसा शमां बांधा कि कार्यक्रम मौजूद लोग उनके सुर में सुर मिलाकर थिरकती गाते नजर आए। इस दौरान सरस्वती संगीत विद्यालय की स्थानीय गायक कलाकारों ने भी अपने गीत-संगीत का जलवा बिखेरा। संजोली पांडेय की प्रस्तुति हरि हरि शंभु चलेले ससुरारी, बदरवा चढी आइल अंगनवा ना ..... पर महिलाएं जमकर झूमी। कार्यक्रम के बीच में नारी शक्ति सम्मान समारोह के तहत विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं गरिमा कुमारी, मेघा, डा. ममता मिश्रा, आदि को आयोजन समिति द्वारा मोमेंटो व शाल देकर सम्मानित किया गया। वहीं स्थानीय पत्रकारों, पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों व कई अन्य बुद्धिजीवियों को भी सम्मानित किया गया।

पितृपक्ष मेला-2026 की तैयारियों को लेकर डीएम ने वैतरणी ब्रह्मसत एवं अक्षयवट वेदी स्थल का किया निरीक्षण

● नगर निगम आयुक्त द्वारा कार्यों किया गया सहराना, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष मेला-2026 की तैयारियों को लेकर जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर ने आज वैतरणी तालाब, ब्रह्मसत वेदी स्थल एवं अक्षयवट वेदी स्थल का निरीक्षण किया है। इस वर्ष पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। वैतरणी तालाबःनिरीक्षण के दौरान पाया गया कि तालाब में पानी काफी गहरा है। जिला पदाधिकारी ने तालाब के चारों ओर लगभग 3 फीट पानी के बाद बैरिकेडिंग कराने तथा बैरिकेडिंग के ऊपर लाल झंडे लगाने का निर्देश दिया, ताकि तीर्थयात्री गहरे पानी में न जा सकें। उन्होंने तालाब की सीढ़ियों पर जमी काई को साफ, पानी की स्वच्छता, घाट पर टूटे टाइल्स की मरम्मत, चेंजिंग रूम एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। खराब लाइटों को ठीक कराने तथा घाट के खाली स्थान पर टेंट-पंडाल लगाने का भी निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को सभी घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर एवं नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। ब्रह्मसत वेदी स्थल: ब्रह्मसत वेदी स्थल के निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने बंद पड़े लाइट एंड साउंड प्रोजेक्ट को शीघ्र फंक्शनल कराने का निर्देश दिया, ताकि पितृपक्ष मेला के दौरान गया की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता, पिंडदान की महत्ता तथा भगवान विष्णु से संबंधित कथाओं का प्रसार किया जा सके। संवास सदन के भवन में पर्याप्त रोशनी, बिजली, पानी, शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। ब्रह्मसत वेदी स्थल सहित अन्य वेदी स्थलों के समीप नालों के टूटे ढक्कनों को दुरुस्त कराने तथा जिन स्थानों पर जलजमाव की समस्या है, वहां आवश्यक कार्रवाई कर रास्तों को सुगम बनाने का निर्देश दिया गया है। अक्षयवट वेदी स्थलः अक्षयवट वेदी स्थल के निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए रास्तों को समतल कराने तथा नालियों के टूटे ढक्कनों की मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया है। वेदी स्थल की रंगाई-पुताई एवं शौचालयों की समुचित साफ-सफाई कराने को कहा गया है। रुक्मिणी तालाब में जमा गाद की सफाई, तालाब के पानी की स्वच्छता एवं बेसिक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वेदी स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेंट-पंडाल लगाने को भी कहा गया है। अक्षयवट वेदी स्थल स्थित संवास सदन में साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति, लाइट एवं पंखे सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि पितृपक्ष मेला के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करें। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, प्रकाश व्यवस्था एवं सुगम आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाएं मेला प्रारंभ होने से पूर्व दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। इस निरीक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदर अनुमंडल पदाधिकारी, नगर निगम पदाधिकारी, पितृपक्ष मेला समिति सदस्य अनंत धीश अमन और पदाधिकारी उपस्थित थे।

तेजस्वी यादव के श्रद्धांजलि बयान पर जीतन राम का पलटवार

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पर्वत पुरुष दशरथ मांझी की श्रद्धांजलि सभा के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को श्रद्धांजलि दिए जाने के बाद बिहार की राजनीति गरमा गई है। तेजस्वी यादव के इस बयान पर गया में जीतन राम मांझी ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि इतना जल्दी हम मरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह अभी जिंदा रहेंगे और बिहार के लिए जनहित के काम करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए उनके बयान को लेकर बेहद तीखी टिप्पणी की। मांझी ने कहा कि तेजस्वी यादव जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, उससे लगता है कि उन्होंने कोई पदार्थ लिया हुआ है। सामान्य व्यक्ति इस तरह की बातें नहीं करता। हालांकि, मांझी की यह टिप्पणी राजनीतिक बयानबाजी के बीच विवाद का नया मुद्दा बन गई है। अभी हमको जिंदा रहना है, जनहित का काम करना है जीतन राम मांझी ने कहा कि उनका अभी बहुत काम बाकी है और वह बिहार के लोगों के लिए लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता के हित में काम करने की वजह से उन्हें लोगों की दुआएं मिल रही हैं और इसी कारण वह आगे बढ़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अगर कोई उनके लिए नकारात्मक सोचता है तो यह उसकी अपनी सोच है। उन्होंने साफ किया कि वह अभी सक्रिय राजनीति में हैं और बिहार के विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करते रहेंगे। विकास कार्यों का हवाला देकर तेजस्वी पर हमला केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बिहार में अपने प्रयासों और केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में दो टेक्नोलॉजी सेंटर की स्वीकृति दिलाई, जिनका उद्घाटन भी हो चुका है। इसके अलावा बोधगया में खादी से जुड़ा एक्सीलरेशन सेंटर भी खुलवाने की बात उन्होंने कही। जीतन राम मांझी मांझी ने कहा कि बिहार में कई क्षेत्रों में काम हो रहा है और आने वाले समय में विकास की तस्वीर और बदलेगी। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में राज्य में विकास की रफ्तार तेज हुई है। तेजस्वी के साथ काम भी किया है और उनका कार्यकाल भी देखा है केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि उन्होंने तेजस्वी यादव के साथ काम किया है और उनके कार्यकाल को भी देखा है। इसी आधार पर उन्होंने दोनों दौर की तुलना करते हुए कहा कि आज बिहार में विकास के काम हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य के विभिन्न प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जा रहे हैं। तेजस्वी यादव के कार्यकाल पर तंज कसते हुए मांझी ने कहा कि उस समय चरवाहा विद्यालय की चर्चा होती थी, जबकि अब उच्च शिक्षा से जुड़े संस्थानों के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। गया में दो बड़े कॉरिडोर का किया जिक्र केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गया में प्रस्तावित दो महत्वपूर्ण कॉरिडोर परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विष्णुपद मंदिर और बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर से जुड़े कॉरिडोर का काम आगे बढ़ने जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

जन वितरण प्रणाली धरना को सफल बनाने के लिए किया गया बैठक

गया जी। बोधगया प्रखंड कार्यालय के सभा भवन में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष डॉ विजय कुमार यादव की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जन वितरण के कहे जाने वाले अंबिका यादव के नेतृत्व में 24 अगस्त 2026 को पटना के गर्दनीबाग में महा धरना का आयोजन किया गया है उसको सफल बनाने के लिए प्रखंड के शत प्रतिशत विक्रेता भाग लेंगे जो सरकार के पास हमारी लंबित मांगों में अनुकंपा की उम्र सीमा की बाध्यता को समाप्त करना 30000 मानदेय 8 माह का लंबित मार्जिन मनी एक मुश्त भुगतान करना आदि प्रमुख मांगों को सरकार से मनवाने के लिए अंबिका बाबू के हाथों को मजबूत करने के लिए संकल्प लिया गया है इस बैठक का संचालन प्रखंड के प्रखंड उपाध्यक्ष गोपाल पासवान ने किया इस बैठक में प्रखंड के कोषाध्यक्ष जयप्रकाश राय, सुदामा यादव, विपिन कुमार, रवि कुमार, देवबली रविदास, विनोद यादव ,रामप्रताप साव बेबी राय, शकील खान, उदय यादव, सुदय यादव ,शंकर मांझी ,देवनंदन यादव ,अजीत कुमार ,रणधीर सुधीर मांझी यादव ,जदुनंदन साव ,लक्ष्मी पासवान, मनोज पासवान, सनोज मांझी, सुरेंद्र पासवान, वैजयंती देवी, मदन रविदास पंकज कुमार यादव अफजल खान गुड्डू खान आदि सैकड़ो विक्रेता उपस्थित थे।

70 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शेरघाटी। शेरघाटी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के चांपि गांव के समीप से 70 लीटर महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से शराब लदी बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समदा गांव निवासी संटू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ निषेधात्मक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए शेरघाटी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति बाइक से महुआ शराब लेकर चांपि गांव की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चांपि गांव के समीप वाहन जांच शुरू की। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बाइक पर लदी हुई शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब की मात्रा करीब 70 लीटर है। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर थाना लाया गया। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रारंभिक छानबीन में बाइक पर महुआ शराब लदे होने की पुष्टि हुई है। मामले में आरोपी के खिलाफ बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई की गई है।

उच्च विद्यालय ओबरा मे हरियाली के बीच मनाई गई सावन महोत्सव

औरंगाबाद। उच्च विद्यालय ओबरा मे लोक परंपरा और उत्साह के साथ सावन महोत्सव कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक बिंदेश्वर कुमार सिंह ने किया। विद्यालय के छात्राओं ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। गीत संगीत मनोरंजन खेल और विभिन्न गति विधियों से सजे समारोह मे छात्राएं ने हरे रंग का वस्त्र पहने विभिन्न प्रकार की कजरी गीत साझा किया। प्रधानाध्यापक बिंदेश्वर कुमार सिंह वरीय शिक्षक मनोज कुमार संचालन कर रहे शिक्षक वीर बहादुर सिंह ने कहा कि छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ खेलो मे उत्साह बढ़ाया। कजरी गीत एवं संगीत से माहौल खुशनुमा हो गया। गीत संगीत कार्यक्रम मे छात्राओं ने सावन के पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया जो काफी सराहनीय रहा।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस युवाओं के लिए साहस, अनुशासन राष्ट्र सेवा के प्रतीक रहें : डॉ मनीष पंकज मिश्रा

गया जी। कालीबाड़ी स्थित किसान मोर्चा कार्यालय में महान स्वतंत्रता सेनानी, आजाद हिन्द फौज के महान राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 81वें पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया है। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नेताजी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और उनके राष्ट्रभक्ति,साहस, त्याग और उनके संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अमर रहें, भारत माता कि जय के खुब नारे लगे। श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेता सह मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि भारतीय युवाओं के लिए साहस , अनुशासन , राष्ट्र सेवा के प्रतीक रहें हैं। नेताजी ने व्यक्तिगत सुख सुविधाओं और प्रतिष्ठित कैरियर को त्याग कर भारतीय स्वतंत्रता को अपना लक्ष्य बनाया। उन्होंने नेताजी के आदर्शों पर चलने, देश के एकता एवं अखंडता को मजबूत करने , राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान उपस्थित लोगों से किया। उन्होंने कहा कि नेताजी के नारे तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा आज भी देशभक्ति और बलिदान की भावना को जगाता है। आजाद हिन्द फौज ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को गति प्रदान किया और अंग्रेज सरकार को नींद उडा दिया है। इस अवसर पर भाजपा नेता सह मानवाधिकार संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष राणा रंजीत सिंह ने कहा कि नेताजी के जीवन हमें यह भी बतलाता है कि प्रस्थिति कितना भी कठिन क्यों न हो यदि संकल्प मजबूत हो तो रास्ते स्वयं बनते हैं। आज नेताजी के विचार और भी महत्वपूर्ण हो जाते है कि राष्ट्र पहले स्वयं बाद में । श्रद्धांजलि सभा में डां मनीष पंकज मिश्रा, राणा रंजीत सिंह,संतोष ठाकुर, सुनील बम्बईया, दिपक पाण्डेय,गोपाल यादव, राजीव सिन्हा,कमल बारिक ,कमल सिन्हा,महेश यादव, बब्लू गुप्ता, मंटू कुमार,सुनील रविदास, राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता आदि श्रद्धांजलि अर्पित किया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण को सराहा, कहा— प्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा

● प्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तक विषय पर टीचर्स ऑफ बिहार का फेसबुक लाइव संवाद आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। प्रकृति संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित पत्रिका प्रकृति प्रहरी के दूसरे संस्करण के अवसर पर विशेष फेसबुक लाइव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का विषय ह्यप्रकृति प्रहरी : विचारों से प्रयासों तकह्न था, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, विद्यालयों की भूमिका और समाज की जिम्मेदारी पर सार्थक चर्चा हुई है। इस अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने ह्यप्रकृति प्रहरीह्न के दूसरे संस्करण के लिए शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित करने का एक सकारात्मक प्रयास है। उन्होंने कहा कि ह्लप्रकृति की रक्षा ही मानवता की सुरक्षा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-जागरूकता को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया है। फेसबुक लाइव कार्यक्रम में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी महताब रहमानी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान), सीतामढ़ी सुजीत कुमार दास ने प्रकृति प्रहरी अभियान के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों पर अपने विचार रखे। महताब रहमानी ने बच्चों और विद्यालय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए छोटे-छोटे व्यवहारिक बदलावों पर जोर दिया है। उन्होंने बिजली बचत, पौधारोपण और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की है। वहीं, सुजीत कुमार दास ने विद्यालयों में पोषण वाटिका के विकास को प्रकृति एवं बच्चों के जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बताया है। उन्होंने डिजिटल उपवास की अवधारणा के माध्यम से कुछ समय प्रकृति के साथ बिताने और प्राकृतिक परिवेश को समझने का संदेश दिया है। इस कार्यक्रम में ह्यप्रकृति प्रहरीह्न के संपादक श्री अभिषेक कुमार ने पत्रिका के उद्देश्य, स्वरूप और भावी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान विचारों को व्यवहार में बदलने और पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत करने का प्रयास है। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कुमार अभिषेक, संपादक अभिषेक कुमार एवं सह-संपादक प्रिया कुमारी द्वारा किया गया है। कार्यक्रम की सफलता में टीचर्स ऑफ बिहार की तकनीकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पत्रिका के डिजाइन एवं प्रकाशन में सह-संपादक श्री सिद्धांत जी एवं उनकी टीम का विशेष योगदान रहा है। वहीं अभियान को दिशा देने में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर श्री केशव कुमार का मार्गदर्शन सराहनीय रहा है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने बताया कि ह्यप्रकृति प्रहरीह्न का उद्देश्य जल संरक्षण, पौधारोपण, स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति समाज में सकारात्मक चेतना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़े बदलाव की नींव रखी जा सकती है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में आयोजित हुआ है। इस कार्यशाला के प्रारंभ में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नजीर अख्तर ने नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रतिनिधि सुश्री सुनीता ज ने संस्था का परिचय देते हुए नशा मुक्ति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा आत्मसंयम, सकारात्मक चिंतन और ध्यान के माध्यम से नशे से मुक्त जीवन जीने का संदेश दिया है। कार्यशाला के दौरान रक्षाबंधन के महत्व पर भी संक्षिप्त चर्चा की गई है। इसके बाद प्रतिभागियों को तीन मिनट का प्लेज कराया गया तथा दो मिनट का मेडिटेशन कराया गया है।इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया है। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमा शंकर सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश राय ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ धनेश्वर राम, डॉ मोहन सिंह, डॉ पूनम गुप्ता,डॉ धनंजय कुमार, डॉ सहदेव कुमार,डॉ रंजना , डॉ सरोज कुमारी,डॉ निधि त्रिपाठी, डॉ मीनाक्षी कुमारी, डॉ विनोद कुमार सिंह, डॉअजय कुमार चौरसिया, डॉ लालदेव यादव, डॉ रीना कुमारी, डॉ मोनिका, डॉ नागेंद्र सिंह, ईशा साईं, सोनाली, इत्यादि उपस्थित रहे हैं।

स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान विभाग मगध विश्वविद्यालय बोधगया में पीएच.डी. कोर्स वर्क इंडक्शन-सह-ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान विभाग में आज दिनांक 19/08/2026 को पीएच.डी. कोर्स वर्क इंडक्शन-सह-ओरिएंटेशन कार्यक्रम (सत्र 2022झ23) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शोधार्थियों को पीएच.डी. कोर्स वर्क, शोध प्रक्रिया, विश्वविद्यालयीय नियमों तथा गुणवत्तापूर्ण शोध की अपेक्षाओं से अवगत कराना था।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी थे। इस अवसर पर प्रो. एस.एन.पी. यादव दीन, संकाय अध्यक्ष, विज्ञान संकाय तथा प्रो. बी. के मंगलम, कुलसचिव, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया डॉ अतुल कुमार श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान विभाग की गरिमामयी उपस्थिति रही है।इस कार्यक्रम के शुरूआत में सभी अतिथियों को अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह दिया गया है ।कुलपति प्रो दिलीप कुमार केशरी को विभागाध्यक्ष डॉ अतुल कुमार श्रीवास्तव ने, प्रो एस एन पी यादव दीन को डॉ सुमित कुमार ने, प्रो बी के मंगलम कुलसचिव को डॉ पार्थ प्रतिम दास ने सम्मानित किया है।अपने संबोधन में कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पीएच.डी. केवल एक शैक्षणिक उपाधि प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान के नए आयामों की खोज और समाज के लिए उपयोगी शोध करने का अवसर है। उन्होंने शोधार्थियों से मौलिक, गुणवत्तापूर्ण एवं समाजोपयोगी शोध पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शोध कार्य में अनुशासन, निरंतर अध्ययन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा शोध नैतिकता का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की अकादमिक परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। संकाय अध्यक्ष, विज्ञान संकाय प्रो. एस.एन.पी. यादव दीन ने अपने संबोधन में कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में शोध निरंतर बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने शोधार्थियों को विषय की गहन समझ विकसित करने, नवीन शोध पद्धतियों को अपनाने तथा गुणवत्तापूर्ण शोध-पत्रों के प्रकाशन पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कोर्स वर्क शोधार्थियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी शोध कार्य के लिए मजबूत आधार प्रदान करता है ।कुलसचिव प्रो. बी. के.मंगलम ने शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं से अवगत कराते हुए कहा कि पीएच.डी. कोर्स वर्क शोध की दिशा और गुणवत्ता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने शोधार्थियों से विश्वविद्यालय के नियमों एवं निर्धारित समय-सारिणी का पालन करते हुए अपने शोध कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को विश्वविद्यालय की गरिमा एवं अकादमिक अनुशासन को सदैव बनाए रखना चाहिए। इस कार्यक्रम में डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान विभाग ने शोधार्थियों को पीएच.डी. कोर्स वर्क की संरचना, शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं शोध कार्य के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण किया है। उन्होंने शोधार्थियों को नियमित अध्ययन, अकादमिक अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शोध के प्रति गंभीर रहने का संदेश दिया है। इस कार्यक्रम के संबंध में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. पार्थ प्रतिम दास ने विस्तार से जानकारी प्रदान दी तथा शोध के विभिन्न आयामों की चर्चा की है। डॉ सुमित कुमार ने विभाग में अक्टूबर माह में होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा शोध के रूप रेखा के बारे में बताया. कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. शिप्रा सोलंकी ने किया तथा विस्तृत रूप से विभाग के बारे में परिचय कराया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुमित कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ के नेतृत्व में रैगिंग एवं तंबाकू विरोधी नुक्कड़ नाटक

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (क्चअउ) के संयुक्त तत्वावधान में सारथी गतिविधि कैलेंडर-2026 के माह अगस्त के अंतर्गत विद्यार्थियों को रैगिंग-विरोधी अभियान एवं तंबाकू के दुरुपयोग जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया है। यह जागरूकता कार्यक्रम 19 अगस्त 2026 को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के मुख्य द्वार के समक्ष आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों को रैगिंग के दुष्परिणामों तथा तंबाकू सेवन से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति जागरूक किया गया है। नुक्कड़ नाटक में सौरभ , अंकुश , सुमित , गोपाल, रिचा, रवि,

अलका, आलोक ,साक्षी आकांक्षा, अमित, आशीष , शिव, राजलक्ष्मी , मनीषा, अभिषेक, ज्योति, गौतम , प्रभातऔर आशीष शंकर ने प्रमुख प्रतिभागियों के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है। प्रतिभागियों ने नारे एवं गीतों के माध्यम से प्रभावशाली प्रस्तुति द्वारा रैगिंग एवं तंबाकू के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया तथा सभी को इन सामाजिक बुराईयों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया है। इस अवसर पर सारथी समन्वयक डॉ. एकता वर्मा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति समन्वयक डॉ. प्रियंका सिंह, सारथी मेंटर्स डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. कविता कुमारी , डॉ. दिव्या मिश्रा,डॉ मीनाक्षी, डॉ शमशाद अंसारी ,डॉ अविनाश कुमार एवं डॉ रति उपस्थित रहीं हैं। इनके अलावा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और जागरूकता अभियान को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया है ।इस अवसर पर बच्चों के द्वारा मानव श्रृंखला ह्यूमन चैन का भी निर्माण किया गया जिसमें छात्रों के साथ शिक्षकों ने भी अपनी उपस्थिति प्रस्तुत की है । इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों एवं स्ववित्तपोषित विभागों के शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से रैगिंग-मुक्त एवं तंबाकू-मुक्त शैक्षणिक परिसर के निर्माण के साथ-साथ विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, अनुशासन एवं सामाजिक संवेदनशीलता की भावना विकसित करने का संदेश दिया गया है।

फरार वारंटी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

शेरघाटी। शेरघाटी थाना क्षेत्र के चिताब गांव में पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के बाद फरार चल रहे आरोपी के घर पर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस की इस कार्रवाई से गांव में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी को जल्द न्यायालय अथवा पुलिस के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी है। जानकारी देते हुए शेरघाटी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि चिताब गांव निवासी सोनू कुमार, पिता सुदामा पासवान के खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी किया गया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा है। पुलिस द्वारा कई बार संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। थानाध्यक्ष ने बताया कि सोनू कुमार के खिलाफ शेरघाटी थाना में कांड संख्या 948/22 दर्ज है। मामले में कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। न्यायालय द्वारा जारी वारंट के बावजूद आरोपी के पुलिस के हाथ नहीं लगने पर नियमानुसार उसके घर पर इश्तेहार चिपकाने की कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि इश्तेहार के माध्यम से आरोपी को निर्धारित प्रक्रिया के तहत न्यायालय या पुलिस के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। इसके बावजूद यदि आरोपी उपस्थित नहीं होता है तो उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि फरार आरोपियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि न्यायालय से जारी वारंट का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस टीम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद गांव में आरोपी के संभावित ठिकानों को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

जीबीएम कॉलेज में एचसीएल टेकबी कंपनी द्वारा जागरूकता एवं पंजीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के प्लेसमेंट सेल द्वारा प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल की पहल पर एवं प्रभारी प्रधानाचार्या डॉ शगुफ्ता अंसारी की अध्यक्षता में एचसीएल टेकबी कंपनी की सहायता से कैंपस हायरिंग रिक्रूटमेंट ड्राइव के तहत जागरूकता एवं पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसके तहत छात्राओं को अर्निंग व्हाइल लर्निंग योजना से जोड़ने के लिए एचसीएल टेकबी से आए प्रभाकर कुमार एवं प्लेसमेंट सेल की प्रभारी एवं अर्थशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विजेता लाल एवं डॉ फातिमा की देखरेख में सावित्री महाजन सभागार में पात्रता परीक्षा का आयोजन हुआ, जिसमें कशिश, कोमल, सोनम, श्रुति, प्रीति, सिफत सहित विभिन्न विभागों से 49 छात्राओं ने भाग लिया है। कॉलेज की पीआरओ डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि एचसीएल टेकबी कंपनी 12वीं कक्षा पास छात्र-छात्राओं को ट्रेनिंग के बाद एचसीएल में आईटी की नौकरी के साथ में उच्च शिक्षा पाने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। उपस्थित छात्राओं ने तन्मयता के साथ जागरूकता कार्यक्रम का लाभ उठाया है।

श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में ग्रीन डे का हुआ आयोजन

गयाजी। नैली रोड, खटकाचक स्थित श्री शिक्षा निकेतन स्कूल में बुधवार को ग्रीन डे समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को हरे रंग के गुब्बारों, पत्तियों एवं आकर्षक सजावटी सामग्रियों से खूबसूरती से सजाया गया। पूरे परिसर में हरियाली और प्रकृति से जुड़ा मनमोहक वातावरण देखने को मिला। विद्यालय की सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं भी हरे रंग के परिधान में विद्यालय आए पहुँचे। ग्रीन डे के माध्यम से बच्चों को हरे रंग के महत्व तथा प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया है। शिक्षकों ने बच्चों को बताया कि हरा रंग प्रकृति, हरियाली, शांति और जीवन का प्रतीक है। हरे-भरे पेड़-पौधे न केवल हमारे पर्यावरण को सुंदर बनाते हैं, बल्कि हमें स्वच्छ वायु भी प्रदान करते हैं। हरे रंग को देखने से मन को शांति और आँखों को सुकून का अनुभव होता है। इस दौरान बच्चों को हरी पत्तेदार सब्जियों एवं हरे फलों के पोषण संबंधी महत्व की भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि पालक, मेथी, सरसों का साग, ब्रोकोली जैसी हरी सब्जियों में विभिन्न आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें विटामिन अ, उ, ङ, फोलेट, आयरन तथा फाइबर जैसे पोषक तत्व शरीर के विकास, रोग-प्रतिरोधक क्षमता, आँखों की सेहत और पाचन तंत्र के लिए उपयोगी होते हैं। बच्चों को प्रतिदिन संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने के लिए प्रेरित किया गया है। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम सिन्हा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रकृति, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बच्चों से अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा अपने आसपास स्वच्छ एवं हरा-भरा वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया है। ग्रीन डे समारोह के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला है। बच्चों ने हरे रंग के परिधान पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया और प्रकृति एवं हरियाली के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया है। पूरा आयोजन प्रधानाचार्या श्रीमती पूनम सिन्हा के दिशा-निर्देश एवं उप-प्राचार्या श्रीमती राखी कुमारी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर संदेश दिया कि हरियाली है तो जीवन है ।

पारा विधिक स्वयंसेवकों के लिए एकदिवसीय जागरूकता एवं प्रेरणात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन

गया। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार मगध प्रमंडल के गया, जहानाबाद, नवादा एवं औरंगाबाद जिलों के पारा विधिक स्वयंसेवकों के लिए एकदिवसीय जागरूकता एवं प्रेरणात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य आयोजन मानविकी भवन, गया कॉलेज में किया गया हू। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के सौजन्य तथा सेंटर डायरेक्ट एवं लॉ फाउंडेशन के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया प्रदीप कुमार मलिक, बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के संयुक्त सचिव अविनाश कुमार, सिटी एसपी तथा डी एल एस ए गया के सचिव अरविंद कुमार दास ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम का वातावरण प्रेरणादायक एवं उत्साहपूर्ण हो उठा है ।उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि पारा विधिक स्वयंसेवक समाज के अंतिम व्यक्ति और विधिक सेवा संस्थाओं के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे जरूरतमंदों तक निःशुल्क विधिक सहायता, न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि विधिक जागरूकता ही सशक्त समाज की नींव है। सिटी एसपी ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक न्याय एवं सहायता पहुँचाने में पारा विधिक स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं विधिक सेवा संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर स्वयंसेवक समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार मलिक ने अपने उद्बोधन में कहा कि पारा विधिक स्वयंसेवक न्याय व्यवस्था को आम लोगों के और अधिक करीब लाने में सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों से ईमानदारी, निष्पक्षता, संवेदनशीलता एवं समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा कहा कि उनका कार्य समाज में न्याय के प्रति विश्वास को और मजबूत करता है। प्रशिक्षण सत्र में सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार ने पारा विधिक स्वयंसेवकों की भूमिका, जिम्मेदारियों तथा विधिक सहायता व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी है। सेंटर डायरेक्ट के जिला समन्वयक दीनानाथ मौर्य ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं सामुदायिक कानूनी जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला है।

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, गुरुवार, 20 अगस्त, 2026

सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए भूमि चिन्हित कर शीघ्र एनओसी दें: अंचलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी पु.च. समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में बुधवार को जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा कार्य विभागों के अभियंताओं के साथ अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने की।बैठक में जिलाधिकारी ने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर देते हुए कहा कि जिन विभागों द्वारा भूमि की मांग की गई है, संबंधित अंचलाधिकारी जमीन चिन्हित कर यथाशीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं।उप विकास

आयुक्त ने बताया कि जिले की 262 पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 132 स्थानों पर भूमि संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होना शेष है। जिलाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारियों को शीघ्र भूमि चिन्हित कर एनओसी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में जिले के 112 हाट-बाजारों में अतिक्रमण की जानकारी भी दी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अंचलाधिकारियों को सूची के आधार पर जांच कर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार अतिक्रमणवाद चलाने का निर्देश दिया।बैठक में मनरेगा योजना के तहत जिले में 105 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण लंबित बताया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों को अंचलाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भूमि चिन्हित कराने एवं एनओसी प्राप्त करने का निर्देश दिया। वहीं, स्कूलों में संचालित 60 आंगनबाड़ी केंद्रों के संबंध में निर्देश दिया गया कि यदि विद्यालय परिसर में पर्याप्त जगह उपलब्ध हो तो वहीं आंगनबाड़ी केंद्र के लिए कमरा निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया जाए।पंचायत सरकार भवन के लिए चिन्हित 14 जमीनों के भूमि विवाद का भी मामला बैठक में सामने आया। जिलाधिकारी ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को विभागीय दिशा-निर्देश के अनुसार विवादों का शीघ्र समाधान निकालने को कहा। उन्होंने कहा कि पंचायत सरकार भवन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और इसके निर्माण में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।सिविल सर्जन ने बताया कि बंजरिया एवं रामगढ़वा अंचल में 15 स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र/उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को स्वयं भूमि चिन्हित कर अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए एनओसी प्राप्त करने का निर्देश दिया।

सीओपीडी कार्यक्रम के सीओपीडी कमेटी के प्रयास से मझौआ और पतिलार पंचायत ने हासिल किया संपूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया।सामुदायिक स्तर पर टीकाकरण को बढ़ावा देने की दिशा में सीओपीडी (कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस फॉर डिमांड) कार्यक्रम के तहत बगहा-1 प्रखंड की मझौआ और पतिलार पंचायतों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। दोनों पंचायतों में सभी पात्र बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित कर उन्हें शत-प्रतिशत टीकाकरण वाली पंचायत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इस उपलब्धि में पंचायत प्रतिनिधियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सीओपीडी टीम के सामूहिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पतिलार पंचायत की मुखिया श्रीमती पायल मिश्रा एवं मझौआ पंचायत के मुखिया श्री रुदल मुशाहत ने सीओपीडी कार्यक्रम के साथ मिलकर अपने-अपने पंचायतों के परिवारों को बच्चों के नियमित एवं समय पर टीकाकरण के लिए प्रेरित किया। जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से पात्र परिवारों तक पहुंच बनाकर बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया गया। आज की तारीख में दोनों पंचायतों के प्रत्येक पात्र लाभार्थी परिवार के बच्चों का टीकाकरण पूरा हो चुका है, जो पंचायत स्तर पर सामुदायिक नेतृत्व और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय का एक प्रेरणादायक उदाहरण है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की सराहना करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बगहावन द्वारा दोनों पंचायतों के मुखिया को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि टीकाकरण केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पंचायत प्रतिनिधियों और पूरे समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बगहा-01 प्रखंड की सभी 24 पंचायतों के मुखिया से अपील की कि वे सीओपीडी कार्यक्रम के साथ मिलकर अपने-अपने पंचायतों में पात्र बच्चों की पहचान, परिवारों की जागरूकता और समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करें, ताकि बगहावन प्रखंड की प्रत्येक पंचायत को शत-प्रतिशत टीकाकरण वाली पंचायत बनाया जा सके। मझौआ और पतिलार पंचायत की यह उपलब्धि अन्य पंचायतों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्ण टीकाकरण के लिए शिक्षक को दिया गया प्रशिक्षण

बेतिया।बैरिया प्रखंड मुख्यालय के बीआरसी भवन में बैरिया प्रखंड क्षेत्र के छः पंचायत के शिक्षकों को बुधवार के दिन शून्य से 2 साल तक के ऐसे बच्चे जो टीकाकरण से वंचित रह गए हैं उन्हें टीकाकरण से जोड़ने का प्रशिक्षण दिया गया है जिसके लिए सीओ पीडी के नेतृत्व में एकदिवसीय प्रशिक्षण देकर टीकाकरण से वंचित बच्चों को पूर्ण टीकाकरण कराने में सहयोग करने का अपील किया गया जिसमें शून्य से 2 साल तक के बच्चों को पोलियो, हेपेटाइटिस बी, काली खांसी, खसरा, रूबेला, टीबी, गलघोंटू रोग, जैसे बारह तरह की गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए जानकारी दिया गया प्रशिक्षण में शिक्षक गण भी अपने पोषक क्षेत्र के शून्य से 2 वर्ष तक टीकाकरण से वंचित बच्चों को टीकाकरण कराने में पूर्ण सहयोग करने की बात कही जिसमें 6 पंचायत के प्रधानाध्यापक एवं नोडल शिक्षक उपस्थित रहे।मौके पर सीओपीडी के प्रोग्राम मैनेजर मनोज कुमार सिंह ,डीसी उमेश तिवारी ,प्रखंड समन्वयक धनंजय तिवारी, एफसी रंजना कुमारी, हरेंद्र कुमार ,आशीष कुमार ,ज्ञान प्रकाश, अनिल कुमार, आदि लोग मौजूद रहे

एसएसबी की त्वरित पहल से गर्भवती महिला को मिली समय पर चिकित्सा सहायता

बगहा।दोन क्षेत्र में आपात स्थिति के दौरान एसएसबी 21वीं वाहिनी ने त्वरित पहल करते हुए गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर सुरक्षित प्रसव कराने में मदद की।खैरानी गांव निवासी गर्भवती महिला चंद्रज्योति कुमारी को प्रसव पीड़ा की सूचना मिलने पर एसएसबी की ओर से विशेष 4/4 एंबुलेंस भेजी गई। सूचना मिलते ही एसएसबी 21वीं वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के निर्देश पर कुमारचिनवा स्थित ई-कंपनी में तैनात विशेष 4/4 एंबुलेंस को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। एसएसबी टीम ने महिला को सुरक्षित तरीके से हरनाटांड़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्रसव कराया और आवश्यक चिकित्सकीय जांच की। एसएसबी की टीम की त्वरित कार्रवाई और समय पर अस्पताल पहुंचाने के कारण महिला का सुरक्षित प्रसव कराया जा सका।प्रसव के बाद मां और नवजात दोनों स्वस्थ बताए गए हैं। एसएसबी की इस पहल से एक बार फिर दोन क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए आपातकालीन परिस्थितियों में मददगार साबित होने की उसकी भूमिका सामने आई है।

पकड़िया महावीरी मेला परिसर से लोडेड पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार

हरसिद्धि । थाना क्षेत्र के हरसिद्धि पकड़िया पकड़िया स्थित महावीरी मेला परिसर में बुधवार को हरसिद्धि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को लोडेड पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही कुछ देर के लिए मेले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।गिरफ्तार युवक की पहचान पकड़िया निवासी विजय प्रसाद केसरी के पुत्र रवि कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिलने पर टीम ने मेले में पहुंचकर रवि को संदिग्ध हालात में पकड़ा और तलाशी लेने पर उसके पास से एक लोडेड पिस्टल बरामद हुई। पुलिस उसे थाने लेकर पूछताछ कर रही है।पूछताछ में पुलिस यह स्पष्ट करने की कोशिश कर रही है कि हथियार रखने का उद्देश्य क्या था, यह हथियार कहाँ से मिला और क्या इसे किसी आपराधिक घटना में इस्तेमाल किया जाना था। साथ ही युवक के आपराधिक पृष्ठभूमि और उसके संपर्कों की भी जांच की जा रही है।थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने पुष्टि की कि गुप्त सूचना के सत्यापन के बाद तत्काल कार्रवाई की गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और जांच में मिलने वाली जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीओपी-डी कार्यक्रम के तहत स्कूल नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। सीओपी-डी (कम्युनिटी ऑफ प्रैक्टिस फॉर डिमांड) कार्यक्रम के तहत विद्यालय स्तर पर टीकाकरण संबंधी जागरूकता एवं मांग को मजबूत करने के उद्देश्य से स्कूल नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में नोडल शिक्षकों को कार्यक्रम के उद्देश्यों, उनकी भूमिका तथा समुदाय के साथ समन्वय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बच्चों के नियमित टीकाकरण के महत्व, टीकाकरण से वंचित एवं आंशिक रूप से टीकाकृत

बच्चों की पहचान, अभिभावकों में जागरूकता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि विद्यालय समुदाय और अभिभावकों तक स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है।ऐसे में स्कूल नोडल शिक्षक सीओपी-डी कार्यक्रम को समुदाय तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के अंत में नोडल शिक्षकों ने बच्चों के नियमित टीकाकरण को बढ़ावा देने तथा टीकाकरण से जुड़े भ्रम एवं झिझक को दूर करने में सक्रिय सहयोग करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यालय स्तर पर स्वास्थ्य एवं शिक्षा के समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। कार्यक्रम में सीओपीडी कार्यक्रम की तरफ से प्रशिक्षक मनोज कुमार सिंह,जिला समन्वयक उमेश तिवारी, प्रखण्ड समन्वयक धनंजय जी एवं अन्य सहयोगी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।।

भेड़िहारी बीट में ग्रामीणों के साथ बैठक, वन्यजीवों से बचाव को लेकर किया जागरूक

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वन प्रमंडल-2 के वाल्मीकिनगर रेंज अंतर्गत भेड़िहारी बीट में वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर वन्यजीवों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों को वन्यजीवों की गतिविधियों के प्रति जागरूक करने के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देना रहा। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही और उससे जुड़ी समस्याओं को वन विभाग के अधिकारियों के समक्ष रखा।वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने तथा जंगल एवं जंगल से सटे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। इस दौरान वन्यजीवों की गतिविधियों की जानकारी तत्काल वन विभाग को देने, अकेले जंगल की ओर नहीं जाने तथा वन क्षेत्र में अनावश्यक प्रवेश से बचने को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण और वन विभाग के बीच बेहतर समन्वय से मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।वन प्रमंडल-2 स्थित वाल्मीकिनगर रेंज के रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि भेड़िहारी बीट में ग्रामीणों के साथ बैठक कर वन्यजीवों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।ग्रामीणों को वन्यजीवों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि अथवा वन्यजीव की मौजूदगी की सूचना तत्काल वन विभाग को देने के लिए कहा गया है।

बाघ के हमले में तीन लोगों की मौत के बाद वन विभाग ने बढ़ाई सतर्कता

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में बाघ की बढ़ती गतिविधियों और लगातार हो रहे हमलों को देखते हुए वन विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। विभाग की टीम लगातार गांव-गांव माइकिंग कर ग्रामीणों को वन्यजीवों से बचाव के लिए जागरूक एवं सतर्क कर रही है। ग्रामीणों से जंगल और उसके आसपास के क्षेत्रों में जाने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। बताया जाता है कि पिछले करीब 20 दिनों के अंदर बाघ के हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है। लगातार हो रही इन घटनाओं से वीटीआर से सटे गांवों के ग्रामीणों में भय का माहौल है। खेतों में काम करने, मवेशियों के लिए चारा काटने और जंगल के आसपास जाने वाले लोगों को विशेष रूप से सावधानी बरतने को कहा जा रहा है।बतादें, 15 अगस्त को भेरियारी क्षेत्र में हुई घटना के बाद वन विभाग ने ग्रामीण इलाकों में जागरूकता अभियान और तेज कर दिया है।जानकारी के अनुसार भेरियारी में खेत में मवेशियों के लिए घास काटने के दौरान बाघ ने विजय हलदर पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे वन कर्मियों के साथ मारपीट भी की थी। वाल्मीकिनगर रेंज के रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि बाघ के हमलों को देखते हुए वीटीआर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार माइकिंग कर लोगों को सतर्क एवं जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को जंगल और उसके आसपास जाने से बचने तथा वन्यजीव की गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को देने के लिए कहा जा रहा है। विभाग की टीम क्षेत्र में निगरानी भी बढ़ा रही है।

गोसाईं कुंड मेले की तैयारी तेज, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा पर जोर

बगहा। नेपाल के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटकीय स्थल गोसाईं कुंड में जनै पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। समुद्र तल से करीब 4,380 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गोसाईं कुंड में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन, स्वास्थ्य सेवा और आपातकालीन व्यवस्था को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा को महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है। काठमांडू से गोसाईं कुंड तक हेलिकॉप्टर के माध्यम से पहुंचने की सुविधा उपलब्ध रहती है। इससे श्रद्धालु कठिन और लंबी पैदल यात्रा से बचते हुए कम समय में गोसाईं कुंड पहुंच सकते हैं। विशेष रूप से बुजुर्ग, बच्चों के साथ यात्रा करने वाले और लंबी पैदल यात्रा में असमर्थ श्रद्धालुओं के लिए यह सेवा उपयोगी मानी जाती है। गोसाईं कुंड धार्मिक आस्था के साथ-साथ नेपाल के प्रमुख पर्यटकीय स्थलों में भी शामिल है। जनै पूर्णिमा के अवसर पर यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु पवित्र कुंड में स्नान कर पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक मान्यता के कारण इस पर्व के दौरान गोसाईं कुंड में विशेष भीड़ रहती है।

बाघ के हमले में किसान की मौत के बाद सड़क जाम, 34 नामजद समेत 350 अज्ञात पर केस

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के भेड़िहारी बंगाली टोला में बाघ के हमले में किसान विजय हालदार की मौत के बाद हुए सड़क जाम और हंगामे के मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। वनपाल आशीष कुमार के आवेदन पर वाल्मीकिनगर थाने में 34 नामजद समेत करीब 350 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने कांड संख्या 125/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 15 अगस्त को विजय हालदार की मौत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को भेड़िहारी हाईस्कूल के सामने मुख्य सड़क पर रखकर वाल्मीकिनगर-मदनपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था। सूचना मिलने पर वनपाल आशीष कुमार वनरक्षी कुंदन कुमार के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इस दौरान भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने वनपाल और वनरक्षी के साथ मारपीट की। वनपाल की वर्दी फाड़ने और जान से मारने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया गया है। आवेदन में बताया गया है कि भीड़ को समझाने और बीच-बचाव करने पहुंचे वाल्मीकिनगर थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार के साथ भी कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया। उग्र भीड़ ने वन विभाग की सरकारी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर सड़क पर पलट दिया और उसमें आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने किसी तरह वनपाल को भीड़ से बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मामले में विधि-विरुद्ध जमावड़ा, सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट, जानलेवा हमला और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसडीपीओ निहार भूषण ने कहा की पुलिस घटना से जुड़े वीडियो फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर आगे की कार्यवाई मे जुटी है।

750 ग्राम गांजा के साथ नेपाल का तस्कर गिरफ्तार

सुगौली। सुखा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुगौली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 750 ग्राम गांजा के साथ एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए कार्रवाई की। इसी दौरान राजन मुखिया, पिता रमाकांत मुखिया, निवासी जीतपुर, जिला बारा, नेपाल को पुलिस ने गांजा के साथ पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 750 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी नेपाल का रहने वाला है और उसके पास से बरामद गांजा को लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया गया था और इसे किसके पास पहुंचाया जाना था। साथ ही नशे के इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे धंधे में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

रामपुरवा महादलित बस्ती में एसपी का जनसंवाद, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के रामपुरवा गांव स्थित महादलित बस्ती में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और पुलिस-जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने पर जोर दिया। जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, शिक्षा और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं। एसपी ने ग्रामीणों से सीधे बातचीत करते हुए गांव में शौचालय, विद्यालय, इंटर कॉलेज, शिक्षकों की उपलब्धता और बच्चों की नियमित पढ़ाई के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्वच्छता और शिक्षा की स्थिति के साथ-साथ सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचने की भी जानकारी ली। ग्रामीणों द्वारा रखी गई शिकायतों पर एसपी ने गंभीरता से चर्चा करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को मामलों का त्वरित और निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर ग्रामीण बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें। एसपी ने ग्रामीणों से पुलिस का सहयोग करने तथा क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया विशुन देव राम, केदार राम, विकास मित्र कृष्ण कबीर, रंजीत कुमार, वार्ड सदस्य नारायण राम, राजेश्वर राम, सुनील कुमार, वार्ड सदस्य टुन्नु उरांव, संदीप कुमार, जयप्रकाश राम।

गन्ने के खेत में मिला चार वर्षीय अज्ञात बच्ची का शव, इलाके में सनसनी

बगहा। बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर गन्ने के खेत से करीब चार वर्षीय अज्ञात बच्ची का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। बच्ची की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव तमकुहवा चौक के समीप बजाज एजेंसी के सामने दक्षिण दिशा में स्थित गन्ने के खेत से बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर करीब 12 बजे कुछ लोगों की नजर गन्ने के खेत में पड़े बच्ची के शव पर पड़ी। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल धनहा थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र को घेरकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार रात करीब 10 बजे एक महिला को बच्ची के साथ बांसी की ओर जाते देखा गया था। लोगों का दावा है कि महिला बच्ची के साथ मारपीट भी कर रही थी। इस जानकारी के बाद पुलिस अब उस महिला की पहचान और उसकी गतिविधियों के संबंध में सुराग जुटा रही है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि शव मिलने वाले स्थल को घेर दिया गया है तथा फॉरेंसिक टीम को सूचना दी गई है। पुलिस आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि मंगलवार रात बच्ची के साथ दिखाई दी महिला के संबंध में कोई सुराग मिल सके। पुलिस बच्ची की पहचान कराने के साथ-साथ उसकी मौत के कारणों और शव खेत तक पहुंचने की परिस्थितियों की जांच कर रही है। पुलिस जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नशामुक्त भारत के संकल्प से गूंजा दीन दयाल हाई स्कूल परिसर

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.च.: प्रखंड के दीन दयाल हाई स्कूल परिसर में बुधवार को नशा मुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 6 से 20 अगस्त 2026 तक चल रहे ह्यनशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियानह्न के तहत आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करते हुए नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प लिया। अभियान का उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना और स्वस्थ, सशक्त तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। देशभर में अभियान के माध्यम से 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञाएं कराने का

लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीके मीना दीदी ने कहा कि नशा सिर्फ व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा और आपसी संबंधों को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल व्यक्तिगत प्रयास तक सीमित रखने के बजाय समाज के प्रत्येक वर्ग को इसके विरुद्ध जागरूक होना होगा। अभियान के दौरान लोगों को नशे से पूरी तरह दूर रहने, परिवार और मित्रों को जागरूक करने तथा स्वस्थ एवं खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान देने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। आयोजकों ने बताया कि नशामुक्त जीवन बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति, सकारात्मक सोच, आर्थिक मजबूती और मजबूत पारिवारिक संबंधों का आधार बन सकता है। लोगों से ऑनलाइन क्यूआर कोड स्कैन कर महज 30 सेकंड में नशामुक्ति की प्रतिज्ञा लेने की अपील भी की गई। कार्यक्रम में वीके करुणा दीदी, वीके श्रामाधार भाई, वीके शुभलाल भाई, वीके वासुदेव भाई, वीके शामसुर भाई, वीके शिवनाथ भाई, वीके राजनंदिनी कुमारी सहित विद्यार्थी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

नेपाल के पहाड़ी इलाकों में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में सर्पदंश की समस्या अब केवल तराई क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के वर्षों में पहाड़ी और पर्वतीय जिलों में भी जहरीले सांपों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते तापमान के कारण सांपों का आवास ऊंचाई वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है, जिससे पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले पहाड़ी इलाकों में भी सर्पदंश का खतरा बढ़ गया है। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार 14 अप्रैल 2026 से जून के अंत तक सर्पदंश से कम से कम 22 लोगों की मौत और 320 लोग घायल हुए थे। स्वास्थ्य केंद्रों के आंकड़े इससे भी अधिक मामले होने का संकेत देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार जहरीले सांपों की मौजूदगी अब नेपाल के पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में भी देखी जा रही है। अप्रैल 2026 की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया था कि बढ़ते तापमान के साथ जहरीले सांप तराई से पहाड़ियों की ओर बढ़ रहे हैं और आने वाले दिनों में सर्पदंश के मामले और बढ़ने की आशंका है। अगस्त की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार 14 मई 2026 से अब तक जहरीले सांपों के काटने से कम से कम 53 लोगों की मौत और 716 लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उपचार केंद्रों के आंकड़े वास्तविक मामलों से कम हो सकते हैं।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार हेतु ई-रिक्शा वाहनों को जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजनों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा ई-रिक्शा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये ई-रिक्शा जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को योजना एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही अतिरिक्त सब्सिडी के संबंध में जागरूक करेंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा पूर्व से दी जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त अब राज्य सरकार द्वारा भी अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है। 1 किलोवाट के सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार की 30,000

की सब्सिडी के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 10,000 की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। इसी प्रकार 2 किलोवाट पर कुल 80,000 तथा 3 किलोवाट पर कुल 98,000 तक की सब्सिडी का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही यह अतिरिक्त सब्सिडी ह्नपहले आओ, पहले पाओह्न के आधार पर उपलब्ध होगी तथा यह लाभ मार्च 2027 तक ही दिया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि इच्छुक उपभोक्ता बिना विलंब के पीएम सूर्य घर योजना के लिए आवेदन करें और योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से आम उपभोक्ताओं को बिजली के बिल में राहत मिलेगी तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, मोतिहारी; कार्यपालक अभियंता, रक्सौल; कार्यपालक अभियंता, चकिया; सहायक विद्युत अभियंता, मोतिहारी शहरी एवं ग्रामीण सहित विद्युत विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा जिले के अधिक से अधिक नागरिकों को योजना से जोड़ने तथा उन्हें उपलब्ध सब्सिडी की जानकारी देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

महिला की हत्या कर गन्ने मे छिपाया

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के गड्डूपुर सरेह इलाके में बुधवार को एक महिला की निर्मम हत्या कर शव गन्ने के खेत में फेंके जाने से हड़कंप मच गया। मुख्य सड़क किनारे लगे गन्ने के खेत में शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने मामले की जानकारी तत्काल हरसिद्धि थाना को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (FSL) की टीम को बुलाया गया, जिसने स्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर फिंगरप्रिंट और अन्य तकनीकी परीक्षणों के लिये अपने सैंपल कब्जे में लिए। प्रारम्भिक पहचान में मृतका पहाड़पुर थाना क्षेत्र के बनकटवा गांव निवासी झमन मियाँ की पत्नी, 50 वर्षीय नगमा खातून बताई जा रही हैं। पुलिस ने मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हरसिद्धि थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हत्या के पीछे घरेलू विवाद या रंजिश की आशंका जताई जा रही है और इस क्रम में मृतका के एक करीबी रिश्तेदार पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि जांच हर पहलू से वैज्ञानिक और तकनीकी तरीके से की जा रही है। जांच टीम लोगों से पूछताछ कर रही है तथा कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर संदिग्ध की भूमिका स्पष्ट होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस संबंध में कोई आवेदन नहीं मिला है; आवेदन प्राप्त होने पर साक्ष्य के आधार पर कार्यवाही की जाएगी।

गंडक नदी का कहर: स्कूल भवन के बाद पैक्स गोदाम पर मंडराया कटाव का खतरा

बगहा। बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड अंतर्गत चिउरही पंचायत में गंडक नदी का कटाव लगातार तेज होता जा रहा है। मंगलवार की रात कटाव की तेज रफ्तार में एक सरकारी स्कूल का पूरा भवन नदी में समा गया। स्कूल भवन के बाद अब नदी की धारा पैक्स गोदाम के समीप पहुंच गई है। लगातार बढ़ते कटाव को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि नदी का कटाव इसी रफ्तार से जारी रहा तो आने वाले दिनों में धनहा-रतवल मुख्य मार्ग भी इसकी चपेट में आ सकता है। कटाव रोकने के लिए लगाए गए जिओ बैग भी नदी की तेज धारा के सामने टिक नहीं पा रहे हैं और बह जा रहे हैं। एसडीएम ने लिया कटाव स्थल का जायजा बताया गया कि मंगलवार को बगहा एसडीएम चांदनी कुमारी भी कटाव स्थल पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से जानकारी लेने के साथ आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। हालांकि, उनके लौटने के बाद भी नदी का कटाव जारी रहा। इससे ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है। 109 घर और स्कूल नदी में विलीन मधुबनी के सीओ नंदलाल राम ने बताया कि चिउरही पंचायत में अब तक 109 घर और एक सरकारी स्कूल नदी में विलीन हो चुके हैं। कटाव से प्रभावित परिवारों के लिए राशन की व्यवस्था की गई है। वहीं, विस्थापित होने वाले परिवारों के पुनर्वास के लिए भूमि चिन्हित करने की प्रक्रिया चल रही है।2022-23 में भी 300 घर हुए थे विस्थापित ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2022-23 में मधुबनी प्रखंड की सिसई पंचायत के वीरता गांव में भी गंडक नदी के कटाव से करीब 300 घर नदी में विलीन हो गए थे।

संक्षिप्त खबरें

सोखता निर्माण खोदा गया गड्ढा 10 दिनों से ऐसे ही पड़ा, ग्रामीणों में आक्रोश

मुंगेर। सदर प्रखंड अंतर्गत नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत में पंचायत सरकार भवन का निर्माण कर रहे संवेदक की लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश है। आरोप है कि रोड किनारे सोखता निर्माण के लिए खोदा गया गड्ढा पिछले 10 दिनों से ऐसे ही छोड़ दिया गया है ।स्थानीय ग्रामीण राम उदय कुमार, आमिर कुमार, राम जी मंडल सहित अन्य लोगों ने बताया कि गड्ढे के कारण आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बरसात में गड्ढे में पानी जमा हो जाने से बीमारी फैलने का डर भी बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में संवेदक को कई बार सूचना दी गई, लेकिन उसकी ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द गड्ढे को भरकर कार्य पूर्ण कराया जाए, ताकि आवागमन सुचारू हो सके और किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

बीएफसीआरआई मुंगेर में पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह हुआ शुरू

मुंगेर। बिहार फॉरेस्ट कॉलेज एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट मुंगेर में 16 से 22 अगस्त तक पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। कांग्रेस घास या गाजर घास के नाम से जाने जाने वाले इस आक्रामक खरपतवार के दुष्प्रभावों और नियंत्रण के उपायों को लेकर विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आमजन में जागरूकता फैलाना इस अभियान का उद्देश्य है। विशेषज्ञों ने बताया कि पार्थेनियम फसलों, जैव विविधता को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ त्वचा एलर्जी, खुजली और श्वसन संबंधी समस्याएं भी पैदा कर सकता है। इसके नियंत्रण के लिए नियमित निगरानी, फूल-बीज बनने से पहले उन्मूलन और समेकित खरपतवार प्रबंधन जरूरी है। सप्ताह के दौरान जागरूकता व्याख्यान, पोस्टर-स्लोगन प्रतियोगिता, क्षेत्रीय प्रदर्शन और उन्मूलन अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अनिल पासवान, अधिष्ठाता डॉ. उमा कांत सिंह, नोडल अधिकारी डॉ. कलमेश मंगनवी शिक्षक और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सभी ने पार्थेनियम हटाकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया।

जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी, लोगों को किया जागरूक

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मुंगेर के निर्देश पर अनुमंडलीय विधिक सहायता केंद्र, हवेली खड़गपुर में बुधवार को पीएलवी हिमांशु कुमार सिंह एवं पिंकी कुमारी ने लोगों को केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

इस दौरान लोगों को आगामी सितंबर 2026 में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में भी जागरूक किया गया। पीएलवी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित निष्पादन कराया जा सकता है। लोगों को लोक अदालत में अपने मामलों के निपटारे के लिए आगे आने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं तथा विधिक सहायता के संबंध में भी जानकारी दी गई। पीएलवी हिमांशु कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की ओर से जरूरतमंद लोगों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में पात्र लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पाता है। उन्होंने लोगों से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार लाभ उठाने की अपील की। मौके पर केंद्र पर पहुंचे लोगों को सरकारी योजनाओं और निःशुल्क कानूनी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई।

जन सुराज जिलाध्यक्ष का तेजस्वी पर हमला

मुंगेर। जन सुराज पार्टी के मुंगेर जिलाध्यक्ष मो. शहाब मलिक ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब बिहार में अन्याय की घटनाएं हो रही थीं और नेता प्रतिपक्ष को धरातल पर उतरने की जरूरत थी, तब वह विदेशों में मौज कर रहे थे।

आज जब राजनीतिक जमीन खिसक रही है तो सड़क पर उतरकर घड़ियाली आंसू बहाए जा रहे हैं, जो सिर्फ दिखावा है। मलिक ने आरोप लगाया कि पिछले दिनों भरत तिवारी के परिवार को सांत्वना देने तक नहीं गए, बंटी यादव और सनोज यादव के परिवारों से दूरी बनाई। लखीसराय की घटना पर मौन रहे। जब छात्र दिल्ली के जंतर-मंतर पर और पटना में पीटे जा रहे थे तब भी नेता प्रतिपक्ष विदेश में थे। उन्होंने कहा कि अब लोकभवन का घेराव कर रहे हैं जो पूरी तरह नौटंकी है। नेता प्रतिपक्ष को पहले बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने दाखिल किया अपना नामांकन

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा प्रखंड क्षेत्र में करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। बुधवार को नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के लिए राजीव रंजन सिंह उर्फ बबलेश सिंह ने निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ शिम्पी कुमारी के समक्ष नामांकन दाखिल किया। वहीं, अल्का देवी, पति रमेश कुमार सिंह उर्फ नीलू सिंह ने भी नामांकन पत्र दाखिल कर चुनावी मैदान में अपनी दावेदारी पेश की। दोनों प्रत्याशियों के नामांकन के बाद क्षेत्र में चुनाव को लेकर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। नामांकन के दौरान समर्थकों में भी उत्साह देखने को मिला।

संभावित प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क साधकर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने में लगे हैं। वहीं, अन्य प्रत्याशियों के चुनावी मैदान में उतरने को लेकर भी कयास लगाए जा रहे हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 19 एवं 20 अगस्त को नामांकन होगा। 21 एवं 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की संवीक्षा, जबकि 25 अगस्त को अभ्यर्थिता वापसी एवं प्रतीक आवंटन किया जाएगा। एक सितंबर को सुबह सात बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के बाद उसी दिन मतगणना की जाएगी। तीन सितंबर को चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी। दो प्रत्याशियों के नामांकन के साथ करसौत पैक्स अध्यक्ष पद का चुनाव अब दिलचस्प हो गया है।

विद्यालयों में 450 से अधिक बच्चों की स्वास्थ्य की हुई जांच

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वास्थ्य टीम ने 450 से अधिक बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें स्वस्थ रहने के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी दी। डॉ. पंकज कुमार शर्मा, एएनएम जुली कुमारी व नीतू कुमारी के नेतृत्व में टीम ने नया प्राथमिक विद्यालय बसवरिया टोला, प्राथमिक विद्यालय अभुई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कन्या अभुई, उत्क्रमित मध्य विद्यालय फतेहपुर समेत अन्य विद्यालयों का दौरा किया।

जांच के दौरान बच्चों में वायरल बुखार, खांसी, आंख, कान, पेट सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच की गई। चिकित्सक ने बच्चों को कुरकुरे, बिस्कुट, पिज्जा, चाउमिन समेत अन्य फास्ट फूड से दूरी बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अत्यधिक फास्ट फूड का सेवन दांत व पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकता है। बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित भोजन लेने तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी गई।

स्वास्थ्य टीम ने बच्चों को दिन में दो बार ब्रश करने, भोजन से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। चिकित्सकों ने कहा कि बचपन में अपनाई गई अच्छी स्वास्थ्य आदतें जीवनभर बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं।

मौके पर प्रधानाध्यापक रविंद्र कुमार, भागमुनी कुमारी, अजय भारती, डेजी कुमारी, आशुतोष सिंह, भागवत महतो समेत विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित थे।

संत रविदास जयंती पर निकली भव्य कलश यात्रा

सीवान/दरौंदा संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को दरौंदा प्रखंड क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कोडारी कला पंचायत के डुमरी गांव स्थित महादलित बस्ती से श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हुई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।कलश यात्रा डुमरी गांव से निकलकर आसपास के विभिन्न गांवों और बस्तियों से होकर गुजरी। इस दौरान श्रद्धालु संत रविदास के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। यात्रा के विभिन्न गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कलश यात्रा का अभिनंदन किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा ।आयोजकों ने कहा कि संत रविदास ने समाज में समानता, भाईचारा, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। कलश यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव को मजबूत करना है ।श्रद्धालुओं ने संत रविदास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

कांवरिया मुख्य मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है बिरनोधानाथ महादेव माधोडीह

- सावन में बाबा धाम जाने वाले कांवरिया भी रुककर करते हैं पूजा अर्चना
- रात्रि में अपनी थकान मिटाने के लिए रुककर कांवरिया करते हैं विश्राम

प्रातः किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के मौके पर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है विणोर्धानाथ महादेव धाम माधोडीह । गौरतलब है कि खासकर सावन महीने में बैद्यनाथ धाम देवघर जलाभिषेक करने को लेकर जाने वाले कांवरिया यहां रुककर महादेव का पूजा अर्चना कर अपने को अति प्रसन्न महसूस करते हैं । इतना ही नहीं आस पड़ोस गांव के श्रद्धालुओं द्वारा भी सावन के हर दिन भोलेनाथ के ऊपर जलाभिषेक के साथ पूजा अर्चना कर अपने आप में बेहतर सुकून महसूस करते हैं ।तारापुर संग्रामपुर देवघर मुख्य सड़क पर स्थित विणोर्धानाथ महादेव के प्रांगण में दिन हो या फिर रात श्रद्धालु कांवरिया अपनी थकान मिटाने के लिए रुककर यहां बनाए गए धर्मशाला में विश्राम करते हैं ।

सुरक्षा की दृष्टिकोण से जिला प्रशासन द्वारा यहां मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल भी तैनात रहते हैं ।इस मंदिर के मुख्य पुजारी सनोज मित्र पंडा हैं। विणोर्धानाथ महादेव के भक्तों में निरंजन ठाकुर पूर्व मुखिया विजय यादव ने बताया कि वर्ष 1910 के आस पास गांव के ही बिरनोधानाथ नामक किसान के द्वारा हल जोतने के क्रम में शिवलिंग मिला था ।उसी समय से यहां भोलेनाथ की पूजा अर्चना ग्रामीणों के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोगों ने शुरू कर दिया।

प्रखंड स्तरीय राहत अनुश्रवण-सह-निगरानी समिति की बैठक में राहत व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)।प्रखंड अंतर्गत ट्राइसेम भवन में बुधवार को प्रखंड स्तरीय राहत अनुश्रवण-सह-निगरानी समिति की बैठक अंचल अधिकारी जयप्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य, प्रभावित परिवारों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने, राहत सामग्री के वितरण तथा राहत कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आपदा के समय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जरूरतमंद परिवारों तक समय पर सहायता पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। संभावित आपदा को देखते हुए प्रशासनिक तैयारियों, प्रभावित क्षेत्रों के आकलन तथा राहत सामग्री के वितरण की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

अंचल अधिकारी जयप्रकाश ने कहा कि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को त्वरित एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। राहत सामग्री और सरकारी सहायता का लाभ वास्तविक प्रभावित परिवारों तक पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से पहुंचे, इसके लिए समिति की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आपदा की सूचना मिलते ही तत्परता से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने और आवश्यक राहत कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रहे। प्रशासन, जनप्रतिनिधि और समिति के सदस्य आपसी समन्वय से कार्य करेंगे तो आपदा प्रभावित लोगों तक समय पर राहत पहुंचाने में अधिक सहूलियत होगी।

बैठक में समिति के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों से आपदा प्रबंधन और राहत व्यवस्था को बेहतर बनाने के संबंध में सुझाव भी लिए गए। राहत सामग्री के वितरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। मौके पर प्रखंड प्रमुख सीमा देवी, विपिन खिरहरी सहित समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

पाच नामजद अभियुक्त गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में भेजे गए

सीवान/दारौंदा थाना पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अलग-अलग मामलों में नामजद पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप है ।पुलिस के अनुसार, दारौंदा थाना कांड संख्या 274/26 में त्वरित कार्रवाई करते हुए बेलदारी टोला निवासी मंजेश चौहान व मनीष चौहान, जीरादेई थाना क्षेत्र के चंदपाली निवासी शंभूनाथ चौहान के पुत्र अभिषेक चौहान तथा सेकंड बाल बंगरा निवासी स्व. सैयद हुसैन के पुत्र शहनाज अंसारी को गिरफ्तार किया गया ।वहीं, दारौंदा कांड संख्या 343/26 के तहत मारपीट के पुराने मामले में रुकुंदीपुर निवासी स्व. लालू महतो के पुत्र सुरेश महतो को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों की कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया ।दारौंदा थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

कचरा उठाव व यूजर चार्ज को लेकर बीडीओ ने की बैठक

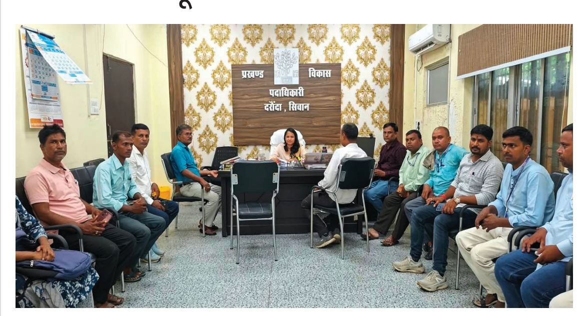

सीवान/दारौंदा प्रखंड विकास पदाधिकारी शिम्पी कुमारी ने लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के कर्मियों के साथ बैठक कर पंचायतों में कचरा उठाव एवं यूजर चार्ज वसूली को लेकर चर्चा की। बैठक में पंचायत स्तर पर नियमित रूप से कचरा उठाव सुनिश्चित करने तथा ग्रामीणों से निर्धारित यूजर चार्ज की वसूली को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। बीडीओ ने स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ।बैठक में नाजिर बिस्मिल्लाह अंसारी, प्रखंड समन्वयक राकेश राम सहित स्वच्छता पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

सीवान में शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

सीवान रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान की टीम ने बुधवार को सीवान रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर कार्रवाई करते हुए शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों के पास से 25.920 लीटर शराब बरामद की गई, जिसकी कुल कीमत 18,720 रुपये बताई गई है।

आरपीएफ के अनुसार, गाड़ी संख्या 15028 मौर्या एक्सप्रेस के सीवान पहुंचने पर अपराध नियंत्रण एवं निगरानी के दौरान बी-1 कोच की जांच की गई। इस दौरान दो युवकों को अपने-अपने झोले में शराब ले जाते पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सारण जिले के अवतार नगर थाना क्षेत्र के पकवालिया वार्ड नंबर तीन निवासी राहुल कुमार राय (30) और अनीश कुमार (27) के रूप में हुई है ।तलाशी के दौरान 132 बोतल ऑफिसर्स च्वाइस ओरिजिनल व्हिस्की, प्रत्येक 180 एमएल तथा 12 बोतल आफ्टर डार्क ब्लू व्हिस्की, प्रत्येक 180 एमएल बरामद की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा 25.920 लीटर है।

आरपीएफ ने जब्त शराब और दोनों आरोपितों को अग्रिम कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग, सीवान को सौंप दिया। मामले में उत्पाद विभाग ने अपराध संख्या 673/26 के तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है ।कार्रवाई में आरपीएफ के उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, कांस्टेबल नीरज कुमार पांडेय तथा हेड कांस्टेबल रामजीत यादव और परमेन्दर राय शामिल रहे।

महिंद्रा ने लांच किया ब्लेजो आई-टीआरके

- अधिक लाभ और इंटेलिजेंट ट्रकिंग के नए मानक करेगा स्थापित

प्रातः किरण संवाददाता

खड़गपुर। महिंद्रा ट्रक एंड बस ने ऑल-न्यू ब्लेजो आई-टीआरके को लांच करने की घोषणा की। यह नए दौर का हैवी कमर्शियल ट्रक ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट मालिकों से एक ही मुख्य वादा करता है प्रॉफिट का रॉकेट। महज एक ट्रक से बढ़कर ब्लेजो आई-टीआरके को पूरे बिजनेस के समाधान के रूप में तैयार किया गया है। यह बेहतरीन माइलेज, पावरफुल इंजन, स्मार्ट कनेक्टेड तकनीक और उद्योग में सबसे बेहतरीन अपटाइम गारंटी का शानदार मेल है। यह ग्राहकों को कमाई बढ़ाने, काम की रफ्तार सुधारने, चलाने का खर्च घटाने और अपनी गाड़ियों पर बेहतर कंट्रोल रखने में मदद करता है। 10% तक बेहतर माइलेज देने वाला ब्लेजो आई-टीआरके ईंधन की हर बूंद से अधिकतम लाभ निकालने के लिए कई एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल करता है। इनमें एआई-संचालित आईफ्यूलस्मार्ट ऑटो ड्राइव मोड, टबोमैक्स टबोर्चार्जर, ऑप्टिफ्यूल एयर कंप्रेसर और कई अन्य हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर समाधान शामिल हैं। यह बचत 5 सालों में प्रति ट्रक 15 लाख रुपये तक के अतिरिक्त मुनाफे में बदल सकती है, जिससे ग्राहकों को अपना व्यवसाय तेजी से बढ़ाने में मदद मिलती है ।ब्लेजो आई-टीआरके रेंज में महिंद्रा का भरोसेमंद और बेहतरीन 320 एचपी एमपावर इंजन दिया गया है। ड्राइवर के आराम को बढ़ाने के लिए इसमें कॉम्फीमैक्स सस्पेंडेड सीट, ईजीक्रूज क्रूज कंट्रोल, हैंड्स-फ्री और सुरक्षित बातचीत के लिए माइक के साथ ब्लूटूथ-सक्षम म्यूज़िक सिस्टम, और एक विशाल, प्रीमियम व एर्गोनॉमिक एसी केबिन दिया गया है।

सावन महीने में हर दिन प्राकृतिक नजारों के बीच देवाधिदेव महादेव देवघरा में पूजा अर्चना के लिए दूर-दूर से अपने परिवार के साथ आते हैं श्रद्धालु

- ऊंचेशवर नाथ महादेव देवघरा की खूबसूरत फिजां
- ऐतिहासिक एवं गुफानुमा सुरम्य वादियों से आच्छादित हैं देवघरा
- सावन में दक्षिण बिहार की ओर से आने वाले श्रद्धालु यहां रुककर देवाधिदेव महादेव का करते हैं पूजा अर्चना

प्रातः किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर) । प्राकृतिक संसाधनों से हरा भरा और अतीत की यादों को अपने सीने में समेटे देवाधिदेव महादेव देवघरा की धरा का अपना ऐतिहासिक वजूद रहा है। गौरतलब है कि सावन महीने में हर रोज दूर-दूर से भारी संख्या में श्रद्धालुओं के अलावे विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला के मौके पर दक्षिण बिहार की ओर से आने वाले बोलबंम कांवरियों का यहां पहुंचकर पूरे भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना होता है । ऐसे प्रसिद्ध देवाधिदेव महादेव के ऊपर जलाभिषेक करने के लिए हर रोज सैकड़ों छोटी बड़ी वाहनों से अपने पूरे परिवार के साथ पूजा करने से लेकर अपनी मन्नतें पूरी होने पर श्रद्धालु विशेष पूजा करने को लेकर पहुंचते हैं।

ऊंचेस्वर नाथ महादेव के बारे में महाभारत एवं श्रीमद् भागवत गीता में चर्चा है कि इसी सिद्ध पीठ पर अर्जुन ने तपस्या कर देवाधिदेव महादेव को प्रसन्न कर उनसे गांडीव प्राप्त किया था। महादेव ने उन्हें उच्च श्रेणी का गांडीव दिया उसी दिन से इस महादेव का नाम ऊंचेस्वर नाथ महादेव एवं देवनगर का नाम देवघरा पड़ा । कालांतर में लोगों ने इसे ऊंचेस्वर नाथ महादेव के नाम से पुकारना प्रारंभ कर दिया ।

पहाड़ के नीचे शिवगंगा है । आज भी राज्य के कोने कोने से सालों भर लोगों का यहां पहुंच कर शिवगंगा में स्नान कर एवं उसकी मिट्टी अपने ललाट पर लगा कर पूजा अर्चना कर धन्य होते है। पंचायत के मुखिया सुरेश यादव ने बताया कि यहां गौतम, कणाद, बहुलाश्र, अयामी, एवं विदेहराज जनक, के साथ ही कई महापुरुषों ने भी तपस्या कर देवाधिदेव महादेव ऊंचेस्वरनाथ से वरदान प्राप्त किया था।

इस पौराणिक ऐतिहासिक स्थलों के उपेक्षित रहने से इसका समुचित विकास आज तक नहीं हो पाया है। मंदिर के मुख्य पुजारी सुधीर दास ने बताया कि सावन महीने में हर रोज जलाभिषेक करने से लेकर शाम ढलने के बाद महाआरती के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुकती है जहां उनकी मन्नतें भी पूरी होती है। क्षेत्र ही नहीं श्रद्धालुओं के लिए कालांतर से ही पूर्वांचल का सबसे बड़ा आस्था का केंद्र देवाधिदेव महादेव देवघड़ा माना जाता रहा है।

बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन, गया द्वारा विश्व फोटोग्राफी दिवस धूमधाम से मनाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया। बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन, गया की ओर से आज विश्व फोटोग्राफी दिवस का आयोजन बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ राजमहल रिजॉर्ट, शिखर मोड़, मानपुर, गया में किया गया। कार्यक्रम में गया जिले के लगभग 100 फोटोग्राफर्स एवं वीडियोग्राफर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है।

इस कार्यक्रम के दौरान निकोन कंपनी के वर्कशॉप टेक्नीशियन श्री मयूरेश जी ने कैमरा एवं नई तकनीक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी है। वहीं अमित सर जी ने सिनेमैटिक वीडियो एवं सिनेमैटिक शूटिंग की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उपस्थित फोटोग्राफर्स को प्रशिक्षित किया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष बैजू शर्मा ने कहा कि बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा प्रत्येक वर्ष विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष कार्यक्रम को कुछ अलग और ज्ञानवर्धक तरीके से आयोजित करने का उद्देश्य था, ताकि फोटोग्राफर्स को नई तकनीकों की जानकारी मिले और वे अपने व्यवसाय को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), नई कैमरा तकनीक, सिनेमैटिक शूटिंग एवं आधुनिक एडिटिंग की

जानकारी फोटोग्राफर्स के लिए बेहद जरूरी हो गई है ।उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वर्कशॉप से फोटोग्राफर्स को नई तकनीक सीखने के साथ-साथ अपने काम की गुणवत्ता बढ़ाने और व्यवसाय में नए अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी ।इस कार्यक्रम के संयोजक विजय कुमार एवं जोनल पदाधिकारी श्री अमित कुमार उर्फ मुन्ना जी ने सभी फोटोग्राफर्स को प्रोत्साहित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके द्वारा केक काटकर वर्ल्ड फोटोग्राफी दिवस को सफल बनाया गया है।

इस अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष गौतम कुमार, सचिव अवनीत कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष रौबिन कुमार, सह-सचिव सुमित कुमार उर्फ गुड्डू, मीडिया प्रभारी मनीष सहित कोर कमिटी के सदस्य राजू, बादल, पवन जी, राकेश, सुरेश, विशाल, रवि रंजन, विकास, अखिलेश एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे हैं।

सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं फोटोग्राफर्स के सामूहिक सहयोग से विश्व फोटोग्राफी दिवस का यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। इस कार्यक्रम में उपस्थित फोटोग्राफर्स ने नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की और भविष्य में भी इस तरह के प्रशिक्षण एवं वर्कशॉप आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन, गया की ओर से सभी फोटोग्राफर्स को विश्व फोटोग्राफी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने पेश की नई स्लाविया, सुपर्ब और ऑक्टेविया आरएस की घोषणा

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लाविया का अनावरण कर भारत में अपनी सेडान विरासत का नया अध्याय शुरू किया है। इसके साथ ही ब्रांड ने ऑल-न्यू सुपर्ब और प्रतिष्ठित ऑक्टेविया फ्र की भारत में वापसी की घोषणा की है। नई स्लाविया और ऑक्टेविया फ्र की प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है।

प्रमुख विशेषताएं :

डिजाइन व सुविधाः नए छएऊ

हेडलैम्प्स, सीक्वेंशियल इंडिकेटर्स, 360-डिग्री कैमरा और रियर-सीट मसाज फंक्शन (सेगमेंट-फर्स्ट)।

परफॉर्मेंसः 1.0 ळरक इंजन के साथ नया 8-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स। साथ ही 1.5 ळरकका विकल्प भी उपलब्ध।

तकनीक व सुरक्षाः गूगल क्लाउड-संचालित अककम्पेनियन, वायरलेस कनेक्टिविटी, 6 एयरबैग्स और 5-स्टार ग्लोबल ठउअढ सुरक्षा रेटिंग।

आसान स्वामित्वः 4-वर्षीय वारंटी और 4 लेबर-फ्री सर्विस वाला ह्यस्कोडा सुपर केयर पैकेज। यह स्पोर्टी मोंटे कार्लो ट्रिम में भी उपलब्ध होगी ।स्कोडा ऑटो के सीईओ क्लॉस जेलमर के अनुसार, भारत उनके सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक विकास बाजारों में से एक है और नई स्लाविया इस सफलता को आगे बढ़ाएगी।

मिजार्पुरः द मूवी के लिए कालीन भैया उर्फ पंकज त्रिपाठी की शहर में वापसी, फिल्म के प्रमोशन में आएंगे नजर

प्रातः किरण संवाददाता

मिजार्पुरः द मूवी को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। 11 अगस्त को रिलीज हुए फिल्म के मच अवेटेड ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। ट्रेलर में बड़े भौकाल, गद्दी की जंग और मिजार्पुर की दमदार दुनिया की झलक देखने के बाद अब फिल्म को लेकर बज और भी बढ़ गया है।

ट्रेलर को मिले इस शानदार रिस्पॉन्स के बीच फिल्म की स्टारकास्ट 22 अगस्त को लखनऊ पहुंची। अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार ने शहर में फिल्म का प्रमोशन किया और मीडिया से बातचीत की। मिजार्पुर की कहानी और इसकी दुनिया का उत्तर प्रदेश से खास कनेक्शन रहा है। ऐसे में लखनऊ में फिल्म का प्रमोशन करना टीम के लिए भी खास रहा।

जिसके बाद अब मिजार्पुरः द मूवी के स्टार्स पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और जितेंद्र कुमार 22 अगस्त 2026 को पटना का दौरा करेंगे।

ट्रेलर और पहले गाने दो नंबरी को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद अब फिल्म की रिलीज को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट अपने चरम पर है ।फिल्म की स्टारकास्ट में अली फजल, पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु शर्मा, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गौर, श्वेता त्रिपाठी और सोनल एस. चौहान भी शामिल हैं ।मिजार्पुरः द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है।

फिल्म को अमेजन टऌ स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रस्तुत कर रहे हैं। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

नीम के पेड़ के नीचे गूंजे सावन के गीत, भक्ति में झूमीं महिलाएं

मानपुर : शहरी क्षेत्र के वार्ड संख्या 50 स्थित मल्लाह टोली मोहल्ले में सावन के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से सावन गीतों का आयोजन किया है। नीम के पेड़ के नीचे मोहल्ले की दर्जनों महिलाएं एकत्रित हुई हैं। ढोल की थाप के बीच महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीत गाए और भक्ति में झूमती नजर आईं हैं। गीत-संगीत के साथ भगवान शिव के जयकारे भी लगाए गए। इससे पूरे मोहल्ले का वातावरण भक्तिमय हो गया है।

सावन गीतों की मधुर धुन और महिलाओं के सामूहिक गायन से आसपास का माहौल श्रद्धा और उल्लास से भर उठा है।

संक्षिप्त समाचार

आस्था और जुगाड़ का मिलनः आखिर एम-सील बना कांवड़ यात्रा 2026 का एक गुमनाम हीरो?

मुंबई, एजेंसी। जैसे ही ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा 2026 रिकॉर्ड तोड़ 4.8 करोड़ कांवड़ियों द्वारा

अपनी पवित्र तीर्थयात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ संपन्न हुई, एक अप्रत्याशित घरेलू चीज़ इस सीज़न के गुमनाम हीरो के रूप में उभरी है- एम-सील। हालांकि यह वार्षिक यात्रा मुख्य रूप से अटूट आध्यात्मिक भक्ति द्वारा संचालित होती है, लेकिन ज़मीन पर इसकी लॉजिस्टिक (प्रबंधन) सफलता पारंपरिक भारतीय जुगाड़ को एक बहुत बड़ा श्रेय देती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िये, गंगा नदी (आमतौर पर हरिद्वार, गौमुख या सुल्तानगंज में) से पवित्र जल एकत्र करते हैं और इसे अपने स्थानीय मंदिरों में भगवान शिव को अर्पित करते हैं। इस तीर्थयात्रा के नियम बहुत सख्त हैं—पवित्र जल के पात्र (बर्तन) को कभी भी ज़मीन को नहीं छूना चाहिए, और एक बूंद भी पानी नहीं छलकना चाहिए। कांवड़िये अपने दोस्तों के साथ भगवान में अपनी अटूट आस्था के साथ-साथ उबड़-खाबड़ रास्तों और मानसून के कठिन मौसम में रिसाव-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के लिए एम-सील की सीलिंग शक्ति पर अपना अपार भरोसा जताया है।

हैदराबाद में 36 टन मिलावटी घी जब्त, खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया विशेष अभियान

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में 36 टन मिलावटी घी जब्त किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, हैदराबाद खाद्य मिलावट निगरानी टीम ने खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि टीमों ने निरीक्षण के दौरान पता लगाया कि नकली, निम्न गुणवत्ता की सामग्री और खतरनाक, अवैध रासायनिक पदार्थों से सिंथेटिक घी बनाया जा रहा था। इस दौरान टीम ने 36 टन मिलावटी घी, क्रीम (कच्चा माल), पाम आयल, वनस्पति, नकली घी के फ्लेवर, स्टार्च, केमिकल जब्त किए। विस्तृत प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए मौके पर ही नमूने एकत्र किए। मिलावटी घी शुद्ध देसी घी के नाम पर उपभोक्ताओं को बेचा जा रहा था।

ग्रेटर नोएडा में 12 करोड़ से बढ़ेगी हरियाली, पार्कों और ग्रीन बेल्ट के रखरखाव पर फोकस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शहर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए बड़ा अभियान चलाने जा रहा है। इस पर करीब 12 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्राधिकरण ने सेक्टर चाई-5, ओमिक्रान-एक ए, केपी-2, केपी-3, ओमिक्रान-3, चाई-3, ज्यू-एक, स्वर्ण नगरी और ईकोटेक-एक समेत 9 सेक्टरों में पार्कों, ग्रीन बेल्ट, सेंट्रल वर्ज और सड़कों के किनारे हरियाली के विकास व रख रखाव के लिए करोड़ों रुपये के टेंडर जारी किए हैं। सेक्टर चाई-5 की 6 लेन सड़क के सेंट्रल वर्ज और हरित पट्टी के विकास व एक साल तक के रख रखाव पर 70.21 लाख रुपये खर्च होंगे। वहीं ओमिक्रान-एक ए, ज्यू-3, साइट-5 और ओमीक्रान-एक ए बैक साइड के सेंट्रल वर्ज में पौधारोपण और दो साल तक रख रखाव के लिए 1.09 करोड़ रुपये का खर्च किए जाएंगे। में दो साल तक के रख रखाव पर 1.24 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

सिटिंग-गेटिंग फॉर्मूले से मौजूदा विधायकों को मिला मौका, उत्तराखंड में भाजपा समन्वय से साधेगी हैट्रिक के समीकरण

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में सरकार और संगठन के साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के रथ पर सवार होकर भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में दमदार तरीके से खम ठोकने जा रही है। तालमेल के साथ होने वाले इस शक्ति प्रदर्शन में लोकसभा के पांच और राज्यसभा के तीन सदस्यों यानी सभी आठ सांसदों की भूमिका योगक्षेम की रहने वाली है। यानी, विधानसभा सीटों की मौजूदा संख्या को सुरक्षित रखने के साथ उसमें वृद्धि करने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। वहीं, सिटिंग-गेटिंग के फार्मूले पर ही आगे बढ़ने के संकेत देकर पार्टी ने वर्तमान 47 विधायकों को राहत दे दी है। इससे उन विधायकों को भी संभलने का मौका मिला है, पार्टी के सर्वे में जिनकी स्थिति नाजुक आंकी गई है।

उत्तराखंड में लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में हैटट्रिक के समीकरण साधने के लिए त्रिस्तरीय समन्वय भाजपा की रणनीति का खास हिस्सा बन गया है। इसे मजबूत किलेबंदी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा प्रदेश कोर कमेटी की हाल ही में दिल्ली में हुई बैठक में मंथन के बाद निर्णय किया गया कि सरकार,

संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल व भरोसे को मजबूत करने के साथ विपक्ष के नैरेटिव को ध्वस्त किया जाएगा। ये निर्णय अब जमीन पर उतरने लगे हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के इन दिनों भाजपा के भीतर गुटीय खींचतान को लेकर नैरेटिव बनाने के प्रयासों को देखते हुए सत्ताधारी दल सतर्क हुई है। अगले विधानसभा चुनाव के नेतृत्वकर्ता के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लोकसभा क्षेत्रवार सांसदों, विधायकों और जिलाध्यक्षों की लगातार बैठकें ले रहे हैं। मंडल स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के ठीक बाद इन बैठकों का क्रम आरंभ हो चुका है, ताकि विधानसभा चुनाव में लगने जा रही भाजपा की ताकत में बिखराव न होने पाए। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी दल के सांसद अलग-थलग नहीं दिखेंगे। उनकी सक्रिय भूमिका का ताना-बाना बुना गया है।

1600 घर खरीदारों के लिए गुड न्यूज, 19 साल से अटके अंसल प्रोजेक्ट को लेकर आई राहत भरी खबर

गाजियाबाद, एजेंसी। करीब 19 साल से अपने आशियाने का इंतजार कर रहे अंसल हाउसिंग प्रोजेक्ट के करीब 1,600 खरीदारों की उम्मीदों को अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राहत की उम्मीद नजर आ रही है। अदालत की सख्ती के बाद उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव पी गुरुप्रसाद ने जीडीए अधिकारियों के साथ अंसल प्रोजेक्ट की साइट का निरीक्षण किया। परियोजना की मौजूदा स्थिति, निर्माण में आ रही अड़चनों और लंबित स्वीकृतियों की जानकारी ली और घर खरीदारों से भी बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई में मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा था कि करीब 1,600 खरीदार 19 वर्षों से अपने फ्लैट की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अदालत ने राज्य सरकार और जीडीए को संयुक्त रूप से बैठक कर डेवलपमेंट लाइसेंस के नवीनीकरण और संशोधित भवन नक्शों की मंजूरी पर जल्द निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। साथ ही निर्णय की जानकारी अदालत के समक्ष रखने को कहा था। इसी क्रम में प्रमुख सचिव का साइट निरीक्षण महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन ने किया बेहालः चार भवनों पर मंडराया खतरा, गाड़िया क्षतिग्रस्त

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में रात से लगातार बारिश का दौर जारी है। शिमला में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अपर लंबिधार-इंद्रनगर एंबुलेंस रोड पूरी तरह से बंद हो गया है। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आया है। सड़क बंद होने से स्कूल और कार्यालय जाने वाले लोगों को सुबह भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, लैंडस्लाइड से ऊपर की तरफ बने चार घरों पर भी खतरा मंडरा रहा है। भट्ठाकुफर में भूस्खलन के कारण दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मंगलवार से हो रही भारी बारिश के कारण शिमला के अपर लंबिधार-इंदर नगर एंबुलेंस रोड पर अचानक लैंडस्लाइड हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ जाने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई। लैंडस्लाइड की चपेट में एक वाहन भी आ गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक लैंडस्लाइड के कारण सड़क के ऊपर बने चार घरों को भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में अगर जल्द सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए तो बारिश के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है। रामनगर वेलफेयर सोसाइटी, लंबिधार-इंदर नगर की ओर से पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान और नगर निगम आयुक्त से सड़क से मलबा जल्द हटाने की मांग की गई है। साथ ही

लैंडस्लाइड वाले स्थान पर जल्द रिटेनिंग वॉल यानी सुरक्षा दीवार लगाने का आग्रह किया गया है, ताकि ऊपर बने घरों को सुरक्षित किया जा सके। शिमला में दो दिन से लगातार हो रही वर्षा के बाद छोटा शिमला, समरहिल समेत अन्य क्षेत्रों में छह पेड़ गिरे हैं। पेड़ गिरने से कहीं वाहन इसकी चपेट में आए तो कहीं भवनों को खतरा पैदा हो गया। वर्षा के कारण जमीन में नमी बढ़ने से पेड़ों के गिरने का खतरा भी बढ़ गया है। राज्य सचिवालय में एक पेड़ गिरा है और दूसरा पेड़ गिरने के कगार पर है। इसे गिराने का काम चला है। छोटा शिमला क्षेत्र में एक पेड़ गिरने से सड़क किनारे खड़ा वाहन चपेट में आ गया। इससे वाहन को नुकसान पहुंचा।

हमारा एक्शन सही था, बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश से हैरान तुकाराम मुंडे; एफडीए पर लगा था 5 लाख का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी। पुणे की एक मिठाई दुकान के लाइसेंस सस्पेंशन को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र फ़ूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने के बाद विभाग में हलचल तेज हो गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर

महाराष्ट्र कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाई कोर्ट का यह आदेश उनके लिए हैरान करने वाला है, लेकिन विभाग अपनी कार्रवाई पर पूरी तरह कायम है और आदेश की लिखित कॉपी मिलने के बाद इसके खिलाफ आगे कानूनी विकल्प अपनाएगा। मामले की शुरुआत 12 जून को हुई, जब एफडीए की टीम ने पुणे की एक मिठाई दुकान का निरीक्षण किया और स्वच्छता व हाइजीन में भारी कमियां पाते हुए इसका लाइसेंस सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद दुकान द्वारा कंप्लायंस रिपोर्ट जमा करने पर 13 जुलाई को दोबारा जांच की गई, जिसमें 98 प्रतिशत नियमों का पालन (36 में से 35 पैरामीटर सही) पाया गया। इसके बावजूद लाइसेंस सस्पेंशन जारी रहने पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। अदालत ने विभाग की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सस्पेंशन को रद कर दिया, दुकान को तुरंत काम फिर से शुरू करने की इजाजत दी और स्न्नष्ठ को 30 दिनों के भीतर दुकान मालिक को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अपने विभाग के फैसले का बचाव करते हुए स्न्नष्ठ कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने कहा, यह सिर्फ कागजी नियमों की अनदेखी का मामला नहीं था, बल्कि फूड पॉइजनिंग की एक गंभीर घटना थी। इस दुकान से मिठाई खाने के बाद कई ग्राहक बीमार पड़े थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। लैब जांच में सैंपल असुरक्षित पाए गए थे। उन्होंने कहा, जनस्वास्थ्य के हित में उठाया गया हमारा कदम पूरी तरह सही था, इसमें कुछ भी गलत नहीं था। हम अपने स्टैंड पर कायम हैं। फिलहाल हम कोर्ट के लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं। आदेश की समीक्षा करने के बाद हम अपने कानूनी अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे। तुकाराम मुंडे ने कहा, मुझे लगता है कि यह सच में बहुत जरूरी है। सपोर्ट के अलावा, हिस्सा लेना भी जरूरी है। मैंने पहले भी कहा था कि यह एक पब्लिक मूवमेंट बनना चाहिए। मुझे लगता है कि हम इस तरफ पहला कदम उठा रहे हैं। इसे एक हेल्दी और मजबूत इंडिया, एक सुपरपावर बनाना है, तो हमारे पास एक हेल्दी इंडिया होना चाहिए।

वशिष्ठ नगर योजना को शासन से मिली मंजूरी, स्टार्टअप्स को एलडीए देगा 50 एकड़ जमीन

लखनऊ, एजेंसी। आगरा एक्सप्रेसवे के निकट आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व रोजगार

के अवसर सृजित करने के लिए वशिष्ठ नगर योजना के प्रस्ताव पर शासन की मुहर लग गई है। अब लखनऊ विकास प्राधिकरण योजना में स्टार्ट अप के लिए भारत सरकार के एमएसएमई विभाग को 50 एक? जमीन देगा। सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम स्थापित होने से क्षेत्र का आर्थिक विकास होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत आगरा एक्सप्रेसवे पर 6580 एक? क्षेत्रफल में वरुण विहार आवासीय योजना विकसित की जा रही है। इस क्षेत्र में ही वशिष्ठ नगर योजना आकार लेगी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया, इसमें विशेष तौर से आर्थिक विकास को गति देने के लिए औद्योगिक, लाजिस्टिक व व्यावसायिक क्लस्टर नियोजित किए जाएंगे। मंगलवार को वशिष्ठ नगर योजना का प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसे शासन ने मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत स्वीकृत किया है। योजना आगरा एक्सप्रेसवे के पास 1035 एक? क्षेत्रफल में विकसित की जाएगी। इसके लिए ग्राम-रेवरी, भलिया, गहलवारा, आदमपुर इन्दवारा, बहरू व जलियामऊ की भूमि चिन्हित हुई है। आने वाले समय में योजना उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन के विजन को साकार करते हुए राजधानी को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन से जोड़ेगी। उपाध्यक्ष ने बताया कि वशिष्ठ नगर में औद्योगिक, लाजिस्टिक व आर्थिक गतिविधियों के लिए नए जोन विकसित किये जाएंगे। एमएसएमई विभाग द्वारा संचालित सरदार वल्लभ भाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र योजना के तहत 50 एकड़ भूमि पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्थापित होंगे। इससे राजधानी में स्टार्ट अप को ब?ावा मिलेगा और युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के अवसर एक ही मंच पर मिलेंगे। वशिष्ठ नगर योजना आगरा एक्सप्रेसवे, मोहान रोड, लिंक एक्सप्रेसवे व वरुण विहार योजना जैसे महत्वपूर्ण कारिडोर से सीधे कनेक्ट होगी। इससे उद्योग, वेयरहाउसिंग, लाजिस्टिक्स एवं परिवहन क्षेत्र को सीधा लाभ मिलेगा। शासन की मंजूरी के बाद अब किसानों से सहमति व अन्य माध्यमों से भूमि जुटाव का कार्य शुरू किया जाएगा। भूमि लेने में लगभग 1328 करो? रुपये खर्च होंगे।

पंजाब लाए गए बंबीहा गैंग के 3 गुर्गे, मलेशिया में छिपे थे; हत्या-रंगदारी और विस्फोटक मामलों में थे वांटेड

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब पुलिस ने विदेश में छिपकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे गैंग्स्टरो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन वांछित आरोपितों को मलेशिया से भारत लाने में सफलता हासिल की है। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग की ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रैक्शन सेल (ओएफटीईसी) ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से तीनों का प्रत्यर्पण कराया। तीनों आरोपितों को दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उन्हें पंजाब लाकर आगे की पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपितों की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल, अजय सिंह और पवंदीप सिंह के रूप में हुई है। तीनों के खिलाफ हत्या, रंगदारी, विस्फोटक से जुड़े मामलों के साथ-साथ लुधियाना में हैंड ग्रेनेड से धमाका करने की साजिश में भी तलाश थी। ग्रेनेड मामलों में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ से जुड़े तार भी सामने आए हैं। दो दर्जन से ज्यादा मामलों में वांछित होने की जानकारी पुलिस जांच में सामने आया है कि विदेश भागने के बाद आरोपित मलेशिया में छिपकर रह रहे थे। पंजाब में उनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार इन आरोपितों के खिलाफ दो दर्जन से अधिक मामलों में कार्रवाई और रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी है। अब भारत वापस लाए जाने के बाद पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके पूरे नेटवर्क, विदेश में मदद करने वाले लोगों और पंजाब में सक्रिय साथियों के बारे में जानकारी जुटाएगी। पंजाब पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, ओएफटीईसी की टीम लगातार विदेशों में छिपे वांछित अपराधियों की निगरानी कर रही है। केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से मलेशिया में मौजूद इन तीनों आरोपितों का पता लगाया गया और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया पूरी की गई। तीनों आरोपितों की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

भारत टू-स्टेट फॉर्मूले का समर्थक

फलस्तीनी मंत्री से मिलीं सचिव प्रिया रंगनाथन, कहा- गाजा की स्थिति चिंताजनक

यरुशलम, एजेंसी। भारत ने फलस्तीन में बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए अपने लंबे समय से चले आ रहे समर्थन को दोहराया है। विदेश मंत्रालय की सचिव प्रिया रंगनाथन ने फलस्तीन लोगों के लिए देश के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। रंगनाथन 16 से 21 अगस्त तक मिस्र, फलस्तीन और लेबनान की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

मंगलवार को रंगनाथन ने फलस्तीन की विदेश मामलों और प्रवासी मंत्री वर्सेन अघाबेकियन शाहिन से मुलाकात की। उन्होंने गाजा में गंभीर मानवीय स्थिति पर भारत की चिंता व्यक्त की। भारत के प्रतिनिधि कार्यालय ने एक्स पर बताया कि दोनों पक्षों ने भारत-फलस्तीन द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। इसमें उनके व्यापक विकास सहयोग पहल भी शामिल थे। भारत ने बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए अपने समर्थन पर जोर दिया।

गाजा में मानवीय स्थिति को निरंतर सहायता और कूटनीति से सुलझाने का महत्व बताया। भारत इस्राइल और फलस्तीन के लिए मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर शांति से रहने वाले दो-

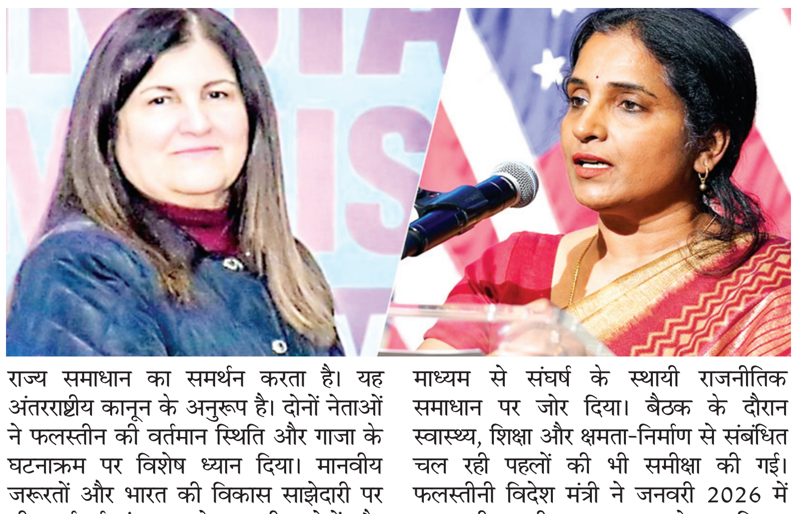

राज्य समाधान का समर्थन करता है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है। दोनों नेताओं ने फलस्तीन की वर्तमान स्थिति और गाजा के घटनाक्रम पर विशेष ध्यान दिया। मानवीय जरूरतों और भारत की विकास साझेदारी पर भी चर्चा हुई। रंगनाथन ने फलस्तीन लोगों और बातचीत से दो-राज्य समाधान के लिए भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने शांति और स्थिरता के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी राजनीतिक समाधान पर जोर दिया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा और क्षमता-निर्माण से संबंधित चल रही पहलों की भी समीक्षा की गई। फलस्तीनी विदेश मंत्री ने जनवरी 2026 में भारत की अपनी सफल यात्रा को याद किया। उन्होंने भारत के निरंतर समर्थन के लिए सराहना व्यक्त की। यह समर्थन विकास परियोजनाओं, क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों और छात्रवृत्तियों के माध्यम से दिया जाता है।

अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हमले से तनाव, क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा

यरुशलम, एजेंसी। सीरिया के इदलिब प्रांत स्थित अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हवाई हमलों के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। ने हमलों को सीरिया की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और 1974 के डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की है। इस्राइल ने अपने कदम को सुरक्षा संबंधी चिंताओं से जोड़ा है, जबकि अमेरिका ने हमलों को अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाने वाला बताया है। सीरिया, जॉर्डन, कतर और तुर्की ने भी अलग-अलग तरीके से हमलों पर आपत्ति जताई है। एक बयान में के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्राइली हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करता है। मंत्रालय ने ऐसी किसी भी कार्रवाई को पूरी तरह खारिज किया, जो सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करती हो। मंत्रालय ने कहा, सीरिया की संप्रभुता के किसी भी उल्लंघन या उसकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए पैदा किए जा रहे खतरों को पूरी तरह से खारिज करता है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि सीरियाई क्षेत्र में इस्राइल की ओर से लगातार किए जा रहे हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और सीरिया तथा इस्राइल के बीच 1974 में हुए डिसइंगेजमेंट एग्रीमेंट यानी सेनाओं की वापसी संबंधी समझौते का खुला उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने कहा, मंत्रालय ने सीरिया की स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता के समर्थन में,श्च के अडिग रुख को दोहराया। साथ ही, सीरियाई लोगों के साथ एकजुटता जताई और सुरक्षा, शांति, सम्मान, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व तथा विकास की उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी प्रयासों के लिए समर्थन व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरियाई क्षेत्र पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने और तनाव को और बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का भी आह्वान किया। अबू धाबी ने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयों से क्षेत्रीय तनाव बढ़ सकता है और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। बयान में कहा गया,

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सीरियाई क्षेत्र पर बार-बार हो रहे हमलों को रोकने और तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। साथ ही, ऐसी किसी भी कार्रवाई को रोकने की अपील की, जो क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा सकती है और क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है। नेतन्याहू कार्यालय ने बताया यथास्थिति का यह बयान इदलिब में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइली हमलों की खबरों के बाद आया। हमलों के बाद इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इस्राइल और सीरिया सुरक्षा मामलों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए थे। एक्स पर एक पोस्ट में नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि सीरिया अलेप्पो के पास एक एयरबेस पर तुर्की सैनिकों को तैनात करने की अनुमति देकर इस समझौते को तोड़ने की कगार पर था। बयान में कहा गया, इस्राइल और सीरिया सुरक्षा मामलों में यथास्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए थे, जिसे सीरिया अलेप्पो के पास एक एयरबेस पर तुर्की सैनिकों को तैनात करने की अनुमति देकर तोड़ने की कगार पर था।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496